THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 224 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.6 2082 सोमवार, 10 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भयंकर भूकंप से हिली धरती

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के अंडमान द्वीप और जापान के उत्तरी प्रशांत क्षेत्र में रविवार 9 नवंबर को भूकंप के जबरदस्त झटके महसूस किए गए। अंडमान में भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 5.4 मापी गई। एनसीएस के अनुसार अंडमान में भूकंप रविवार दोपहर 12:06 बजे आया और इसका केंद्र अंडमान सागर में था। भूकंप की गहराई 90 किलोमीटर थी। वहीं, जापान को लेकर भूकंप पर भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 6.6 थी, जिसका केंद्र उत्तरी प्रशांत महासागर में 39.51ओ उत्तरी अक्षांश और 143.38ओ पूर्वी देशांतर पर 30 किमी की गहराई पर था। खबर लिखे जाने तक किसी नुकसान की जानकारी नहीं है।

गुजरात एटीएस ने तीन आतंकी पकड़े

देश में कई जगह हमले करने की प्लानिंग कर रहे थे, हथियार जमा करने पहुंचे थे गुजरात

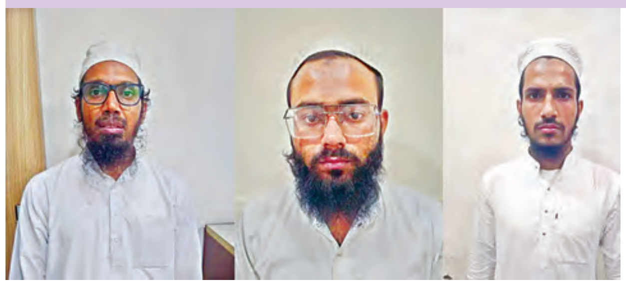

हैदराबाद का एक व्यक्ति सैयद अहमद मोहिउद्दीन आतंकी गतिविधियों में शामिल है

अहमदाबाद, 9 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में आतंकी साजिश रचने के आरोप में तीन संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आतंक रोधी दस्ते (एटीएस) ने हथियार सप्लाई करते समय तीनों संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। देश में आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोप में पकड़े गए इन लोगों की पहचान डॉ. अहमद मोहिउद्दीन सैयद, मोहम्मद सुहेल पुत्र और आजाद के रूप में की गई। पुलिस ने तीनों के पास से हथियार और कारतूस भी बरामद किए हैं।

अहमदाबाद से तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया :

पुलिस की तरफ से जारी बयान में कहा गया, गुजरात एटीएस ने अहमदाबाद से तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। ये पिछले एक साल से गुजरात एटीएस के रडार पर थे। तीनों को हथियार सप्लाई करते हुए गिरफ्तार किया गया। ये देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी हमले करने की योजना बना रहे थे।

पुलिस ने हथियार भी बरामद किए :

गुजरात एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया, पुलिस को सूचना मिली थी कि हैदराबाद का एक व्यक्ति सैयद अहमद मोहिउद्दीन आतंकी गतिविधियों में शामिल है और उसी के लिए अहमदाबाद आने वाला था। जांच करने पर, अहमदाबाद में उसकी गतिविधि का पता चला। उसे अडालज के पास एक टोल प्लाजा पर गिरफ्तार किया गया। उसके पास से दो ग्लॉक पिस्टल, एक बेरेटा पिस्तौल, 30 जिंदा कारतूस और 4 लीटर अरंडी का तेल बरामद किया गया।

रासायनिक जहर तैयार करने की साजिश :

उन्होंने बताया कि सैयद अहमद मोहिउद्दीन की उम्र 35-36 साल है। उसने चीन से एमबीबीएस किया था। वह एक ऐसी आतंकी गतिविधि को अंजाम देना चाहता था जिससे भारी नुकसान हो। वह कई विदेशियों के संपर्क में था। वह अबू खदीजा नाम की एक टेलीग्राम आईडी के संपर्क में था, जो कथित तौर पर आईएसकेपी (इस्लामिक स्टेट- खुरासान प्रांत) से जुड़ा था... उसने रिसिन नाम का रासायनिक जहर तैयार करने की प्रक्रिया भी शुरू की थी, जो अरंडी के बीजों के प्रसंस्करण से बचे अपशिष्ट पदार्थ से बनाया जाता है। वह हथियार की डिलीवरी लेने अहमदाबाद आया था... उसे कलोल से हथियार की खेप मिली थी।

गुजरात एटीएस ने उत्तर प्रदेश के दो लोगों को भी गिरफ्तार किया :

डीआईजी सुनील जोशी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के दो अन्य संदिग्ध गुजरात के बनासकांठा में थे। दोनों लखीमपुर और शामली निवासी हैं।

इनकी पहचान आजाद सुलेमान शेख और मोहम्मद सुहेल सलीम खान के रूप में की गई है। दोनों ने 'दीनी' शिक्षा प्राप्त की है और कट्टरपंथी हैं। विदेश में रहने वाले लोगों के संपर्क में रहने के अलावा इन्होंने लखनऊ, दिल्ली और अहमदाबाद के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में रेकी भी की है। कश्मीर में भी उनकी गतिविधियों को रिकॉर्ड किया गया है। उन्होंने राजस्थान के हनुमानगढ़ से सामान रिसीव करने के बाद कलोल में डिलिवर किया। पुलिस आगे की जांच कर रही है। हमें एक आरोपी की रिमांड 17 नवंबर तक मिली है। बाकी दो को आज अदालत में पेश किया जाएगा।

पूर्वोत्तर क्षेत्र देश का अग्रिम चेहरा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की सीमा ही नहीं, बल्कि अब यह देश का अग्रिम चेहरा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के आर्टिकल पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने लिखा, इस आर्टिकल में केंद्रीय मंत्री जेएम सिंधिया ने उत्तर पूर्व की अपनी यात्रा का अनुभव शेयर किया और वहां की सुंदरता और लोगों की अटूट भावना के बारे में बताया है।

पीएम मोदी ने आगे लिखा, केंद्रीय मंत्री ने उत्तर पूर्व को 'अष्टलक्ष्मी' बताते हुए कहा कि कैसे यह दक्षिणपूर्व एशिया के लिए भारत का प्राकृतिक गेटवे बन रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की सीमा ही नहीं, बल्कि देश का अग्रिम चेहरा है।

आर्टिकल में सिंधिया ने कहा, पूर्वोत्तर की मनमोहक सुंदरता की बराबरी केवल यहां के लोगों की गर्मजोशी, सादगी और अदम्य साहस से ही हो सकती है, जिन्होंने मुझ पर अमिट छाप छोड़ी है। मैं इस यात्रा से इस क्षेत्र की प्रगति और समृद्धि के लिए और भी अधिक परिश्रम और लगन से काम करने के नए संकल्प के साथ घर लौट रहा हूं।

केंद्रीय मंत्री ने आगे लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार पूर्वोत्तर को संपर्क, संस्कृति और वाणिज्य के एक जीवंत केंद्र में बदल रही है।

पाक के परमाणु परीक्षण पर भारत का जवाब

हम किसी भी स्थिति के लिए तैयार है : राजनाथ

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के इस दावे पर जवाब दे रहे थे कि पाकिस्तान चुपके से न्यूक्लियर हथियारों का टेस्ट कर रहा है।

ट्रंप की हालिया टिप्पणियों के बाद बढ़ी अटकलों पर राजनाथ सिंह ने कहा, जो लोग टेस्ट करना चाहते हैं, उन्हें करने दें, हम उन्हें कैसे रोक सकते हैं? जो कुछ भी हो, हम किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं। अगर पाकिस्तान टेस्ट करता है तो क्या भारत भी ऐसा ही करेगा? उन्होंने जवाब दिया, पहले देखते हैं कि वे ऐसा करते हैं या नहीं।

ट्रंप की टिप्पणी पर राजनाथ सिंह का जवाब :

रक्षा मंत्री की यह टिप्पणी राष्ट्रपति ट्रंप के उस ऐलान के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका 30 साल से ज्यादा समय बाद न्यूक्लियर हथियारों का टेस्ट फिर से शुरू करेगा और इसके लिए उन्होंने दूसरे देशों द्वारा हाल ही में किए गए टेस्ट का हवाला दिया था।

ट्रंप ने खास तौर पर पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि इस्लामाबाद लगातार न्यूक्लियर टेस्ट कर रहा है।

रणधीर जायसवाल ने क्या कहा था :

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, चोरी-छिपे और गैर-कानूनी न्यूक्लियर एक्टिविटीज पाकिस्तान के इतिहास के मुताबिक ही हैं, जो दशकों से स्मगलिंग, एक्सपोर्ट कंट्रोल के उल्लंघन, सीक्रेट पार्टनरशिप, एक्यू खान नेटवर्क और आगे न्यूक्लियर हथियारों के प्रसार के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। इस बीच, पाकिस्तान ने ट्रंप के बयान को खारिज कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि देश न्यूक्लियर टेस्टिंग पर एकतरफा रोक बनाए हुए है। पाकिस्तान ने जोर देकर कहा कि वह न्यूक्लियर टेस्ट करने वाला पहला देश नहीं था और न ही उन्हें फिर से शुरू करने वाला पहला देश होगा।

आसिम मुनीर को ताकतवर बनाने वाले संविधान संशोधन पर बवाल

इस्लामाबाद, 9 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में 27वें संवैधानिक संशोधन को लेकर हंगामा हो गया है। विपक्षी पार्टियों ने इसके खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का एलान कर दिया है। विपक्षी पार्टियों का आरोप है कि इस संशोधन से संविधान की नींव हिल जाएगी। गौरतलब है कि इस संविधान संशोधन के जरिए पाकिस्तानी सेना के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ताकत और बढ़ जाएगी। इस संविधान संशोधन के तहत संविधान के

अनुच्छेद 243 में बदलाव का प्रस्ताव है। इस बदलाव के तहत चेयरमैन जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी का पद खत्म करके उसकी जगह चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज का पद सृजित किया जा रहा है।

संविधान संशोधन से आसिम मुनीर की बढ़ जाएगी ताकत :

संविधान संशोधन के बाद आसिम मुनीर के पास न सिर्फ थल सेना बल्कि वायु सेना और नौसेना का भी नियंत्रण आ जाएगा। इसका विपक्षी पार्टियों द्वारा विरोध किया जा रहा है। संविधान संशोधन के अन्य प्रस्तावों के तहत एक संघीय संवैधानिक अदालत की भी स्थापना की जाएगी और हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया में भी बदलाव किया जा रहा है।

वायुसेना ने 93वां स्थापना दिवस मनाया

गुवाहाटी, 9 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना के 93वें स्थापना दिवस पर नॉर्दर्न कमांड गुवाहाटी में पहला एयर शो हुआ। वायुसेना के एयर वॉरियर्स ने ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर लचित घाट पर 25 से ज्यादा फॉर्मेशन बनाए। इसके लिए राफेल, सुखोई, तेजस समेत 75 से ज्यादा प्लेन और हेलिकॉप्टरों ने फ्लाइंग डिस्प्ले किया।

इस साल वायुसेना दिवस की थीम अचूक, अभेद्य और सटीक है, जो भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमता, लचीलेपन और सटीकता पर ध्यान केंद्रित करने का प्रतीक है।

फ्लाइंग डिस्प्ले के लिए वायुसेना के वॉरियर्स ने गुवाहाटी, तेजपुर, जोरहाट, छाबुआ, हासीमारा, बागडोगरा और पानागढ़ से उडान भरी। लड़ाकू विमानों में राफेल, सुखोई-30, अपाचे, मिग-29, आईएल-78 रिफ्यूलर, मिराज, जगुआर, सी-17 ग्लोबमास्टर, एमआई-17, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर-एमके1, सी-130 हरक्यूलिस, एंटोनोव एएन-32 और सूर्य किरण विमान शामिल हुए।

400 साल पुरानी मुगलकालीन मस्जिद को मिलेगा नया जीवन

पुलवामा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के शादीमर्ग स्थित 400 साल पुरानी मुगलकालीन मस्जिद का जीर्णोद्धार कार्य जल्द शुरू होने वाला है। सरकार ने इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण के लिए 22 लाख रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है। यह मस्जिद मुगल काल की उन विरल संरचनाओं में से एक है जो आज भी अपना अस्तित्व बनाए हुए है। स्थानीय लोगों ने दशकों से इसके संरक्षण की मांग की थी। मौसम की मार और रखरखाव के अभाव में इमारत में दरारें आ गई थीं और कई हिस्से कमजोर हो गए थे। शादीमर्ग निवासी शाहिद नजीर ने कहा कि यह मस्जिद हमारे गौरवशाली अतीत की जीवंत याद दिलाती है। इसकी शिल्पकला और संरचनात्मक शैली मुगल प्रभाव को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। अधिकारियों का कहना है कि जीर्णोद्धार कार्य मस्जिद के मूल वास्तुशिल्प स्वरूप को बनाए रखते हुए किया जाएगा।

स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इससे न केवल यह ऐतिहासिक संरचना सुरक्षित होगी, बल्कि पुलवामा में विरासत पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। एक अन्य स्थानीय निवासी फारूक अहमद ने कहा कि यह स्थल विरासत पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण क्षमता रखता है। जीर्णोद्धार के बाद यह देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है। सरकार के इस कदम से क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

कश्मीर में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन

कुलगाम और रामबन में आतंकियों के मददगारों पर शिकंजा

कुलगाम, 9 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी नेटवर्क को जमीनी स्तर से उखाड़ फेंकने के निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। रविवार को आतंकवाद और उसके समर्थक नेटवर्क के प्रति जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत कुलगाम और रामबन जिले में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। रामबन जिले में पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और एसओजी इकाइयों की संयुक्त टीमों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेटों के साथ मिलकर जिलेभर के अलग-अलग संवेदनशील इलाकों में अभियान चलाया।

ये अभियान आम जनता को किसी भी तरह की असुविधा पहुंचाए बिना, संगठित तरीके से चलाए गए। इसका उद्देश्य पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों (जेकेएनओपी) के रिश्तेदारों की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में जानकारी

जुटाना और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी करना था।

आतंकियों के मददगारों को तलाशा

अभियानों के दौरान सुरक्षाबलों ने रामबन के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय आतंकवादियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के रिश्तेदारों और ज्ञात सहयोगियों के घरों की तलाशी ली। पुलिस टीमों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई परिसरों का गहन निरीक्षण किया कि राष्ट्र-विरोधी या गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा तो नहीं दिया जा रहा है।

जनता से सहयोग की अपील

पुलिस ने आम जनता से एजेंसियों के साथ सहयोग करने और अपने क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों या व्यक्तियों के बारे में कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने की अपील की। इसके साथ ही, आश्वासन दिया गया कि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। इसी तरह, कुलगाम में सुरक्षाबलों ने जिले के कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की। इस अभियान में ओजीडब्ल्यू, यूएपीए और पीएसए के तहत गिरफ्तार किए गए लोगों, समर्थकों और मारे गए व सक्रिय आतंकवादियों के रिश्तेदारों के घर और अन्य ठिकानों की तलाशी ली गई। अभियान के दौरान कई संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

वहीं, सोशल मीडिया दुरुपयोग मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पांच जिलों में छापेमारी की। पुलवामा, शोपियां, श्रीनगर, बारामूला और कुलगाम जिलों में यह छापेमारी की गई। अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया के दुरुपयोग से सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की संभावना थी।

गोलीकांड से फिर दहला दिल्ली! नंद नगरी में सनी को किसने मारी गोली?

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बीती देर शाम आरोपियों ने वारदात को इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। पुलिस को शाम 7 बजे पर पीसीआर कॉल के जरिए वारदात की जानकारी मिली। मृतक शक्स की पहचान 25 साल के सनी के रूप में हुई है। बता दें कि पुलिस ने मामले दर्ज करके इसकी जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने हत्या और आर्म्स एक्ट समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

इसके अलावा, घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। पुलिस आरोपियों के फारवर्ड रूट और बैकवर्ड रूट को ट्रैक करने की कोशिश कर रही है। वहीं, मृतक सनी के शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल रखवा दिया गया है। दूसरी तरफ, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

'हिंदू धर्म भी रजिस्टर्ड नहीं'

आरएसएस के पंजीकरण विवाद के बीच मोहन भागवत का बड़ा बयान

बेंगलूरू, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 साल पूरे होने को लेकर बेंगलुरु में आयोजित 2 दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला को आरएसएस चीफ प्रमुख मोहन भागवत ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम संपूर्ण हिंदू समाज को एकजुट करना और संगठित करना चाहते हैं ताकि वे एक समृद्ध और मजबूत भारत का निर्माण कर सकें।

मोहन भागवत ने रविवार (9 नवंबर) को कहा कि हम ऐसे हिंदू समाज का निर्माण करना चाहते हैं जो दुनिया को धर्म का ज्ञान प्रदान करे ताकि दुनिया खुश, आनंदित और शांतिपूर्ण हो। उन्होंने कहा कि कार्य का वह हिस्सा पूरे समाज और पूरे राष्ट्र द्वारा किया जाना है। हम हिंदू समाज को इसके लिए तैयार कर रहे हैं। हमारा एकमात्र विजन है, एकल विजन। उस विजन को पूरा करने के बाद हम कुछ और नहीं करना चाहते हैं।

हिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है- भागवत

आरएसएस चीफ ने कहा कि संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना यह हमारा कार्य है। हम इसे पूरा करेंगे और संगठित समाज बाकी काम करेगा। हमारा मिशन, हमारी दृष्टि एक संगठित मजबूत हिंदू समाज है। संगठन के औपचारिक पंजीकरण न होने पर चल रही बहस को लेकर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि कई चीजें पंजीकृत नहीं हैं यहां तक कि हिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है।

'क्या आरएसएस को ब्रिटिश सरकार के पास पंजीकृत होना चाहिए था?'

मोहन भागवत ने आरएसएस को टैक्स छूट मामले पर दावा किया कि आयकर विभाग और अदालतों ने यह देखा है कि आरएसएस व्यक्तियों का एक समूह है इसलिए इसे टैक्स से छूट दी गई है। आरएसएस की स्थापना के 100 साल का जिक्र करते हुए उन्होंने आगे तर्क दिया कि क्या हमें आरएसएस को ब्रिटिश सरकार के पास पंजीकृत करवाना चाहिए था, क्योंकि इसकी स्थापना 1925 में हुई थी? 1947 में आजादी को लेकर भागवत ने कहा कि सरकार ने पंजीकरण कराना अनिवार्य नहीं बनाया था।

उन्होंने यह भी बताया कि आरएसएस पर पहले तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है, इसलिए सरकार ने हमें मान्यता दी है। उन्होंने तर्क दिया कि अगर हम नहीं थे, तो उन्होंने किस पर प्रतिबंध लगाया?

युवती से छेड़छाड़ करने वाला रैपिडो राइडर अरेस्ट

बेंगलुरु, 9 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की पुलिस ने एक युवती से छेड़छाड़ करने के आरोप में रैपिडो ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने युवती की ट्रिप के दौरान उसे गलत तरीके से छुआ था। युवती के असहज होने पर एक राहगीर ने आरोपी ड्राइवर को जमकर फटकार लगाई थी, जिसके बाद उसने युवती से माफी भी मांगी थी। घटना के बाद पीड़ित युवती ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए आपबीती लिखी थी। पुलिस ने इसी के आधार पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है। बेंगलुरु में गुरुवार को 20 साल की युवती ने चर्च स्ट्रीट से सुधामनगर के लिए रैपीडो राइड बुक की थी। युवती ने जब ड्राइवर से कहा-भैया क्या कर रहे हो, इस दौरान युवती काफी डर गई थी। वह डर के कारण कांप रही थी, साथ ही वह रो भी रही थी। इसी बीच डेस्टिनेशन पर पहुंचने पर उसे परेशान देखकर एक राहगीर युवक ने उससे परेशानी की वजह पूछी। पुलिस ने शुक्रवार के दिन युवती को थाने बुलाया। इसके बाद मदद और कार्रवाई का आश्वासन देते हुए पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपी ड्राइवर के खिलाफ बीएनएस धारा 75 (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकियों की मदद कर रहे थे दो पुलिस अधिकारी, दोनों किए गए सस्पेंड

जम्मू, 9 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकवादियों के साथ संबंधों के कारण दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एसपीओ अब्दुल लतीफ और मोहम्मद अब्बास को पहले भी आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया था।

तत्काल प्रभाव से किया गया बर्खास्त

उन्होंने बताया कि कठुआ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने दोनों एसपीओ को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने का आदेश दिया। दोनों पुलिसकर्मियों पर आतंकवादियों को सहायता प्रदान करने का आरोप है।

जम्मू के कई जगहों पर आतंकवाद रोधी सर्च ऑपरेशन

वहीं, दूसरी ओर जम्मू में आतंकवाद रोधी अभियान चलाया गया। कई जगहों पर छापेमारी की गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी संगठनों के खिलाफ जारी कार्रवाई का जम्मू के विभिन्न इलाकों में विस्तार करते हुए पाकिस्तान से सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों एवं उनके 'ओवरग्राउंड वर्कर्स' (ओजीडब्ल्यू) को निशाना बनाया। कश्मीर के संदर्भ में ओजीडब्ल्यू का मतलब उन व्यक्तियों से है जो आतंकवादियों को साजो-सामान उपलब्ध कराते हैं एवं उन्हें गुप्त गतिविधियां चलाने में मदद करते हैं। अधिकारियों ने कहा कि रामबन, कठुआ और राजौरी जिलों में कई जगहों पर व्यापक तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी है।

सर्दियां आते ही मैदानी इलाकों में छिप रहे आतंकवादी

जम्मू के डोडा जिले में बड़े पैमाने पर जारी आतंकवाद-रोधी अभियान के बीच शनिवार को कई संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। यह खुफिया जानकारी मिलने के बाद तलाश अभियान तेज कर दिया गया कि ऊंचाई वाले इलाकों में सक्रिय आतंकवादी सर्दियों के लिए मैदानी इलाकों में सुरक्षित ठिकानों की खोज कर रहे हैं।

पद्मनाभस्वामी मंदिर से गायब हुआ सोना बरामद

तिरुवनंतपुरम, 9 नवंबर (एजेंसियां)। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के पूर्वी किले के भीतर स्थित श्री पद्मनाथ स्वामी मंदिर से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल इस मंदिर से सोने के गायब होने के आरोप सामने आए हैं। हालांकि गायब हुआ सोना मंदिर परिसर से ही मिल गया लेकिन मंदिर प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया और मामले की जांच की गई। जांच में ये बात सामने आई कि गोल्ड प्लेटिंग के लिए जब स्ट्रांग रूम से सोने के सिक्के निकाले गए थे, तब वहां पर सीसीटीवी काम नहीं कर रहे थे। जांच के क्रम में फोर्ट थाना पुलिस ने तिरुवनंतपुरम न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट अदालत से मंदिर के छह कर्मचारियों पर पॉलीग्राफ (झूठ पकड़ने वाला) परीक्षण कराने की मंजूरी देने की अपील की, अब कोर्ट ने इसकी मंजूरी दे दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अभी तक ये स्पष्ट नहीं है कि यह घटना चोरी की कोशिश थी या लापरवाही का नतीजा।

उन्होंने कहा कि झूठ पकड़ने वाले परीक्षण, हालांकि अदालत में सबूत के तौर पर स्वीकार्य नहीं हैं, लेकिन इस प्रक्रिया से कर्मचारियों के बयानों में विसंगतियों की पहचान करने और इस मामले को सुलझाने में अहम सुराग देने में मदद कर सकते हैं। मंदिर प्रबंधन की ओर से पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक इस साल 7 से 10 मई के बीच गर्भगृह के द्वार की गोल्ड प्लेटिंग के लिए स्ट्रांग रूम से निकाले गए लगभग 107 ग्राम वजन के 13 सोने के सिक्के गायब हो गए थे, हालांकि ये सारे सिक्के बाद में मंदिर परिसर में ही मिल गए।

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर, सबरीमला अयप्पा भगवान के बाद, दुनिया के सबसे धनी मंदिरों में से एक है। ये भगवान विष्णु का मंदिर है और केरल और द्रविड़ वास्तुशिल्प शैली का अनुपम उदाहरण है।

कांग्रेस नेताओं और उनके परिवार वालों से मिले राहुल गांधी

जयवर्धन सिंह ने क्यों कहा मैंने कभी नहीं सोचा था कि राहुल गांधी हमें लगातार 3-4 घंटे का संबोधन देंगे

पचमढ़ी, 9 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पंचमढ़ी में लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। कांग्रेस नेता जयवर्धन सिंह ने कहा कि आज राहुल गांधी पचमढ़ी पहुंचे और लगभग 6 घंटे हमारे साथ रहे। सबसे पहले उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेसजनों के साथ बैठक की। उसके बाद उन्होंने लगभग ढाई से तीन घंटे ज़िला अध्यक्षों के साथ बिताए। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास, उसकी विचारधारा पर बहुत विस्तार से जानकारी दी। साथ ही ज़िला अध्यक्षों को अपने कर्तव्यों का पालन कैसे करना चाहिए और किन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, इसके बारे में बताया। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि राहुल गांधी हमें लगातार 3-4 घंटे का संबोधन देंगे। इसके साथ ही राहुल गांधी ने मेरी पत्नी और बेटे से भी मुलाक़ात की। ये ऐसे पल हैं जो हमेशा याद रहेंगे। राहुल गांधी का संदेश यही है कि कांग्रेस का विज़न ऐसे भारत का निर्माण करना है जहां हर समाज और हर धर्म का सम्मान हो, हर गरीब को अच्छा अवसर मिले। युवाओं को रोज़गार मिले और सबसे महत्वपूर्ण बात, हमारे देश में एक बार फिर संविधान की मज़बूती स्थापित हो। यही हमारा प्रयास रहेगा।

कांग्रेस नेता निलय विनोद डागा ने कहा कि संगठन को मजबूत करना है, धरातल पर कांग्रेस को मजबूद करना है। कांग्रेस का कार्यकर्ता हर गांव में है, हर कस्बे में है। उसको उठाना है। भाजपा के सामने हमारे संगठन की कमजोरी है उसे हम दूर करेंगे। हर अधिकार कांग्रेस पार्टी का दिया हुआ है, हर संस्था कांग्रेस पार्टी ने बनाई है, ये आज के युवाओं को हमें बताना पड़ेगा।

इस बात को हम धरातल में जाकर बताएंगे। भाजपा ने देश में बस भ्रष्टाचार, वर्गों को बांटना, हिंदू मुस्लिम को आपस में लड़ाना, कभी एससीएसटी को आपस में लड़ाना, कभी ओबीसी को आपस में लड़ाना।। बस यही काम किए हैं। भाजपा का योगदान इस देश में कुछ नहीं है। उन्होंने बस दो चार उद्योगपतियों को पकड़ लिया है, जिन्हें वो बढ़ा रहे हैं। कांग्रेस की सोच ये है कि हमें हर वर्ग को ऊपर उठाना है। सबके समानता का अधिकार सुनिश्चित करना है। इस विजन के साथ, हम 2028-29 में कांग्रेस की सरकार बनाएंगे।

सूरत के युवक ने पाकिस्तान ट्रांसफर किए 10 करोड़ रुपये

गुजरात पुलिस ने किया साइबर क्राइम का भंडाफोड़

अहमदाबाद, 9 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत से पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसपर साइबर अपराधियों की मदद करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पाकिस्तान आधारित क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में 10 करोड़ रुपये भेजे हैं। आरोपी युवक की पहचान चेतन गंगाणी के रूप में हुई है। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने चेतन को गिरफ्तार करके जांच शुरू कर दी है। जांच में पता चला है कि चेतन के बैंक अकाउंट का इस्तेमाल साइबर अपराधी कर रहे थे। चेतन का 6 अन्य लोगों से संपर्क मिला है। गुजरात पुलिस ने 3 नवंबर को उसे सूरत के मोरबी से गिरफ्तार किया है। उसपर 200 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, चेतन ने दुबई आधारित साइबर अपराधियों के साथ मिलकर 100 ज्यादा फर्जी खातों की मदद से करोड़ों की हेरफेर की है। इन फर्जी खातों का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों से मिलने वाले पैसों को ट्रांसफर करने के लिए किया जाता है। गुजरात पुलिस ने कुछ समय पहले भी साइबर अपराधियों को पकड़ा था। पुलिस के अनुसार, चेतन का कनेक्शन उन अपराधियों से निकला है। उनकी मदद करते हुए चेतन ने 10 करोड़ रुपये को क्रिप्टोकरेंसी में तब्दील किया और फिर इसे पाकिस्तान के एक वॉलेट में भेज दिया। इसके लिए उसे 0.10 प्रतिशत का कमीशन भी मिला था।

गुजरात के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री हर्ष संघवी के अनुसार, सीआईडी-क्राइम ने सीमा पार से चल रहे साइबर अपराध के एक बड़े नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। पाकिस्तान आधारित खाते में 10 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। यही नहीं, कई भारतीय खातों से उस अकाउंट में 25 करोड़ रुपये भेजे गए हैं। गुजरात पुलिस ने जिन 100 फर्जी खातों का पता लगाया है, 386 साइबर अपराधों में उन्हीं खातों का इस्तेमाल किया गया है।

हाफिज सईद की भारत पर हमले की तैयारी

लश्कर कमांडर सैफुल्लाह का वीडियो वायरल, क्या है प्लानिंग?

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। लश्कर-ए-तैय्यबा प्रमुख हाफिज सईद भारत पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। इसके संकेत लश्कर के कमांडर सैफुल्लाह सैफ के एक वीडियो से मिले हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हाफिज सईद की प्लानिंग बांग्लादेश के जरिए भारत पर अटैक करने की है। सैफुल्लाह का वीडियो 30 अक्टूबर को पाकिस्तान के खैरपुर तमीवाली में हुई रैली से सामने आया है, जिसमें वह युवाओं और छोटे बच्चों को जिहाद और भारत के खिलाफ उकसा रहा है।

वायरल वीडियो के अनुसार, कमांडर सैफुल्लाह सैफ कहता है कि ऑपरेशन सिंदूर में हाफिज सईद का परिवार मारा गया, लेकिन वह चुप नहीं बैठा है। प्लानिंग चल रही है, भारत से बदला लेने की तैयारी जारी है। युवाओं को जिहाद के लिए उकसाया जा रहा है और उन्होंने आतंकी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। पूर्वी पाकिस्तान में लश्कर के लोग एक्टिव हैं, जिनके जरिए भारत को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। बांग्लादेश को एक लॉन्चपैड की तरह भारत के खिलाफ इस्तेमाल करने की योजना है।

बता दें कि सैफुल्लाह ने पाकिस्तानी सेना की तारीफ की और भारत के खिलाफ जहर उगला। रैली में कई बच्चे भी मौजूद थे, जिन्हें लश्कर के आतंकी जिहाद का पाठ पढ़ाकर भारत विरोधी बना रहे हैं और भारत से बदला लेने के लिए उकसा रहे हैं, लश्कर का आतंकी बनने के प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि सैफुल्लाह के दावों की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन वायरल वीडिया को देखते हुए भारतीय खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। किए गए दावों की पुष्टि करने की कोशिश भी जारी है।

बता दें कि हाफिज मुहम्मद सईद साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड है। लश्कर-ए-तैयबा का को-फाउंडर और जमात-उद-दावा का प्रमुख है। भारत, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र संघ ने हाफिज को इंटरनेशनल टेररिस्ट घोषित करके उसका सुराग देने वाले को 10 मिलियन डॉलर इनाम देने का ऐलान किया हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना और वायुसेना ने हाफिज सईद के ठिकाने पर भी हमला किया था, लेकिन हमले में हाफिज बच गया और उसका परिवार ढेर हो गया।

पति के खिलाफ पॉक्सो का केस दर्ज करने की साजिश में पत्नी भी थी शामिल, 10 लाख रुपये में हुई थी डील

गुरुग्राम, 9 नवंबर (एजेंसियां)। सेक्टर 65 थाना क्षेत्र में पोक्सो के एक झूठे मामले में पकड़े गए तीनों आरोपितों से पूछताछ में यह पता चला है कि जिस व्यक्ति पर केस दर्ज कराया गया था, उसकी पत्नी भी इस साजिश में शामिल थी। व्यक्ति की पत्नी ने इसके लिए 10 लाख रुपये में डील की थी और महिला अधिवक्ता को रुपये भी दे दिए थे। सेक्टर 65 थाना पुलिस ने इस झूठे मामले का पर्दाफाश करते हुए एक महिला वकील समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया व्यक्ति की पत्नी को भी साजिश के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार आरोपित महिला की पहचान शालिनी अग्रवाल के रूप में की गई है। इसकी शादी व्यक्ति से 2007 में हुई थी, लेकिन काफी समय से दंपती में विवाद चल रहा था। पत्नी के खिलाफ पति के पास कुछ आवश्यक चीज थीं इसलिए पत्नी ने उसके विरुद्ध साजिश रची है।

फ्लैट और सिल्वर ब्रिक्स: नीलाम होंगी मेहुल चौकसी से जुड़ी ये चीजें

मुंबई, 9 नवंबर (एजेंसियां)। 23 हजार करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के आरोपी मेहुल चोकसी से जुड़ी संपत्ति नीलाम होगी। मुंबई की स्पेशल कोर्ट ने गीतांजलि जेम्स लिमिटेड को भगोड़े मेहुल चोकसी से जुड़ी 13 बिना गारंटी वाली संपत्ति की वैल्यू तय करने और उन्हें नीलाम करने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि नीलामी से मिलने वाले पैसे को स्पेशल कोर्ट के नाम पर फिक्स्ड डिपॉजिट के तौर पर रखा जाए। 4 नवंबर के ऑर्डर में बताया गया है कि इन 13 प्रॉपर्टीज की कीमत लगभग 46 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जिसमें फ्लैट और रत्न शामिल हैं।

इन संपत्तियों में बोरीवली में चार फ्लैट (लगभग 2.6 करोड़ रुपये), बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में भारत डायमंड बोर्स के सेंट्रल विंग में 14 कार पार्किंग वाली एक कमर्शियल यूनिट (लगभग 19.7 करोड़ रुपये), गोरेगांव ईस्ट में छह इंडस्ट्रियल गाला और गोरेगांव के उद्योग नगर में एक और गाला शामिल है। इसमें जयपुर में कंपनी की फैसिलिटी में चांदी की ईंटें, सेमी-प्रीशियस पत्थर और मशीनें भी शामिल हैं। इन संपत्तियों का मूल्यांकन 2018 का है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह साफ कर दिया कि सिर्फ अनसिक्योर्ड एसेट्स की नीलामी होगी, न कि उन एसेट्स की जिन पर सिक्योर्ड क्रेडिटर्स का दावा है।

कोर्ट आदेश में क्या लिखा?

आदेश में लिखा है, एप्लीकेंट्स और लिक्विडेटर्स, जैसा भी मामला हो, उन्हें एसेट्स की बिक्री से मिली रकम के संबंध में आईसीआईसीआई बैंक (जो जीजीएल कंसोर्टियम और एनडब्ल्यूएल कंसोर्टियम के लिए लीड बैंक है) में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) खोलने की इजाजत होगी। बिक्री से मिली रकम को वैल्यूएशन/नीलामी करने के मकसद से हुए सभी संबंधित खर्चों और लागतों को काटने के बाद एफडी के तौर पर जमा किया जाएगा (ऊपर बताए गए तरीके से)। एफडी के रूप में जमा की गई बिक्री से मिली रकम इस कोर्ट के नाम पर होगी। गीतांजलि जेम्स पंजाब नेशनल बैंक फ्रॉड केस में एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट की जांच में शामिल मुख्य कंपनियों में से एक है, जिसमें चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है।

सुविचार: जिसका मन वश में नहीं है, वही तो विवश है।

कांग्रेस शासन के दौरान तेलंगाना ने जबरदस्त विकास देखा : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि पूर्ववर्ती संयुक्त आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के शासनकाल और 2023 से अलग तेलंगाना राज्य के रूप में जनता की सरकार के दौरान तेलंगाना ने जबरदस्त विकास देखा।

रविवार को यहां एक होटल में प्रेस से मिलिए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के विकास की उपेक्षा करने और राज्य को सभी क्षेत्रों में उपेक्षित करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने पार्टी के सामने कई राजनीतिक बाधाओं के बावजूद तेलंगाना को राज्य का दर्जा देने का वादा पूरा किया। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए और यूपीए-2 ने किसानों के कल्याण के लिए काम किया। वाईएस राजशेखर रेड्डी सरकार ने ही किसानों को मुफ्त बिजली प्रदान की और 1300 करोड़ रुपये के बिजली बकाया माफ करने की पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने किसानों के लाभ के लिए 73,000 रुपये की ऋण माफी और एमएसपी भी लागू किया। मुख्यमंत्री ने अन्य योजनाओं को भी सूचीबद्ध किया, जिनमें मुख्य रूप से जलयग्नम शामिल हैं, जिसके तहत कल्वाकुर्ती, बीमा, नेट्टमपाडु, आरडीएस, इंदिरा सागर, एसएलबीसी, प्राणहिता चेवेल्ला परियोजना, एसएसआरपी, मिड मानेयर, श्रीपदा येल्लमपल्ली आदि शामिल हैं। पिछली बीआरएस सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि केसीआर ने अपने 10 साल के शासन के दौरान तेलंगाना राज्य को बर्बाद कर दिया। आइए, तत्कालीन कांग्रेस के दस साल के शासन और केसीआर के दस साल के शासन की तुलना करें। जब केसीआर ने सत्ता संभाली, तब तेलंगाना की अर्थव्यवस्था 60,000 करोड़ रुपये के अधिशेष पर थी।

बीआरएस शासक ने कांग्रेस सरकार को 8.11 लाख करोड़ रुपये का कर्ज़ सौंप दिया, जो वित्तीय संकट के कारण वेतन देने में असमर्थ थी। कमांड कंट्रोल, सचिवालय और प्रगति भवन जैसी बड़ी संरचनाओं ने एक भी रोजगार पैदा नहीं किया। केसीआर ने कालेश्वरम पर एक लाख करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन एक भी एकड़ ज़मीन सिंचित नहीं हुई। अकेले सिंचाई पर, बीआरएस सरकार ने बिना किसी उपयोग के 1.85 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। कालेश्वरम के बिना, तेलंगाना 2.85 लाख करोड़ टन धान उत्पादन के साथ देश में पहले स्थान पर था। पिछली सरकार ने कुलपतियों की नियुक्ति न करके विश्वविद्यालयों को भी बर्बाद कर दिया और 5000 स्कूल बंद कर दिए। पिछली सरकार एक नया उस्मानिया अस्पताल और टीआईएमएस बनाने में विफल रही।, पिछले बीआरएस शासन पर तीखा हमला जारी रखते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि केसीआर अंधे की तरह दिखावा कर रहे हैं। द्रुतराष्ट्र की ओर देखा। जिसका भाग्य ठीक नहीं है, उसके लिए वास्तु के नाम पर दिशा बदलने का क्या फायदा? केटीआर ने अपनी बहन के साथ न्याय नहीं किया और इसके बजाय एम सुनीता और परिवार के सदस्यों की भलाई के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर बड़े-बड़े बयान दिए। उन्होंने कहा कि केसीआर सत्ता के भूखे केटीआर को नियंत्रित करने में असमर्थ होकर प्रसिद्धि के घर में रह रहे हैं। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के विकास में सहयोग न करने के लिए केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की भी आलोचना की। किशन रेड्डी "गुजरात गुलाम" की भूमिका निभा रहे हैं और तेलंगाना को तेजी से बढ़ने और देश के अन्य राज्यों के साथ प्रतिस्पर्धा करने से रोक रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केटीआर, किशन रेड्डी से टकरा गए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि लोग अच्छी तरह जानते हैं कि किसने कृषि का विकास किया और किसने पब संस्कृति शुरू की। बीआरएस शासकों ने पब संस्कृति को बढ़ावा दिया और कांग्रेस सरकार ने आम लोगों से मिलने-जुलने की संस्कृति विकसित की। उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता ही फिल्मी हस्तियों के साथ घूमते थे और फिल्म कर्मियों के कल्याण को भूल गए। यह कहते हुए कि कांग्रेस 2034 तक 10 साल तक तेलंगाना राज्य पर शासन करेगी, रेवंत रेड्डी ने कहा कि शहर के विकास की ज़िम्मेदारी हम पर है और उन्होंने जोर देकर कहा कि शहर के और अधिक विकास के लिए कांग्रेस को जुबली हिल्स उपचुनाव जीतना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस शासन के दौरान हुए विकास के बारे में भी बताया, जिनमें हैदराबाद को एक आईटी और ज्ञान नगरी के रूप में स्थापित करना, वैश्विक कंपनी केंद्र, 40 प्रतिशत थोक दवा आपूर्तिकर्ताओं का केंद्र हैदराबाद, एली लिली, अमेरिकन एयरलाइंस, मैकडॉनल्ड्स द्वारा 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश और दुनिया की 500 फॉर्च्यून कंपनियों के 70 प्रतिशत जीसीसी का हैदराबाद में स्थापित होना शामिल है। रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद को विकास गलियारा बनाने के पीछे कांग्रेस के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। तेलंगाना की 65 प्रतिशत आय हैदराबाद से आती है। रंगारेड्डी ज़िले की प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस द्वारा लिए गए सक्रिय निर्णयों के कारण है। रेवंत रेड्डी ने आगे कहा, 20 टीएमसी गोदावरी जल हैदराबाद लाने की योजना भी तैयार है और कांग्रेस शासन के दौरान हैदराबाद में 70 प्रतिशत जीसीसी स्थापित किए गए थे।

किशन रेड्डी ने केंद्र के विकास पर सीएम और केसीआर को बहस की चुनौती दी

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को तेलंगाना के विकास में केंद्र सरकार की भूमिका पर खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने आलोचना की कि हर बार चुनाव होने पर, बीआरएस और कांग्रेस पार्टियां भाजपा और केंद्र सरकार पर यह कहकर निराधार आरोप लगाती हैं कि उन्होंने तेलंगाना के लिए कुछ नहीं किया है।

उन्होंने कहा, वे राजनीतिक आरोप लगाते हैं कि तेलंगाना की उपेक्षा की जा रही है। लेकिन तथ्य अलग हैं। केंद्र सरकार ने पिछले दस वर्षों में तेलंगाना के लिए कई विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है। 7 जून, 2023 को, मैंने बाग लिंगमपल्ली स्थित आरटीसी कला भवन में लोगों के सामने केंद्र सरकार द्वारा किए गए कार्यक्रमों पर एक रिपोर्ट के रूप में एक प्रस्तुति दी। रेड्डी ने एक बार फिर हैदराबाद प्रेस क्लब को पत्र लिखकर तेलंगाना के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए गए कार्यक्रमों पर खुली बहस सुनिश्चित करने में सहयोग करने का अनुरोध किया। किशन रेड्डी के कार्यालय द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि बीआरएस और कांग्रेस केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर झूठे आरोप लगाकर राजनीतिक शोर मचाने की कोशिश कर रही हैं।

पत्र में, उन्होंने स्पष्ट किया कि लोगों को सच्चाई जानने की जरूरत है और कहा कि वह यह साबित करने के लिए तैयार हैं कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना के विकास के लिए क्या किया है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के साथ खुली चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने प्रेस क्लब अध्यक्ष से हैदराबाद प्रेस क्लब में खुली चर्चा आयोजित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उन्हें एक तिथि और समय निर्धारित करके आमंत्रित किया जाए, और कहा कि उन्हें मीडिया के सामने रचनात्मक चर्चा की पहल करनी चाहिए ताकि तेलंगाना और देश के लोगों को सच्चाई का पता चल सके।

उन्होंने कहा, हालांकि, मैं वर्तमान मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री से अनुरोध करता हूं कि वे यह समझें कि उनके द्वारा बोली जाने वाली भाषा प्रेस क्लब के नियमों और विनियमों के अनुसार, व्यवस्थित और संसदीय तरीके से होनी चाहिए और व्यक्तिगत और घृणास्पद शब्दों के बिना एक सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए।

आसिफाबाद में बाघ की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद के सिरपुर मंडल के इतुकलपहाड़ गाँव में उस समय दहशत फैल गई जब ग्रामीणों ने अपने खेतों के पास एक बाघ देखा। वन अधिकारियों को संदेह है कि यह जानवर ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व से भटक गया है और उन्होंने निवासियों से सतर्क रहने और जंगल में जाने से बचने का आग्रह किया है। कुमराम भीम, आसिफाबाद के सिरपुर मंडल के जंगल से सटे गांव इतुकलपहाड़ के निवासियों में रविवार को एक बाघ की आवाजाही से दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने गांव के पास एक बाघ को सड़क पार करते देखा और उसकी मौजूदगी को लेकर आशंका जताई। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के कारण उन्हें कपास की कटाई रोकनी पड़ी, क्योंकि उन्हें डर था कि कपास चुनते समय जानवर हमला कर सकता है। वन अधिकारियों ने ग्रामीणों से सतर्क रहने का आग्रह किया, क्योंकि उन्हें संदेह है कि बाघ नए इलाके की तलाश में ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व से तेलंगाना में भटक गया होगा। उन्होंने किसानों को अचानक मुठभेड़ से बचने, मवेशियों को चराने के लिए जंगल में अंदर न जाने और कपास की कटाई करते समय शोर मचाने की सलाह दी।

भाजपा हिंदुओं की पार्टी है : बंड़ी संजय

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंड़ी संजय ने रविवार को एक विवादित टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भाजपा का मतलब हिंदू है और हिंदू का मतलब भाजपा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 प्रतिशत मुसलमानों के हितों के लिए काम करने वाली राजनीतिक पार्टियां कांग्रेस और बीआरएस हैं। उन्होंने जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में अपनी पदयात्रा के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए यह टिप्पणी की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि इसका क्या मतलब है जब मुख्यमंत्री खुद इस तरह बात कर रहे हैं जैसे उन्हें हिंदू वोटों की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, भाजपा 80 प्रतिशत हिंदुओं के लिए लड़ रही है। जुबली हिल्स के लोग हिंदू वोट बैंक की ताकत दिखाने जा रहे हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर पर निशाना साधते हुए, संजय ने उनसे पूछा कि क्या उनमें भाग्यलक्ष्मी मंदिर के सामने अपने परिवार के साथ गीले कपड़ों में कसम खाने की हिम्मत है कि आपने कभी नशा नहीं किया है। उन्होंने मजाक उड़ाते हुए कहा, सोमवार सुबह तक शपथ ले लीजिए। फिर मैं जुबली हिल्स के लोगों की ओर से बीआरएस पार्टी को वोट देने की अपील करूंगा। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, तेलंगाना और हिंदू धर्म के लिए लड़ने के आरोप में उनके ख़िलाफ 60 मामले दर्ज किए गए थे और कहा कि वह 7 बार जेल गए और वापस आए।

साइक्लोथॉन हैदराबाद 2025 में रिकॉर्ड भीड़, 1,900 से ज़्यादा साइकिल चालकों ने लगाई दौड़

मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने भाग लिया

पंजाब के हर्षवीर सिंह और महाराष्ट्र की पूजा बबन दानोले विजेता बने

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइक्लोथॉन हैदराबाद 2025 आज 1,900 से ज्यादा साइकिल चालकों की प्रभावशाली भागीदारी के साथ संपन्न हुआ।

अग्रणी वैश्विक समूह एचसीएल समूह द्वारा तेलंगाना सरकार के सहयोग से और भारतीय साइक्लिंग महासंघ (सीएफआई) के तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में देश भर के पेशेवर, शौकिया और फिटनेस प्रेमी एक साथ आए। यह दौड़ प्राइम एरिना, उस्मान नगर, वट्टिनागुलापल्ले में शुरू और समाप्त हुई, जिसमें प्रतिभागियों को हैदराबाद के शहरी और हरे-भरे परिदृश्यों से होकर एक मनोरम और प्रतिस्पर्धी मार्ग देखने को मिला। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा उपस्थित थे।

साइकिल चालकों ने विभिन्न दौड़ श्रेणियों में भाग लिया और रिकॉर्ड 33.6 लाख रुपये की पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा की, जिससे इस आयोजन की भारत की प्रमुख साइकिलिंग प्रतियोगिता के रूप में स्थिति और पुष्ट हुई। कार्यक्रम में बोलते हुए, तेलंगाना के राज्यपाल, जिष्णु देव वर्मा ने कहा, एचसीएल साइक्लोथॉन जैसे आयोजन फिटनेस, स्थिरता और सामुदायिक कल्याण के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रमाण हैं। यह देखना प्रेरणादायक है कि जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग साइकिलिंग की भावना का जश्न मनाने और एक स्वस्थ, हरित भारत के निर्माण के लिए एक साथ आ रहे हैं। सुंदर महालिंगम ने कहा, एचसीएल साइक्लोथॉन हैदराबाद के दूसरे संस्करण के सफल समापन के साथ, यह देखकर खुशी हो रही है कि कैसे साइकिलिंग पूरे देश में एक साझा आंदोलन बन रही है। एक खेल पहल के रूप में शुरू हुआ यह अभियान अब एक समुदाय के रूप में विकसित हो गया है जो अब पूरे भारत में 16,000 से अधिक साइकिल चालकों को जोड़ता है। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई) के महासचिव मनिंदर सिंह ने कहा, हैदराबाद में एचसीएल साइक्लोथॉन का दूसरा संस्करण भारत में साइकिलिंग की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। भागीदारी और प्रतिस्पर्धा का स्तर इस खेल के प्रति शहर के जुनून को दर्शाता है। प्रोफेशनल एलीट रेस (50 किमी) में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसमें पंजाब के हर्षवीर सिंह और महाराष्ट्र की पूजा बबन दानोले ने शीर्ष स्थान हासिल कर विजेता बने।

सरकार टेलीविजन कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा, तेलंगाना सरकार टेलीविजन उद्योग के कर्मचारियों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनके कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। रविवार को बेगमपेट के हरिता प्लाजा में तेलंगाना टेलीविजन विकास मंच द्वारा आयोजित कार्तिक मास आत्मीय सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि मनोरंजन क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदानकर्ताओं में से एक है और उन्होंने टेलीविजन कर्मचारियों के अथक प्रयासों की प्रशंसा की, जो व्यक्तिगत कठिनाइयों के बावजूद लाखों घरों तक कार्यक्रम पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, आपका समर्पण अमूल्य है और आपकी चिंताएं हमारी ज़िम्मेदारी हैं। वित्तीय अस्थिरता और सामाजिक सुरक्षा की कमी को प्रमुख चिंताएं मानते हुए, मंत्री ने आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं और सिनेमैटोग्राफी मंत्री के साथ समन्वय करके जल्द ही इन मुद्दों का समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम में मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और अदलुरी लक्ष्मण कुमार, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ तथा सुरेश और कविता सहित फोरम के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

जगदीश रेड्डी ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने आज कहा कि जुबली हिल्स उपचुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा की गई टिप्पणियों को देखकर वह हैरान हैं। पूर्व विधायक पीजेआर को अपना नेता बताने वाली टिप्पणी का हवाला देते हुए, उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस पार्टी ने पीजेआर की हत्या नहीं की? जगदीश रेड्डी ने शहर के तेलंगाना भवन में मीडिया से बात की। इस अवसर पर बोलते हुए, रेड्डी ने कहा कि शहर के सोमाजीगुडा प्रेस क्लब द्वारा आयोजित "प्रेस से मिलिए" कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने झूठ बोला। जगदीश रेड्डी ने कहा कि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में बेरोजगार लोग लोगों से नामांकन दाखिल करने और कांग्रेस पार्टी को हराने का आह्वान कर प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने रेवंत रेड्डी से कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा बनाए गए कमांड कंट्रोल सेंटर में मुख्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। जगदीश रेड्डी ने रेवंत रेड्डी से सवाल किया कि अगर उन्हें इतना प्यार था तो उन्होंने पीजेआर के परिवार के सदस्यों को सीट क्यों नहीं दी?

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Vijaya Laxmi, spouse of JC 768327K, Sub, R Narsing Rao, R/o, Old Alwal, Medchal - Malkajgiri Dist, Telangana, changed my name from Vijaya Laxmi to R Vijaya Laxmi, vide Affidavit No. BN 808985 dt.06.11.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, Renuga Devi, Spouse of JC 771502Y, Sub, S Paul Pandi, R/o, vill : Gopalpatty, Dist: Dindigul, Tamil Nadu changed my name from Renuga Devi to K Renukadevi, vide Affidavit No. BN 808984 dt 06.11.2025 before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

महिला ने पंखे से लटककर जान दी

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी स्थित अपने घर पर रविवार को एक महिला ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, निजी कर्मचारी जी विश्वनेत्रा (29) नरसिंगी के हैदरशाहकोट स्थित गायत्री अपार्टमेंट में रहती थीं। रविवार सुबह, महिला को उसके परिवार के सदस्यों ने घर पर पंखे से लटका हुआ पाया। पुलिस को संदेह है कि महिला ने आत्महत्या की होगी। सूचना मिलने पर, नरसिंगी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मुर्दाघर भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस उन कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है जिनकी वजह से महिला ने आत्महत्या की।

कार और बस की टक्कर में एक की मौत छह घायल

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले में रविवार सुबह कंडी मंडल के कवलमपेट में राष्ट्रीय राजमार्ग 65 पर एक एसयूवी के आरटीसी बस से टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान 45 वर्षीय बलैया के रूप में हुई है। घायलों में प्रवीण, फरीद, सीताराम, कलप्पा और दो अन्य शामिल हैं। उन्हें संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

अब मेरा बीआरएस से कोई राजनीतिक संबंध नहीं : कविता

कांग्रेस और बीआरएस पर विफल रहने का आरोप लगाया

वारंगल, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने दावा किया कि सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निभाने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, लोगों की वकालत करने वाला कोई भी राजनीतिक दल नहीं है।

इसलिए हम इन मुद्दों को सुलझाने के लिए आगे आ रहे हैं। तेलंगाना जागृति ने विभिन्न मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछने का बीड़ा उठाया है। रविवार को मीडिया से बातचीत में, कविता ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के प्रभाव को प्रदर्शित करने की अपनी मंशा व्यक्त की। उन्होंने जोर देकर कहा, इसके लिए एक समय आएगा, लेकिन अभी हमें लोगों की चिंताओं की वकालत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कविता ने सरकार पर वारंगल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण की लागत बढ़ाने का भी आरोप लगाया। 1700 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ और यह ठेका बीआरएस विधायक हरीश राव से जुड़ी एक बेनामी कंपनी को दिया गया। उन्होंने सवाल किया, सरकार ने सतर्कता जांच कराने और रिपोर्ट मिलने के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं की? कविता ने कहा, मैं एक ऐसे तेलंगाना की कल्पना करती हूं जो सभी को लाभ पहुंचाए, न कि केवल कुछ चुनिंदा लोगों को। मेरा लक्ष्य असमानताओं से मुक्त तेलंगाना बनाना है। तेलंगाना के निवासियों को अपनी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को लेकर सुरक्षा का एहसास होना चाहिए। यह जरूरी है कि महिलाओं, छात्रों और युवाओं को राजनीति में अवसर दिए जाएं। हमें छात्र संघ चुनाव बहाल करने होंगे, तभी हम नए नेतृत्व के उभरने की उम्मीद कर सकते हैं।

जागृति की अध्यक्ष ने बताया कि बीआरएस में, प्रोटोकॉल के कारण उन्हें निजामाबाद ज़िले तक ही सीमित महसूस होता था, और शिक्षकों के तबादलों का कोई अवसर नहीं था। मैं और कहां भ्रष्टाचार कर सकती थी? बीआरएस में दो दशकों की सेवा के बाद, बिना कारण बताओ नोटिस दिए, मुझे अन्यायपूर्ण तरीके से बर्खास्त कर दिया गया। अगर केसीआर मुझे बेटी कहकर बुलाते, तो मैं जवाब देती। हालांकि, मेरी राजनीतिक भागीदारी समाप्त हो गई है। राजनीतिक आह्वानों का जवाब देने का समय समाप्त हो गया है, कविता ने कहा, अब मेरा बीआरएस से कोई राजनीतिक संबंध नहीं है।

उन्होंने कहा कि हालांकि तेलंगाना को अक्सर एक समृद्ध राज्य कहा जाता है, लेकिन इसके सभी निवासी आर्थिक रूप से सुरक्षित नहीं हैं। कविता ने कहा कि उन्होंने सभी के लिए आर्थिक स्वतंत्रता के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर जोर दिया कि सभी व्यक्तियों को समान अवसर मिलने चाहिए, न कि आरक्षण के साथ आने वाले अवसर।

मदरसे के अंदर मौलाना ने किया नाबालिग छात्रा से रेप

सीतापुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के सीतापुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मौलाना ने मदरसे के अंदर नाबालिग छात्रा के साथ रेप किया है। घटना के बाद मौलाना तो फरार हो गया लेकिन पुलिस ने मौलाना की पत्नी को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, मौलाना ने रेप की घटना को 4 दिन पहले अंजाम दिया था, तभी से वह फरार है।

मौलाना अपने घर में ही अवैध तरीके से मदरसा संचालित कर रहा था, जिसमें करीब 40 छात्राएं तालीम ले रही हैं। पीड़ित छात्रा लखीमपुर-खीरी की है। पीड़ित के परिवार की तहरीर पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है

भाजपा की एकता यात्रा में आज शामिल होंगे सीएम

गोरखपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। नगर निगम में सोमवार को सामूहिक वंदेमातरम और भाजपा की एकता यात्रा के चलते यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में शामिल होने के चलते ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन किया है। यह डायवर्जन सोमवार सुबह 07:00 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावी रूप से लागू रहेगी। एंबुलेंस व अन्य इमरजेंसी वाहनों पर यह लागू नहीं रहेगा।

एसपी ट्रैफिक ने आम जनमानस से अपील है कि अपने गंतव्य पर समय से पहुंचने के लिए एक घंटे पूर्व अपने स्थान से निकलना सुनिश्चित करें।

टीपीनगर से टीडीएम अहलादपुर होकर बेतियाहाता की तरफ आने वाले कामर्शियल वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। ये वाहन रुस्तमपुर चौराहा पैडलेगंज चौराहा होकर अपने गंतव्य की ओर जाएंगे। शास्त्री चौराहा से कचहरी चौराहा की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। यह वाहन शास्त्री चौराहा आंबेडकर चौराहा होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

घोष कंपनी से टाउनहाल की तरफ आने वाले वाहन शास्त्री चौराहा की तरफ डायवर्ट रहेंगे। अग्रसेन तिराहा से टाउनहॉल की तरफ आने वाले वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। ये वाहन जुबली तिराहा बक्शीपुर होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे। विजय चौराहा से गणेश चौराहा की तरफ आने वाले वाहन सुमेर सागर की तरफ डायवर्ट रहेंगे। कालीमंदिर से गणेश चौराहा की तरफ आने वाले वाहन पुलिस लाइन तिराहा की तरफ डायवर्ट रहेंगे। तमकुही तिराहा से कचहरी की तरफ आने वाले वाहन प्रतिबंधित रहेगें। वाहन आंबेडकर चौराहा एवं हरिओम नगर तिराहा होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे। असुरन चौराहा से काली मंदिर की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे।

ये वाहन कौवा बाग मोहद्दीपुर होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे। हड्डी माई तिराहा से टाउन हॉल की तरफ सभी प्रकार के वाहन का जाना प्रतिबंधित रहेगा। ये वाहन अग्रसेन तिराहा से होकर अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

'पाक का बंटवारा नहीं होता तो भारत में होता मुस्लिम पीएम'

संभल के सपा विधायक इकबाल महमूद का बयान

संभल, 9 नवंबर (एजेंसियां)। सदर सीट पर सपा के सात बार से लगातार विधायक इकबाल महमूद ने एक बार फिर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर, पाकिस्तान का बंटवारा नहीं होता तो हिंदुस्तान में भी मुस्लिम प्रधानमंत्री बन सकता था। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के अंदर 30-32 करोड़ मुस्लमान हैं। हम तो सोच भी नहीं सकते कि हम प्रधानमंत्री बन जाएंगे। सपा विधायक ने दिया बयान, बोले- हम तो पाकिस्तान के बंटवारे वाले दिन को कोसते हैं विधायक ने कहा, कि देश जब आजाद हुआ तो मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान का बंटवारा किया। जिसे हिंदुस्तान से प्यार था वो, हिंदुस्तान में रह गया, जिसे मोहम्मद अली जिन्ना से प्यार था वो, पाकिस्तान चले गए। हम तो उस दिन को कोसते हैं, आज हमारी ये हालत थोड़ी होती। अगर, पाकिस्तान अलग न होता तो हम भी प्रधानमंत्री के दावेदार हो जाते और हमारे भी प्रधानमंत्री हो जाते। बता दें कि इससे पहले भी इकबाल महमूद कई बार बयान दे चुके हैं। हाल ही में रिक्शे वाले का बेटा, रिक्शे वाला ही बनेगा वाले बयान को लेकर भी सदर विधायक काफी चर्चा में रहे थे।

दो-दो घंटे एयरपोर्ट पर बैठाया

प्रचार के बीच एनडीए पर बरसे मुकेश सहनी

पटना, 9 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में दूसरे चरण की 122 सीटों पर आज चुनाव प्रचार थम जाएगा। चुनावों के दौरान नेता एक-एक दिन में कई-कई सीटों पर सभाएं कर रहे हैं, जिस वजह से टाइम-मैनेजमेंट इन नेताओं के लिए सबसे जरूरी मुद्दा हो गया है। ज्यादातर स्टार प्रचारक हवाई रूट का इस्तेमाल कर रहे हैं।

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश साहनी ने रविवार को आरोप लगाया कि एनडीए सरकार बिहार में विपक्षी नेताओं के चुनाव प्रचार में रुकावट डालने के लिए जानबूझकर उनकी उड़ानों में देरी करवा रही है। मुकेश साहनी ने 'वोट चोरी' के आरोप को दोहराते हुए एनडीए सरकार पर विपक्ष को 'प्रताड़ित' करने और 'लोकतंत्र को नष्ट' करने का आरोप लगाया है। साहनी ने कहा, "बीजेपी और एनडीए को उड़ानें जल्दी मिल जाती हैं, जबकि महागठबंधन के सदस्यों को व्यवस्थित रूप से ढाई-ढाई घंटे एयरपोर्ट पर बैठाया जाता है, ताकि हमारे कार्यक्रम रद्द हो जाएं। आज हमारे 3-4 कार्यक्रम इसी वजह से रद्द हो गए। विपक्ष को जानबूझकर प्रताड़ित किया जा रहा है, इस देश में लोकतंत्र को खत्म किया जा रहा है।

" उन्होंने आगे कहा कि अब जनता ही एकमात्र सहारा है जो स्थिति बदल सकती है। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण गुरुवार को शांति के साथ पूरा हुआ, जिसमें 65.08 फीसद मतदाताओं ने हिस्सा लेकर एक रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया। शेष 122 विधानसभा सीटों पर 11 नवंबर को दूसरे चरण में मतदान होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी।

पति को पसंद है पनीर टिक्का पत्नी बना देती है आलू बैंगन तलाक की नौबत

मेरठ, 9 नवंबर (एजेंसियां)। सात जन्मों के रिश्ते की डोर आलू बैंगन और पनीर टिक्के के विवाद में टूटने के कगार पर पहुंच रही है। परिवार परामर्श केंद्र में एक ऐसा मामला सामने आया है कि काउंसिलिंग करा रही महिला पुलिसकर्मी भी हैरान रह गईं। पति को पनीर टिक्का पसंद है, पत्नी आए दिन आलू बैंगन की सब्जी बना देती है। इस बात पर दोनों में तकरार हुई और मामला तलाक तक पहुंच गया।

दो काउंसिलिंग परिवार परामर्श केंद्र में होने के बावजूद कोई हल नहीं निकला तो तीसरी बार काउंसिलिंग के लिए पति-पत्नी को अगले सप्ताह बुलाया गया है। परतापुर की रहने वाली एक युवती की शादी चार साल पहले दिल्ली के शाहदरा निवासी जूते की फैक्टरी चलाने वाले युवक से हुई थी। शादी के कुछ समय तक तो दोनों के बीच सही चलता रहा लेकिन फिर तकरार शुरू हो गई।

अखिलेश यादव 13 नवंबर को आएंगे बरेली

शहर में बढ़ेगा सियासी पारा

बरेली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 13 नवंबर को बरेली आएंगे। शनिवार को पार्टी कार्यालय से कार्यक्रम जारी होने के बाद शहर में सियासी हलचल बढ़ने लगी है। जारी कार्यक्रम के अनुसार, 13 नवंबर को सपा मुखिया अखिलेश यादव बरेली एयरपोर्ट आएंगे। यहां से सुबह 11:45 बजे नैनीताल रोड स्थित होटल में पहुंचकर विधायक अताउर्रहमान की बेटी के वैवाहिक समारोह में शामिल होंगे। वहां घंटेभर ठहरकर वह दोपहर 1:45 बजे तक क्रमवार सीबीगंज स्थित भोजीपुरा विधायक शहजिल इस्लाम, किला निवासी पूर्व एमएलसी प्रो। वसीम बरेलवी से मुलाकात करेंगे।

दोपहर दो बजे से वह डोहरा रोड पर पूर्व विधायक सुल्तान बेग की बेटी के विवाह समारोह में शामिल होकर आशीर्वाद देंगे। अपराह्न 2:45 बजे से वह पूर्व सांसद वीरपाल सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अगम मौर्य से मुलाकात करेंगे। शाम 4:10 बजे बरेली एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे।

जनप्रतिनिधियों से मिलकर टटोलेंगे जिले की सियासी नब्ज

आयोजनों में शामिल होने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर सियासी नब्ज टटोलेंगे। बीते दिनों शहर में हुए बवाल के बाद कार्रवाई, लाठीचार्ज के पीड़ितों के बारे में भी पूछताछ करेंगे। साथ ही, आगामी चुनाव की तैयारियां, हाल ही में जारी प्रवक्ता सूची में शामिल पदाधिकारियों से मुलाकात भी कर सकते हैं। कार्यक्रम जारी होते ही पार्टी पदाधिकारी तैयारी में जुट गए हैं। पिछले माह रामपुर जाने के दौरान सपा मुखिया बरेली एयरपोर्ट पर करीब आधे घंटे ठहरे थे। तब उन्होंने जल्द बरेली आने का वादा किया था।

बस्ती में वोट चोरी का अजब खेल

ट्रांसजेंडरों के नाम पर मिले 91 फर्जी वोटर

बस्ती, 9 नवंबर (एजेंसियां)। जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने लोकसभा चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां मतदाता सूची के सत्यापन अभियान के दौरान पता चला है कि जिले में 98 ट्रांसजेंडर वोटरों में से 91 फर्जी थे। यानी इन नामों पर पुरुष और महिलाएं वोट डालते रहे, जबकि असल में जिले में सिर्फ 7 ट्रांसजेंडर मतदाता ही मौजूद हैं।

दरअसल, इंदिरा चैरिटेबल सोसायटी ने लोकसभा चुनाव 2024 से पहले इस संदर्भ में चुनाव आयोग से शिकायत की थी। संस्था के सीईओ और उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के सदस्य अजय कुमार पांडेय ने आरोप लगाया था कि बस्ती की मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ी की गई है। उनके अनुसार, सूची में 98 ट्रांसजेंडर मतदाता दर्ज थे, जबकि हकीकत में उनमें से केवल सात ही वास्तविक थे। बाकियों के नाम पर सामान्य मतदाता वोट डाल रहे थे। जानकारी के अनुसार, संस्था की ओर से साक्ष्य समेत मुख्य निर्वाचन अधिकारी को शिकायत भेजी गई थी, लेकिन उस समय मामला जांच के नाम पर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। लोकसभा चुनाव इन्हीं फर्जी नामों के साथ संपन्न हुए।

हालांकि, अब मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान 2025 के दौरान जब जांच कराई गई, तो संस्था की शिकायत सही साबित हुई। प्रशासन ने जांच में पाया कि जिले में ट्रांसजेंडर मतदाताओं की वास्तविक संख्या बहुत कम है। सदर विधानसभा में चार, हरैया में एक, रुधौली और कप्तानगंज में एक-एक ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। बाकी 91 लोगों को गलती या लापरवाही के चलते ट्रांसजेंडर श्रेणी में दर्ज कर दिया गया था।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क बोले

'मजहब के खिलाफ है वंदे मातरम, सुप्रीम कोर्ट ने भी दी है स्वतंत्रता'

संभल, 9 नवंबर (एजेंसियां)। संभल से समाजवादी पार्टी (एसपी) सांसद जियाउर्रहमान बर्क का 'वंदे मातरम्' को लेकर दिया गया बयान राजनीतिक हलकों में नया विवाद खड़ा कर रहा है। बर्क ने कहा कि वह 'वंदे मातरम्' नहीं गाते क्योंकि इसके कुछ शब्द उनके मजहब के खिलाफ हैं। उन्होंने साफ कहा कि न उनके दादा ने यह गीत गाया, न वह खुद गाते हैं, और इससे उनकी देशभक्ति पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता। सपा सांसद ने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने देश की आजादी के लिए कुर्बानियां दी हैं और देशभक्ति पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे जन गण मन को राष्ट्रगान मानते हैं, उसका सम्मान करते हैं और खड़े होकर गाते भी हैं। लेकिन 'वंदे मातरम्' राष्ट्रगीत है, और इसे गाने के लिए कोई बाध्य नहीं कर सकता। उनके अनुसार, गीत में ऐसे शब्द हैं जो मजहब के खिलाफ जाते हैं, क्योंकि "हम एक अल्लाह की इबादत करते हैं और किसी अन्य को सजदा नहीं कर सकते।"

सपा सांसद बर्क ने अपने बयान में संविधान और सुप्रीम कोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि "यह हमारा संवैधानिक अधिकार है कि हम अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फैसला करें।" उन्होंने 1986 के एक सुप्रीम कोर्ट केस का जिक्र करते हुए कहा कि किसी को भी 'वंदे मातरम्' गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। उन्होंने दोहराया कि "हम इस देश की धरती से प्यार करते हैं, इसके प्रति वफादार हैं, लेकिन इबादत केवल अल्लाह की करते हैं।"

बातचीत के दौरान जियाउर्रहमान बर्क ने बिहार विधानसभा चुनाव पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है इस बार महागठबंधन सरकार बनाएगा ताकि वहां विकास हो और अपराध दर में कमी आए। उन्होंने कहा कि "अगर सत्ता में आने वाले दल ईमानदारी से काम करें तो बिहार देश के सबसे प्रगतिशील राज्यों में गिना जा सकता है।"

राजद नेता के बेटे की संदिग्ध मौत, घर के पीछे मिला शव

सहरसा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र से रविवार सुबह एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। नगर परिषद वार्ड नंबर 12 के ढाव गांव में राजद नगर अध्यक्ष सुरेंद्र यादव के 17 वर्षीय पुत्र प्रीतम कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रीतम का शव सुबह घर के पीछे चापाकल और बाथरूम के पास गिरा हुआ मिला। मृतक प्रीतम कुमार इंटरमीडिएट का छात्र था। वह पढ़ाई के साथ अपने पिता के राजनीतिक कार्यों में भी सहयोग करता था।

परिजनों ने तत्काल उसे अनुमंडलीय अस्पताल सिमरी बख्तियारपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, प्रीतम शनिवार की रात घर में ही सोया हुआ था। रविवार तड़के जब सुरेंद्र यादव की पत्नी नूतन देवी जागीं, तो उन्होंने देखा कि प्रीतम के कमरे का दरवाजा खुला हुआ है और वह बिस्तर पर नहीं था।

पशुओं को चारा देने के बाद जब वे घर के पीछे स्थित बाथरूम और चापाकल की ओर गईं, तो उन्होंने देखा कि प्रीतम जमीन पर गिरा हुआ है। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जुटे और तुरंत अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही सिमरी बख्तियारपुर थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार, इंस्पेक्टर मो। सुजाउद्दीन और एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी। एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का प्रतीत होता है। उन्होंने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सांसद पप्पू यादव बोले- 'निर्दलीय एमपी बनना भगवान के बाप की भी औकात नहीं'

पूर्णिया, 9 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव के बीच पूर्णिया से लोकसभा सांसद राजेश रंजन उर्फ़ पप्पू यादव ने अपने बेबाक बयान से फिर सियासी हलचल मचा दी है। पप्पू यादव ने न सिर्फ निर्दलीय सांसद बनने की मुश्किलों को लेकर बड़ा बयान दिया, बल्कि राजद नेता तेजस्वी यादव के रोजगार देने वाले वादे पर भी तीखा सवाल खड़ा किया।

चुनावी माहौल में पप्पू यादव ने दिए इंटरव्यू के दौरान कहा, "निर्दलीय सांसद बनना, ये भगवान के बाप की भी औकात नहीं। आप सोचिए, बिना किसी बड़े दल या गठबंधन के जनता के बीच से अकेले निकलना कितना

कठिन है।" तेजस्वी यादव के नौकरी देने के वादे पर राहुल गांधी के रिएक्शन पर पप्पू यादव ने कहा, कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने ऐसी बात नहीं कही।" पप्पू यादव ने आगे कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 लाख रुपये और दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था, तो बाद में उसे "जुमला" बता दिया गया। उन्होंने तंज करते हुए कहा, "जब उन्होंने 15 लाख, दो करोड़ नौकरी और जाली नोट और स्विस बैंक से पैसा ला रहे थे, तो उन्होंने जुम्लेबाजी कह दी। जब अमित शाह ने कहा कि मेरा जुमला था, तो क्या डॉलर, नोटबंदी, शेयर मार्केट, जीएसटी, बुलेट ट्रेन, स्टील, स्टार्टअप ये सब जुमले थे।"

'तेजस्वी वादा करेंगे तो पूरा करेंगे'

हालांकि, पप्पू यादव ने यह भी कहा कि अगर तेजस्वी यादव ने नौकरी देने का कोई निर्णय लिया है, तो वे उसे निभाने में सक्षम हैं।

उन्होंने कहा, "तेजस्वी ने अगर कोई निर्णय लिया है, तो निश्चित रूप से तेजस्वी पूरा करेंगे। उन्होंने मोदी जी की तरह 3 करोड़, 2 करोड़ नौकरी की बात नहीं की। हमारे नेता ने कहा है कि दो साल से 3 साल लगेंगे, हम बिहार को नंबर वन बनाएंगे और रोजगार की बात करेंगे।" पप्पू यादव के इन बयानों से बिहार की सियासत में नई बहस छिड़ गई है। एक तरफ़ उन्होंने खुद को जनता का सच्चा प्रतिनिधि बताया, वहीं तेजस्वी यादव और मोदी दोनों के वादों की तुलना कर राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया।

होटल- ताज रॉयल कमरा नंबर-106

जिस वकील पर था गैंगरेप पीड़िता को भरोसा, उसी ने लूट ली आबरू

आगरा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के आगरा से ऐसा केस सामने आया है कि अब किसी पर विश्वास करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। एक गैंगरेप पीड़िता जो पहले से ही अपने न्याय के लिए भटक रही थी उसके साथ उसके ही वकील ने गंदा काम कर दिया। घटना नवनिर्मित थाना एकता क्षेत्र की है। गैंगरेप पीड़िता का केस लड़ रहे अधिवक्ता जितेंद्र धाकरे पर रेप का आरोप लगा है। फिलहाल पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोप है कि अधिवक्ता धाकरे ने पीड़िता को केस के सिलसिले में बात करने के बहाने ताज रॉयल होटल बुलाया। कहा कि समझौते को लेकर एक योजना है। बेचारी पीड़िता भरोसा करके वकील के पास पहुंच गई। मगर, जैसे ही वो कमरे में पहुंची तो उसके साथ जबरदस्ती करने लगा।

रेप के बाद डरी-सहमी पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। औरैया की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को बताया अधिवक्ता जितेंद्र धाकरे उर्फ संतोष सिंह ने उसके साथ रेप किया है। 2022 में एत्मादपुर क्षेत्र में हुए गैंगरेप के मामले में अधिवक्ता जितेंद्र धाकरे केस की पैरवी कर रहे थे। गुरुवार को वह कोर्ट गई थी। वहां वकील जितेंद्र ने कहा कि मामले में समझौता कर दिया जाएगा। आरोपी जितेंद्र धाकरे ने उसे ताजगंज के होटल ताज रॉयल में कमरा नंबर 106 में ठहरा दिया था। इसके बाद आरोपी जितेंद्र अपने घर चला गया और फिर लौट के होटल आ गया। उसने कहा कि केस के सिलसिले में बात करनी है।

सीमांचल में फिर से दीवार बने ओवैसी

कई सीटों पर महागठबंधन को पहुंचा रहे नुकसान

भागलपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। यूं तो सीमांचल की सभी 24 सीटों पर मुकाबला दिलचस्प बना हुआ है, लेकिन मुस्लिम बहुल सीटों पर बन रहे समीकरण ने इसे अधिक जटिल बना दिया है। यहां एआइएमआइएम फिर से पूरी ताकत के साथ मैदान में है। 2020 में ओवैसी की पार्टी ने पांच सीटें जीतकर अहम मौजूदगी बनाई थी। तब पार्टी ने सीमांचल में 14 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। कटिहार में सबसे ज्यादा पांच, किशनगंज में चार, पूर्णिया में तीन और अररिया में दों सीटों पर पार्टी मैदान में थी। एआइएमआइएम की उपस्थिति ने महागठबंधन के माय समीकरण को ध्वस्त कर दिया था। इस बार भी वही आधार महागठबंधन के समीकरण को चुनौती दे रहा है।

मुस्लिम मतदाताओं को प्रभावित कर रहे ओवैसी?

पार्टी 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं, इनमें किशनगंज और पूर्णिया में चार-चार, कटिहार में पांच और अररिया में दो प्रत्याशी मैदान में हैं। इन सीटों पर वह मुस्लिम मतदाताओं की नाराजगी को अपनी दिशा में मोड़ने की कोशिश कर रही है। उसके प्रचार में यह बात बार-बार दोहराई जा रही है कि राजद और कांग्रेस ने मुसलमानों को हमेशा वोट बैंक की तरह देखा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि जब दो प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले उपमुख्यमंत्री बन सकते हैं, तो 18 प्रतिशत वाले मुख्यमंत्री क्यों नहीं। किशनगंज जिले में एआइएमआइएम ने 2020 में बहादुरगंज और कोचाधामन से जीत दर्ज की थी।किशनगंज और ठाकुरगंज में वह पीछे रही, लेकिन 2025 में उसने चारों सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

इस बार कैसा है समीकरण?

कोचाधामन का मुकाबला खास तौर पर रोचक है। यहां एआइएमआइएम छोड़कर राजद में आए इजहार असफी का टिकट काटकर राजद ने जदयू से आए मुजाहिद आलम को उतारा है, जबकि एआइएमआइएम ने सरवर आलम पर भरोसा जताया है। लगभग 68 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाली इस सीट पर प्रचार पूरी तरह उसी आधार पर टिका है।

बहादुरगंज में एआइएमआइएम के तौसीफ आलम और कांग्रेस के मुसब्बिर आलम आमने-सामने हैं। ठाकुरगंज और किशनगंज में पार्टी इस बार कमजोर दिख रही है, हालांकि किशनगंज में उसने 2019 के उपचुनाव में जीत दर्ज की थी। पूर्णिया में एआइएमआइएम की पकड़ सबसे ज्यादा मजबूत अमौर और बायसी में है। अमौर में अख्तरूल ईमान 2020 में 52 हजार से ज्यादा वोटों से जीते थे और इस बार भी पार्टी ने उन्हें टिकट दिया है। यहां कांग्रेस और जदयू के साथ त्रिकोणीय मुकाबला बन गया है।

गौमांस कारोबार के आरोप में बवाल

ग्रामीणों ने बाइक सवार को पकड़ा, चकमुबारक में नट समुदाय के 12 घर जलाए

हाजीपुर (वैशाली), 9 नवंबर (एजेंसियां)। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र के चकमुबारक गांव में कथित गौमांस कारोबार को लेकर आक्रोशित लोगों ने नट समुदाय के लगभग एक दर्जन घरों में आग लगा दी। इस घटना में कई घर जलकर राख हो गए। सूचना मिलने पर लालगंज, वैशाली और भगवानपुर थाना की पुलिस दमकल के साथ मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। चकमुबारक गांव में मुस्लिम नट समुदाय के कुछ लोग रहते हैं, जिन पर चोरी-छिपे गौमांस और भैंस के मांस का व्यापार करने का आरोप है। शनिवार को एक व्यक्ति बाइक पर मांस लादकर जा रहा था, जिसे कुछ युवकों ने देख लिया। रोकने पर वह भागने लगा, लेकिन युवकों ने पीछा कर उसे घेर लिया। बाइक छोड़कर भागने के बाद, युवकों ने बोरी की तलाशी ली तो उसमें छोटे-छोटे थैलों में गौमांस भरा पाया गया। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने बाइक में आग लगा दी।

नट समुदाय के झोपड़ीनुमा घरों में लगाई आग

घटना की सूचना लालगंज थाना को दी गई, लेकिन पुलिस के देर से पहुंचने पर लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। इसके बाद उन्होंने नट समुदाय के झोपड़ीनुमा घरों में आग लगा दी। घरवाले किसी तरह जान बचाकर भागे, लेकिन घरों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। बताया जा रहा है कि घर में रखे तीन सिलेंडर फटने से आग तेजी से फैली और एक दर्जन घरों को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि गौमांस बेचने का यह काम काफी समय से चल रहा था और इसकी सूचना पहले भी प्रशासन को दी गई थी। उनका आरोप है कि यदि प्रशासन ने पहले कार्रवाई की होती तो यह घटना नहीं घटती। जले हुए घरों की तलाशी के दौरान भी गौमांस मिलने की बात सामने आई है।

3 दमकल गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

इस संबंध में लालगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही दो-तीन थानों की पुलिस और तीन दमकल गाड़ियों को बुलाकर आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब में बड़ा घोटालाः सरकार ने खरीदी 144 गाड़ियां

चंडीगढ़, 9 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब में सड़क सुरक्षा फोर्स (एसएसएफ) के लिए खरीदी गई 144 टोयोटा हाइलक्स वाहनों की खरीद की जांच होगी। पंजाब के राज्यपाल के कार्यालय से मिले पत्र के बाद पंजाब सरकार के गृह विभाग ने इसकी जांच डीजीपी को सौंप दी है और 15 दिन के अंदर कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। पंजाब कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा ने करीब तीन माह पहले इस मुद्दे को उठाया था और खरीद में 14.5 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था।

खैहरा ने कहा था कि कंपनी व्यक्तिगत ग्राहकों को हाइलक्स वाहन पर करीब 10 लाख रुपये तक की छूट देती है। पंजाब सरकार ने 2024 में सड़क सुरक्षा बल के लिए थोक में 144 टोयोटा हाइलक्स वाहन खरीदते समय कंपनी से मिलने वाली इस छूट का लाभ नहीं उठाया। अगर उसने प्रति गाड़ी इस लाभ को लिया होता तो 14.50 करोड़ रुपये बचाए जा सकते थे। इसके बाद ही उन्होंने डीजीपी को शिकायत भेजी थी और जांच की मांग की थी।

खंडेलवाल बोले- एसआईआर को लेकर गुमराह कर रही कांग्रेस

पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया से डर रही है पार्टी

भोपाल, 9 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कांग्रेस नेताओं पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जनता के बीच झूठ और भ्रम फैलाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा नागरिकता और मतदाता सूची को लेकर लगाए जा रहे सभी आरोप पूरी तरह तथ्यहीन और निराधार हैं। हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी केवल वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण के एजेंडे का हिस्सा है।

भाजपा किसी भी नागरिक का अधिकार छीनने के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया नई नहीं है, कांग्रेस शासनकाल में भी चुनाव आयोग यही प्रक्रिया अपनाता था, तब पार्टी ने कभी विरोध नहीं किया। लेकिन अब कांग्रेस जनता को गुमराह करने और असुरक्षा फैलाने का प्रयास कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र को मजबूत करने का हिस्सा है। चुनाव आयोग मृत, डुप्लीकेट और फर्जी नाम हटाने का कार्य निष्पक्ष तरीके से कर रहा है। प्रत्येक नागरिक को अपने नाम जोड़ने या आपत्ति दर्ज कराने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में न भाजपा की कोई भूमिका है, न सरकार का कोई हस्तक्षेप।

यह चुनाव आयोग का स्वतंत्र निर्णय है। दिग्विजय सिंह के इस बयान पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी कि "99 प्रतिशत भारतीयों के पास नागरिकता प्रमाण-पत्र नहीं है। यह दावा पूरी तरह झूठा और भ्रामक है। खण्डेलवाल ने कहा कि भारत में मतदान के लिए नागरिकता प्रमाण-पत्र की जरूरत नहीं होती; आधार जन्म प्रमाणपत्र, स्कूल सर्टिफिकेट, राशन कार्ड या आधार जैसे दस्तावेज स्वीकार करता है।

'डेढ़ करोड़ नाम काटने का दावा मनगढ़ंत'

खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस द्वारा मध्यप्रदेश में डेढ़ करोड़ मतदाताओं के नाम काटने का दावा एकदम गलत और निराधार है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर नागरिक के मतदान अधिकार की गारंटी देती है, लेकिन फर्जी वोटरों को बचाने की राजनीति अब नहीं चलेगी। कांग्रेस के नेताओं को अपने घटते जनाधार का डर है, इसलिए ये झूठे आरोप लगाकर चुनाव आयोग की साख को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जैसे नेता हर चुनाव के समय विदेश जाकर फर्जी एजेंडा बनाते हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। कांग्रेस को झूठ और अफवाह फैलाने के बजाय सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए।

ढूंढती रह गई पंजाब पुलिस, दुष्कर्म का आरोपी विधायक पठानमाजरा भागा ऑस्ट्रेलिया

पटियाला, 9 नवंबर (एजेंसियां)। दुष्कर्म मामले में आरोपी पंजाब के पटियाला जिले के सनौर हलके के आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा विदेश भाग चुका है। पठानमाजरा देश छोड़कर ऑस्ट्रेलिया पहुंच गया है। पठानमाजरा को पंजाब पुलिस दो महीने से ढूंढ रही थी। ऑस्ट्रेलिया में पठानमाजरा ने एक निजी चैनल को इंटरव्यू दिया है। पठानमाजरा के इंटरव्यू को सोशल मीडिया पर सात नवंबर को अपलोड किया गया है। इसमें पठानमाजरा ने उन पर दर्ज केस को झूठा बताते हुए भगवंत मान सरकार पर जमकर हमला बोला है। पठानमाजरा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान का पंजाब के मुद्दों पर कोई लेना-देना नहीं है। आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल जो कहते हैं मान वही करते हैं। सरकार में विधायकों की कोई औकात नहीं है। उनकी आवाज को दबाने के लिए सरकार ने यह सब किया है।

सनौर हलके से आप विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा लगभग दो महीने से गायब है। पंजाब पुलिस उनको ढूंढ रही है। पठानमाजरा के खिलाफ दो हीने पहले पटियाला के थाना सिविल लाइन में दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। मामले में जब पटियाला पुलिस की टीम विधायक को गिरफ्तार करने हरियाणा के करनाल के गांव डबरी पहुंची थी। वहां से पठानमाजरा पुलिस को चकमा देकर भाग निकला। पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट के सीनियर वकील मोहन जैन ने कहा कि इस मामले में पठानमाजरा की विधानसभा सदस्यता (विधायकी) पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। क्योंकि उन्हें इन मामलों में कोई सजा नहीं हुई है। सजा होने के बाद उनकी सदस्या जाएगी। दूसरी ओर पंजाब पुलिस अब पठानमाजरा के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाएगी।

नीचे खड़े लोगों पर गिरी बालकनी, एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत, 4 घायल

कटक, 9 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के कटक शहर के बक्सी बाजार इलाके में एक बड़ा हादसा हो गया। मनिसाहू चौक के पास स्थित एक जर्जर इमारत की बालकनी का हिस्सा अचानक गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसा शनिवार देर शाम को हुआ। जानकारी के मुताबिक हदीबंधु स्कूल के पास एक पुरानी और जर्जर इमारत की बालकनी अचानक टूटकर नीचे गिर पड़ी। उसी वक्त वहां पास ही एक परिवार के लोग खड़े थे, जो इस मलबे की चपेट में आ गए।

मलबे के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालने के लिए फायर सर्विस कर्मियों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला गया और तुरंत एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल पहुंचाया गया। फिलहाल डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया है। मरने वालों की पहचान 60 साल के अब्दुल जलील, 30 साल के अब्दुल जाहिद और 3 साल के अब्दुल मुजाहिद के रूप में हुई है। तीनों एक ही परिवार के थे और पास के ही झुग्गी इलाके में रहते थे। हादसे में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें एससीबी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

वहीं इस हादसे पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रति व्यक्ति 4 लाख का मुआवजा देने की घोषणा की है। साथ ही घायलों के इलाज की पूरी व्यवस्था राज्य सरकार की ओर से की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि हादसे की पूरी जांच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसी जर्जर इमारतें शहर में लोगों की जान के लिए खतरा न बनें।

तेजप्रताप यादव ने भाई तेजस्वी को दिया आशीर्वाद

वाई प्लस सिक्योरिटी मिलने की भी बताई वजह

पटना, 9 नवंबर (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल प्रमुख तेजप्रताप यादव ने तेजस्वी यादव के जन्मदिन पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि वह वह आगे बढ़ें, मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी सिक्योरिटी बढ़ने पर भी जवाब दिया। तेज प्रताप यादव ने कहा कि मेरी सुरक्षा बढ़ा दी गई है, क्योंकि मेरी जान को खतरा है। लोग मुझे मरवा देंगे। बहुत सारे दुश्मन हैं। तेजस्वी का जन्मदिन है और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। आशा करता हूं कि उनका भविष्य उज्ज्वल हो। उन्हें मेरा आशीर्वाद है।

बता दें कि तेज प्रताप यादव की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गृह मंत्रालय ने उन्हें वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। इस श्रेणी में कमांडो और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ 11 जवान

होते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने हाल ही में तेज प्रताप की सुरक्षा संबंधित रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंपी थी, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने उनकी सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया है। तेज प्रताप ने परिवार और पुरानी पार्टी राजद से निकाले जाने के बाद जनशक्ति दल का गठन किया है। इस बार वह खुद भी अपनी नई पार्टी से महुआ में प्रत्याशी हैं। दरअसल, बिहार में अपराध और चुनाव के बीच बढ़ते सियासी तनाव के बीच तेज प्रताप यादव ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने पीएम मोदी और केंद्र सरकार से अपनी सुरक्षा बढ़ाने की अपील की थी।

अपनी सुरक्षा को लेकर जताई थी चिंता

हाल ही में मोकामा में दुलार चंद यादव हत्या के बाद तेज प्रताप यादव ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा था कि बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाएं हमें डरा रही हैं। उन्होंने कहा था केंद्र और राज्य प्रशासन को हमारी सुरक्षा बढ़ानी चाहिए ताकि वो बिना डरे चुनाव प्रचार कर सकें। बता दें कि वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा में आर्म्ड पुलिस के 11 कमांडो तैनात किए जाते हैं, जिसमें 5 पुलिस के स्टैटिक जवान वीआईपी की सुरक्षा के लिए उनके घर और आसपास रहते हैं। साथ ही 6 पीएसओ तीन शिफ्ट में सुरक्षा में तैनात रहते हैं।

श्योपुर में बर्तन न धोना पड़े

इसलिए अखबार में परोसा मिड-डे मील फजीहत हुई तो पहुंच गई चमचमाती थाली

श्योपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के विजयपुर ब्लॉक के हुल्लपुर गांव के एक प्राइमरी स्कूल में बच्चों को अखबार पर रखकर खाना परोसा जा रहा था। इस दौरान का वीडियो सामने आया, जिसको लेकर सवाल खड़े हो गए और मामले ने तूल पकड़ लिया। अब इस मामले में एक्शन लेते हुए स्कूल टीचर भोगीराम धाकड़ को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके साथ ही स्कूल में मिड डे मील बनाने वाले ग्रुप का भी कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया गया।

स्कूल में बच्चों को कागज पर खाना परोसने की वजह भी हैरान कर देने वाली है। बीडीओ की रिपोर्ट में बताया गया कि बच्चों को कागज पर 2 दिन तक ऐसे ही खाना परोसा गया। इसकी वजह ये थी कि दो महिलाएं छुट्टी पर थीं। ऐसे में बर्तन धोने के लिए कोई नहीं था। इसलिए बर्तन धोने से बचने के लिए बच्चों को थाली की जगह कागज पर ही परोस दिया गया। हालांकि, मामले ने तूल पकड़ा तो बच्चों को चमचमाती थाली में खाना परोसा गया।

बच्चों को अखबार में मिड-डे मील खाने का वीडियो वायरल होने के बाद एसडीएम अभिषेक मिश्रा और पूर्व मंत्री रामनिवास रावत भी स्कूल पहुंचे। इसके बाद दोनों ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर मिड डे मील खाया। इस दौरान मिड डे मील चमचमाती स्टील की थालियों में दिया गया। इसके साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी एम.एल. गर्ग ने मामले पर एक्शन लेते हुए टीचर को भी सस्पेंड कर दिया। अधिकारियों ने इसे बेहद गंभीर मामला बताया है। उनका कहना है कि बच्चों को इस तरह खाना परोसना न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता की भी पराकाष्ठा है।

भाजपा विधायक हंसराज के घर पहुंची पुलिस, फोन भी बंद

पॉक्सो एक्ट में दर्ज किया गया है केस

चंबा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। युवती के आरोपों पर महिला थाना चंबा में बीएनएस और पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने चुराह से भाजपा विधायक हंसराज के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

पुलिस विधायक के घर पहुंची, पर वह घर पर नहीं मिले। उनके मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ आ रहे हैं। पुलिस टावर लोकेशन भी खंगालने में जुट गई है। मामला पुराना है, इसलिए ठोस साक्ष्य जुटाना जरूरी है। सूत्र बताते हैं कि विधायक गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत की कोशिश में जुटे हैं। पुलिस अब मामले में विधायक को पूछताछ के लिए तलब कर सकती है। गिरफ्तारी होगी या नहीं, यह जांच पर निर्भर करेगा। इसी बीच, पीड़िता को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया। कमेटी ने बयान लिया और वीडियोग्राफी की गई। युवती ने विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनकी सत्यता की जांच अब पुलिस कर रही है।

अदालत के आदेश पर पॉक्सो एक्ट में दर्ज किया गया केस

युवती शुक्रवार को जब शिकायत देने महिला थाना पहुंची तो पुलिस बयान दर्ज कराने अदालत ले गई। बयान दर्ज होने के बाद जज ने पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज करने का आदेश दिया। अगर विधायक की गिरफ्तारी हुई तो विधानसभा अध्यक्ष को इसकी जानकारी देनी होगी।

विधायक होने के नाते उन्हें सूचना देनी होती है। जानकारों के अनुसार ऐसे मामलों में विधानसभा सचिवालय को पूर्व सूचना देने की जरूरत नहीं होती है। अगर विधायक विस परिसर में हो तो ही अध्यक्ष से अनुमति जरूरी होती है, वहां से पुलिस सीधे गिरफ्तारी नहीं कर सकती है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपित की हाई कोर्ट में सशर्त जमानत मंजूर, डेढ़ वर्ष से जेल में बंद था

प्रयागराज, 9 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपित चार बच्चों के पिता की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति डा. गौतम चौधरी ने सुमित कुमार की अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया है। अर्जी पर अधिवक्ता बीडी निषाद ने बहस की। मामले के अनुसार थाना नांगल जिला सहारनपुर में पीड़िता की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई गई। दो महीने बाद बिजनौर से पुलिस ने पीड़िता को बरामद किया।

पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में याची पर शादी का झांसा देकर सहारनपुर के एक होटल में कोल्डड्रिंक पिला कर बलात्कार करने का आरोप लगाया। मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान में उसने कहा कि उसकी उम्र 20 साल है, याची सुमित कुमार उसकी सहेली का भाई है। वह अपनी मर्जी से घर के बाहर निकली थी और सहारनपुर के एक होटल में सुमित ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

मातोश्री के पास क्यों उड़े ड्रोन

उद्धव ठाकरे की सुरक्षा पर सवाल, मुंबई पुलिस ने दी सफाई

मुंबई, 9 नवंबर (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे परिवार के बांद्रा स्थित आवास मातोश्री इलाके में अचानक ड्रोन दिखाई देने से हड़कंप मच गया है। मातोश्री इलाके में अचानक ड्रोन मंडराते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। शिवसेना यूबीटी ने आरोप लगाया है कि उद्धव और ठाकरे परिवार पर ड्रोन के जरिए नजर रखी जा रही है, इस दावे के साथ शिवसेना के नेताओं ने मातोश्री की खिड़की से लिया गया ड्रोन का वीडियो शेयर किया है। मुंबई पुलिस ने आरोपों और फैल रही अफवाहों पर सफाई देते हुए कहा कि मातोश्री इलाके में ड्रोन उड़ते देखे गए थे। एमएमआरडीए से इजाजत मिलने के बाद ही बीकेसी और खेरवाड़ी इलाकों में ड्रोन उड़ाए गए हैं। पुलिस ने कहा कि बीकेसी और बांद्रा के सर्वे का काम चल रहा है, इसलिए कई जगह ड्रोन सर्वे भी किया जा रहा है। किसी भी अफवाहों पर विश्वास न करें।

क्या मातोश्री पर किसी की नजर नहीं है?

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को देखने के बाद शिवसेना ठाकरे गुट के नेता अंबादास दानवे ने सवाल उठाया था, "क्या मातोश्री पर किसी की नजर नहीं है?" उन्होंने पोस्ट में कहा, "ड्रोन नीति में मुंबई रेड जोन में शामिल है। लेकिन इस समय 'मातोश्री' आवास के बाहर ऐसे ड्रोन अक्सर देखे जा रहे हैं। उच्च सुरक्षा वाले 'मातोश्री' के आसपास ऐसे ड्रोन का दिखना सुरक्षा के लिहाज से गंभीर मामला है।" उन्होंने आगे कहा कि क्या मातोश्री पर किसी की नजर है?

क्या है ड्रोन उड़ाने के नियम?

भारत में ड्रोन उड़ाने के मुख्य नियम डीजीसीए 2025 के मुताबिक हैं। भारत में 2 किलो से कम के ड्रोन को उड़ाने के लिए कोई खास लाइसेंस की जरूरत तो नहीं होती है, लेकिन इसको कहीं भी उड़ाने की परमिशन नहीं है। वहीं हाई सिक्योरिटी वाले जोन में इसे उड़ाने पर कार्रवाई भी हो सकती है।

बिना 1 रुपया दिए कैसे हुआ जमीन का सौदा? जमीन घोटाले की जांच में अबतक क्या-क्या मिला?

पुणे, 9 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में पुणे जमीन घोटाले की चर्चा तेज है। इस बीच, पुणे जमीन घोटाले की पुलिस जांच में सामने आया है कि अमेडिया कंपनी और शीतल तेजवानी में हुए जमीन के सौदे के बाद आरोपी तहसीलदार सूर्यकांत येवले ने इस साल जून महीने में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण को नोटिस जारी करके जमीन खाली करने का आदेश दिया था। मुंधवा की 40 एकड़ सरकारी जमीन फिलहाल भारतीय वनस्पति सर्वेक्षणके पास लीज पर है। तहसीलदार ने अपने नोटिस में कहा था कि पावर ऑफ अटॉर्नी धारक शीतल तेजवानी ने यह जमीन अमेडिया कंपनी को बेच दिया है। ऐसे में अमेडिया एलएलपी इस जमीन का फिजिकल पजेशन चाहती है, इसीलिए इस जमीन को खाली किया जाए।

तहसीलदार का नोटिस मिलने के बाद भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने इसकी शिकायत पुणे कलेक्टर कार्यालय से की। फिर मामले की गंभीरता को देखते हुए तब कलेक्टर ने भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण से कहा कि उन्हें जमीन खाली करने की जरूरत नहीं है, एसडीएम इस मामले की जांच करेंगे। तभी से इस केस के आरोप में तहसीलदार सूर्यकांत येवले की जांच चल रही थी। पुलिस जांच में ये भी पता चला है कि भले ही आरोपी शीतल तेजवानी और अमेडिया कंपनी के बीच 300 करोड़ रुपये में इस जमीन का सौदा हुआ था लेकिन असल में अमेडिया कंपनी की तरफ से एक रुपया भी शीतल तेजवानी को नहीं दिया गया था।

गौरतलब है कि पुणे के पॉश इलाके मुंधवा में 40 एकड़ जमीन की बिक्री 300 करोड़ रुपये में की गई थी। ये जमीन डिप्टी सीएम अजित पवार के बेटे पार्थ पवार से जुड़ी कंपनी अमेडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी को बेची गई थी। आरोप है कि ये जमीन सरकारी है और इस सौदे में जरूरी स्टांप ड्यूटी भी माफ कर दी गई थी। वहीं, विपक्ष का आरोप है कि इस जमीन की वास्तविक कीमत 1,800 करोड़ रुपये है। लेकिन उसे महज 300 करोड़ में बेच दिया गया। हालांकि, अजित पवार इस मामले की सफाई दे चुके हैं। उन्होंने सौदे के रद्द होने की जानकारी दी थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पार्थ पवार को ये बात मालूम नहीं थी कि वह जमीन सरकार की है।

केरल यूनिवर्सिटी में संस्कृत विभाग की प्रोफेसर के खिलाफ मुकदमा

शोधार्थी से जातिसूचक टिप्पणी का आरोप

तिरुवनंतपुरम, 9 नवंबर (एजेंसियां)। केरल यूनिवर्सिटी की संस्कृत विभागाध्यक्ष और डीन सीएन से कथित तौर पर जातिसूचक टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया है। मामला विश्वविद्यालय के करियावट्टम कैंपस का है। शिकायत के मुताबिक, वंचीयूर के रहने वाले शोधार्थी विपिन विजयन ने विजयकुमारी के खिलाफ एक शोधार्थी विजयकुमारी ने उनके पीएचडी थीसिस पर साइन करने से मना कर दिया और इस दौरान उनके खिलाफ जातिसूचक टिप्पणी की। विपिन ने बताया कि 15 अक्टूबर को उनके ओपन डिफेंस के बाद जब वे प्रोफेसर से हस्ताक्षर के लिए मिले, तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपमानजनक टिप्पणी की। एफआईआर में कहा गया है कि विजयकुमारी ने कहा कि 'निचली जातियों के लोग संस्कृत नहीं सीख सकते' और यह भी कहा कि 'ऐसे लोगों के कमरे में आने के बाद में पानी से सफाई करती हूं।' शोधार्थी ने यह भी आरोप लगाया कि 2015 से, जब उन्होंने एमफिल की पढ़ाई शुरू की थी, तब से ही विजयकुमारी इस तरह की टिप्पणियां करती आ रही हैं। श्रीकरियम पुलिस ने प्रोफेसर के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं 3(1)(आर) और 3(1)(एस) के तहत मामला दर्ज किया है, जो सार्वजनिक रूप से किसी को जाति के नाम पर अपमानित करने से संबंधित है। पुलिस के अनुसार, यह अपराध गैर-जमानती है

और गिरफ्तारी से पहले विस्तृत जांच की जाएगी। इस बीच, प्रोफेसर विजयकुमारी ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने थीसिस पर हस्ताक्षर इसलिए नहीं किए क्योंकि शोध कार्य में कई त्रुटियां थीं और छात्र को संस्कृत की पर्याप्त जानकारी नहीं थी। केस की जांच जारी है और विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी घटना की रिपोर्ट मांगी है।

जेल में ताक पर नियम-कानून

आईएसआईएस रिक्रूटर और हत्यारे को वीआईपी ट्रीटमेंट, मोबाइल-टीवी तक पहुंच की भी खबर

बंगलूरू, 9 नवंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू की परप्पना अग्रहार सेंट्रल जेल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में कुख्यात कैदी मोबाइल फोन इस्तेमाल करते और टीवी देखते नजर आए हैं। इस खुलासे ने जेल की सुरक्षा और सिस्टम की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन वीडियोज में जो कैदी नजर आ रहे हैं, उनमें आईएसआईएस का रिक्रूटर जुहाद हमीद शकील मन्ना और सीरियल किलर उमेश रेड्डी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये दोनों जेल के अंदर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे थे, जबकि उमेश रेड्डी को अपनी कोठरी में टीवी देखते हुए देखा गया।

जेल अधिकारियों ने बताया कि इन वीडियोज की सत्यता की जांच के लिए आंतरिक जांच शुरू कर दी गई है। एक अधिकारी ने कहा जांच के बाद जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, शकील मन्ना जेल के अंदर से अपने साथियों से संपर्क में था। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन पर भारी दबाव बन गया है। यह पहली बार नहीं है जब बंगलूरू की परप्पना अग्रहार जेल सुरक्षा चूक को लेकर चर्चा में आई है।

हाल ही में एक अन्य वीडियो में गुब्बाची सिना नाम के बदनाम अपराधी को जेल के अंदर जन्मदिन मनाते हुए देखा गया था। वीडियो में वह केक काटते और साथी कैदियों के साथ जश्न मनाते नजर आया था। इसके अलावा, पिछले साल कन्नड़ अभिनेता दर्शन थूगुदीपा की एक तस्वीर भी वायरल हुई थी, जिसमें वे जेल में सिगरेट पीते और कॉफी मग के साथ बातचीत करते नजर आए थे। इसके अलावा, जेल से वीडियो कॉल पर किसी व्यक्ति से बात करते हुए भी दर्शन का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था। इन लगातार खुलासों से यह साफ हो गया है कि बंगलूरू की यह हाई सिक्योरिटी जेल व्यवस्था और निगरानी के मामले में गंभीर खामियों से जूझ रही है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 10 नवंबर- 2025

सूडान में मानवता रो रही, दुनिया चुपचाप देख रही

राजेश कुमार पासी

इस समय दुनिया दो युद्धों में हो रही तबाही से चिंतित है । एक युद्ध इजराइल और हमास के बीच चल रहा है तो दूसरा युद्ध यूक्रेन रूस के खिलाफ लड़ रहा है। इन दोनों युद्धों को रुकवाने की कोशिश दुनिया की कई शक्तियां कर रही हैं। दूसरा सच यह है कि ये युद्ध भी इन्हीं में से कुछ शक्तियों की देन है । दुनिया का ध्यान धीरे-धीरे उस युद्ध की तरफ जा रहा है जो कि सूडान में चल रहा है। अजीब बात यह है कि गाजा से कहीं ज्यादा तबाही, उससे कुछ ही दूरी पर सूडान में चल रही है। दूसरी बात यह है कि दोनों जगहों पर नरसंहार लगभग एक ही समय पर शुरू हुआ था लेकिन दुनिया सूडान की तरफ देखने को तैयार नहीं है। सूडान में मानवता रो रही है, धीरे-धीरे सिसक रही है, लेकिन शांति के मसीहा उसकी तरफ देखने को तैयार नहीं हैं । वहां महिलाओं का बलात्कार करने के लिए उनको ट्रकों में भर-भर कर अपने ठिकानों में ले जाया जा रहा है। कई दिनों तक उनको नोचने के बाद कहां फेंका जा रहा है, कोई नहीं जानता ।

जिंदा लोगों को जबर्दस्ती ताबूत में बंद करके दफनाया जा रहा है । कई जगहों पर लोगों को समूह बनाकर खाइयों में धकेलकर गड्ढों में डाला जा रहा है। इसके बाद उनको गोलियों से भूनकर, दफन किया जा रहा है। जगह-जगह कत्लेआम हो रहा है, जैसे जानवरों को एक-एक करके काटा जाता है, कुछ ऐसा ही मंजर सूडान की जनता देख रही है। लोगों को पेड़ो पर लटका फांसी दी जा रही है। बच्चों को दौड़ा-दौड़ा कर शिकार किया जा रहा है। गाड़ियों से जिंदा कुचलकर मारा जा रहा है। दुनिया के इतिहास में पहली बार नरसंहार के सबूत सेटेलाइट से देखे गए हैं, इसलिए इस पर चर्चा शुरू हुई है। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो वायरल हो रहे हैं जिन्हें देखकर रूह कांप जाती है। लगभग सारे अस्पताल बंद हो गए हैं, जिसके कारण लोगों का इलाज भी नहीं हो पा रहा है। अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों में लोग चले गए हैं, जहां इतनी भीड़ है कि खाने-पीने तक का सामान नहीं बचा है । एक करोड़ से ज्यादा लोगों ने भागकर पड़ोसी देशों में शरण ले ली है जहां पहले ही गरीबी है। दो सैन्य गुटों की लड़ाई में आम जनता मारी जा रही है। नरसंहार इतना बड़ा है कि लाशों को छुपाने के लिए उन्हें गड्ढों में दबाया जा रहा है । इसके बावजूद जगह-जगह लाशों के ढेर लगे हुए हैं।

पिछले दो साल से इजराइल और हमास के युद्ध में लगभग 60000 हज़ार लोग गाजा में मारे गए हैं जबकि इसी अवधि में सूडान में डेढ़ लाख लोगों के मारे जाने की सूचना है । सूडान में हुई हिंसा में मारे गए लोगों की वास्तविक संख्या इससे कई गुना ज्यादा होने की आशंका भी जताई जा रही है । वास्तव में सूडान में चल रही हिंसा की सही रिपोर्टिंग करना मुश्किल है क्योंकि जो सामने आ रहा है, उसे मारा जा रहा है। ऐसे में हिंसा की सही मात्रा का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है । जहां पर छोटे-छोटे बच्चों को पटक-पटक कर मारा जा रहा हो, वहां के हालातों के बारे में कल्पना करना भी मुश्किल है। सवाल है कि पूरी दुनिया गाजा के लिए परेशान हैं जबकि उससे कहीं ज्यादा बर्बरता सूडान में की जा रही है. फिर पूरी दुनिया दो साल से चुप क्यों है।

मानवधिकारों के सबसे बड़े योद्धा अमेरिका, यूरोप और दूसरे विकसित देश सूडान की तरफ देखने को तैयार नहीं हैं। दुनिया के सबसे बड़े संगठन संयुक्त राष्ट्र को सूडान की चिंता क्यों नहीं है। सबसे बड़ी बात, गाजा के मुस्लिमों की लाशों पर पूरी दुनिया के मुस्लिम देश आंसू बहा रहे हैं। मुस्लिम जगत में बार-बार मांग उठती है कि मुस्लिम देश इजराइल के खिलाफ युद्ध की घोषणा क्यों नहीं कर देते । ईरान के साथ इजराइल की झड़प भी हो चुकी है। इसके अलावा यमन के विद्रोहियों ने भी इजराइल पर कई मिसाइल हमले किये हैं। दुनिया भर के वामपंथी और सेक्युलर संगठन भी गाजा की हिंसा के कारण इजराइल के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। फिलीस्तीनियों से कई गुना ज्यादा सूडानी मुस्लिम मारे जा चुके हैं लेकिन मुस्लिम देश बिल्कुल चुप हैं । भारत में एक मुस्लिम की हत्या हो जाये तो भारत को मुस्लिमों के लिये खतरनाक देश करार दिया जाता है। कश्मीर में आतंकवादियों के मारे जाने पर भी भारत पर सवाल खड़ा किया जाता है। सूडान में लाखों लोगों की हत्या की जा चुकी है और निरंतर जारी है, लेकिन मुस्लिम जगत की चुप्पी नहीं टूट रही है । आतंकवादियों के मारे जाने से परेशानी है लेकिन मासूम बच्चों की हत्याओं पर चुप्पी है ।

सवाल यह है कि सूडान में इतनी हिंसा क्यों हो रही है और इसमें कौन-कौन से देश जुड़े हुए हैं। वास्तव में सूडान में एक ऐसा गृहयुद्ध चल रहा है जिसमें एक तरफ वहां की सेना एसएएफ है तो दूसरी तरफ वहां का अर्ध-सैनिक बल आरएएफ है । दोनों सूडान पर कब्जे की जंग लड़ रहे हैं और आपसी लड़ाई में एक दूसरे के समर्थकों को मार रहे हैं। सूडान की हिंसा में बड़ा योगदान आरएएफ का है जो सेना के खिलाफ लड़ रहा है और कब्जे वाले क्षेत्रों में आम जनता को निशाना बना रहा है। आरएएफ का नेतृत्व दोगोलो कर रहा है जबकि सेना का नेतृत्व बुरहान के हाथ में है । सूडान की 97% जनसंख्या सुन्नी मुसलमान है, इसलिए इसे धर्म की जंग भी नहीं कहा जा सकता। वास्तव में ये पूरी तरह से सत्ता की लड़ाई है । फिर सवाल उठता है कि अगर सत्ता की लड़ाई में आम मुस्लिम मारे जा रहे हैं तो मुस्लिम देश चुप क्यों है। सच्चाई यह है कि ये मुस्लिम देश इसलिए चुप हैं क्योंकि यही देश इस लड़ाई को चला रहे हैं। विडम्बना यह है कि ये देश गुप्त रूप से सूडान के दोनों गुटों की मदद कर रहे हैं । सवाल यह है कि ये मुस्लिम देश इन गुटों की मदद क्यों कर रहे हैं। वास्तव में सूडान में सोना और क्रूड ऑयल के अलावा कई कीमती धातुओं के भंडार हैं लेकिन असली लड़ाई सोने को लेकर ही है । इसके अलावा ये देश सूडान के जरिये लाल सागर के इलाके में अपना प्रभुत्व रखना चाहते हैं। ये देश इन गुटों को सीधे मदद करने की जगह तस्करी के माध्यम से हथियार और जरूरी सामान उपलब्ध करवा रहे हैं। सूडान की सेना एसएएफ को इजिप्ट, तुर्की और ईरान मदद दे रहे हैं तो दूसरी तरफ आरएएफ को लीबिया और यूएई समर्थन दे रहे हैं। इस समय आरएएफ ही नरसंहार कर रहा है, इसलिए उसको समर्थन देने के कारण मुस्लिम समाज यूएई को कोस रहा है। उसको सोशल मीडिया पर मुस्लिम लानत भेज रहे हैं। ईरान सेना का समर्थन इसलिए भी करता है क्योंकि उसके कब्जे में सूडान के पोर्ट हैं । ईरान इन पोर्ट्स का इस्तेमाल यमन के हूतियों को हथियार सप्लाई करने के लिए करता है। वास्तव में सूडान में मुस्लिम देश अपने निजी स्वार्थों के लिए दोनों गुटों के साथ खड़े हैं । सूडान का सोना ही सूडान की जनता की मुसीबतों की जड़ है । इस सोने को पाने के लिए ही मुस्लिम देश बेशर्मी के साथ सूडानी जनता का खून बहा रहे हैं। अगर मुस्लिम देश इन दोनों गुटों की मदद बंद कर दें तो इनके लिए लड़ना मुश्किल हो जाएगा । विडम्बना यह है कि ये देश सूडान के दोनों गुटों से सोना खरीदकर उन्हें हथियार दे रहे हैं। जिस सोने का इस्तेमाल सूडान की जनता के कल्याण के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए था, उसका इस्तेमाल उसका ही खून बहाने के लिए किया जा रहा है। सवाल यह है कि जो मुस्लिम जगत किसी भी देश में मुस्लिमों की हत्या होने पर हंगामा करता है, वो सूडानी मुसलमानों के नरसंहार पर चुप क्यों है। सेक्युलर और वामपंथियों की जुबान पर ताला क्यों लगा हुआ है। वास्तव में सूडान की हिंसा में एक मुसलमान दूसरे मुसलमान को मार रहा है, इसलिए इसकी अनदेखी की जा रही है।

नहीं रहे कंप्यूटर शिक्षा के 'पितामह'

भारत में कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा की क्रांति के लिए पितामह कहे जाने वाले प्रोफेसर वैद्येश्वरन राजारमन का शनिवार को निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। उन्हें बढ़ती उम्र के साथ कई बीमारियां थीं। उन्होंने अपने टाटानगर स्थित घर पर अंतिम सांस ली। आईआईटी कानपुर में कंप्यूटर साइंस में भारत का पहला फॉर्मल एकेडमिक प्रोग्राम स्थापित करने में राजारमन के बडे योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। प्रोफेसर वैद्येश्वरन राजारमन ही वह शख्स थे, जिन्होंने देश में तकनीकी क्रांति की नींव रखी थी। उनका जन्म 1933 में हुआ था। उनके जीवन के 6 दशक का जीवन कंप्यूटर साइंस एजूकेशन को समर्पित रहे। प्रो राजारमण का कद कितना बड़ा था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी स्टूडेंट की लिस्ट में इंफोसिस फाउंडर नारायण मूर्ति जैसी हस्तियों के नाम शामिल हैं। उनके छह दशक के करियर में कई बड़ी उपलब्धियां उनके नाम पद दर्ज हुई। 1965 में आईआईटी कानपुर कंप्यूटर साइंस में भारत का पहला फॉर्मल एकेडमिक प्रोग्राम शुरु होने का श्रेय उन्हीं के नाम है। उनके शिष्यों में इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति और टीसीएस के पहले सीईओ फकीर चंद कोहली का नाम शामिल है। नारायण मूर्ति उनको हर एक छात्र के लिए गार्जियन के तौर पर मानते हैं। नारायण मूर्ति ने कहा कि वे 50 साठ के दशक के अंत में आईआईटी कानपुर में उनका छात्र थे। वह एक विद्वान और सज्जन व्यक्ति थे। वह और उनकी बहुत ही दयालु पत्नी, धर्मा, आईआईटीके के ईई विभाग के प्रत्येक छात्र के लिए अभिभावक की तरह थे। वह हमेशा किसी भी मार्गदर्शन के लिए उपलब्ध रहते थे। 1982 से 1994 तक एचएससी में सुपरकंप्यूटर शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (एसईआरसी) के अध्यक्ष के रूप में, प्रोफ़ेसर राजारमन ने भारत की सुपरकंप्यूटिंग और समानांतर कंप्यूटिंग क्षमताओं का निर्माण किया और अनुसंधान संस्थानों को उन्नत कम्प्यूटेशनल संसाधनों से सशक्त बनाया। उनके विजन ने विज्ञान और वाणिज्य स्नातकों के लिए मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) कार्यक्रम की स्थापना की, जिससे उभरते आईटी उद्योग में महत्वपूर्ण मानव संसाधन आवश्यकताओं को पूरा किया गया। 1987 में, प्रधानमंत्री की विज्ञान सलाहकार परिषद द्वारा गठित एक समिति की अध्यक्षता करते हुए, उन्होंने स्वदेशी सुपरकंप्यूटर विकसित करने के लिए उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र की स्थापना की सिफारिश की। प्रोफ़ेसर राजारमन उन महान लोगों में से एक हैं जिन्होंने सुपर कंप्यूटर के बारे में तब सोचा जब लोग यह भी नहीं जानते थे कि इसे एक शब्द में लिखा जाता है या दो में। कंप्यूटर शिक्षा में उनका योगदान बेजोड़ है। वे एक महान इंसान थे। उन्हें कभी किसी ने क्रोधित नहीं देखा। इंफोसिस के सह-संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन ने कहा कि प्रोफेसर राजारमन भारतीय कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा के पुरोधा हैं। उनकी पाठ्यपुस्तकें कई भारतीय छात्रों के लिए प्रोग्रामिंग का पहला परिचय हैं। देश ने कंप्यूटर उद्योग के एक अग्रणी पुरोधा को खो दिया है। इतना ही नहीं ई-गवर्नेंस में प्रोफेसर राजारमन का योगदान परिवर्तनकारी था। कर्नाटक के तकनीकी सलाहकार पैनल (1985-2014) के सदस्य के रूप में उन्होंने भूमि पंजीकरण के लिए भूमि परियोजना और संपत्ति पंजीकरण के लिए कावेरी परियोजना सहित ऐतिहासिक पहलों का मार्गदर्शन किया। इससे भारत में डिजिटल शासन का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रोफेसर वैद्येश्वरन राजारमन को शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (1976) मिला और उन्हें 1998 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

तस्वीर नहीं, व्यवस्था बदलनी है

आरके जैन

मध्यप्रदेश श्योपुर जिले के विजयपुर विकासखंड के तिरंगापुरा मिडिल स्कूल में मिड-डे मील की शर्मनाक हकीकत सामने आई है। धूप में ज़मीन पर बैठे मासूम बच्चे, सामने बिछे रद्दी अख़बार के टुकड़े। उस पर रखी रोटी, थोड़ी दाल/सब्जी, और ऊपर से अख़बार पर छपी होगी -"विकास की रफ़्तार दोगुनी" जैसी खबरें; जो उनके भूख और हालात की सच्चाई से बिल्कुल उलझती हुई लगती हैं। बच्चे हाथ बढ़ाते हैं, स्याही लगती है उंगलियों पर, ज़हर घुलता है खाने में। यह कोई काल्पनिक दृश्य नहीं। यह उस वीडियो का सच्चाई है जो वायरल हुआ और पूरे तंत्र को हिला गया। पर असली सवाल यह नहीं कि यह हुआ-बल्कि यह है कि ऐसी सच्चाई अब तक छिपी कैसे रही?

जिस दिन वीडियो सामने आया -उसी दिन निलंबन हुए। जिस दिन कैमरा चला-उसी दिन जांच बैठी। और जिस दिन लाखों लोगों ने देखा-उसी दिन "सख़्त निर्देश" जारी कर दिए गए। यह कोई संयोग नहीं, यह व्यवस्था का डर है-कैमरे का डर, सोशल मीडिया का डर, जनता की नज़रों का डर। जब तक कोई फ़ोन नहीं उठा, जब तक किसी बच्चे ने रिकॉर्ड नहीं किया - तब तक यह सब यूँ ही चलता रहा। तो सवाल उठता है-क्या यह सिर्फ़ एक स्कूल की गलती थी, या पूरे सिस्टम की मिलीभगत? ना जाने कब से बच्चों को रद्दी अखबार पर खाना परोसा जा रहा था, निरीक्षक कहाँ थे? मॉनिटरिंग कमेटी कहाँ थी? और वह फंड, जो बच्चों के पोषण के नाम पर आता है - आखिर ग़ायब कहाँ हो गया? बस एक बार गूगल पर "मिड-डे मील घोटाला" लिखिए-और सामने खुल जाएगी देश-प्रदेश के स्कूलों की कटु सच्चाई। कहीं दाल में कीड़े मिले, कहीं आटे में घुन, कहीं चावल में इल्लियाँ रेंगती दिखीं, कहीं सब्ज़ी से सड़ांध उठी -और कहीं मासूम बच्चों को आधी रोटी में पूरा दिन काटना पड़ा। सवाल यह है -क्या हर बार एक वीडियो ही आँखें खोलेगा? क्या हर गाँव को सच्चाई दिखाने के लिए एक पत्रकार चाहिए? नहीं। ज़रूरत है ऐसी निगरानी की मज़बूत ज़ंजीर की - जो हर स्कूल तक पहुँचे, हर रसोई में झाँके, हर थाली तक गिनती करे। ताकि सच्चाई कैमरे या वायरल वीडियो का मोहताज न रहे, ज़मीर की नज़र से देखी जाए।

निलंबन बस एक पर्दा है - जवाबदेही पर नहीं, शर्म पर डाला गया आवरण। चेहरे बदल दिए जाते हैं, लेकिन सिस्टम जस का तस रहता है। अगले हफ़्ते नया प्रभारी आएगा, और फिर वही पुरानी कहानी दोहराई जाएगी। समाधान कार्रवाई नहीं, निगरानी है -वह भी स्थायी। हर स्कूल में सीसीटीवी हो, जिसकी लाइव फ़ीड अभिभावक अपने ऐप पर देख सकें। हर मिड-डे मील ग्रुप का ऑडिट हर 15 दिन में हो और रिपोर्ट जनता के सामने रखी जाए। हर बच्चे के अभिभावक को बिना सूचना के स्कूल में जाकर निरीक्षण करने का अधिकार मिले। और हर दिन परोसे गए भोजन की एक फ़ोटो अपलोड की जाए- जीपीएस और टाइमस्टैम्प सहित, ताकि जवाबदेही सिर्फ़ कागज़ों में नहीं, ज़मीनी हकीकत में दिखे।

ये बच्चे सिर्फ़ पेट नहीं भरते-वे देश का भविष्य गढ़ते हैं, सपनों को संवारते हैं, उम्मीदों को जीवन देते हैं। उनकी थाली केवल स्टील की नहीं होती, वह सम्मान, समानता और अधिकार का प्रतीक होती है। पर जब कोई बच्चा ज़मीन पर बैठकर रद्दी अख़बार पर खाना खाता है, तो वह निवाला नहीं खाता-अपना आत्मसम्मान निगलता है। उसे सिखाया जाता है- "तेरी जगह नीचे है, तू दूसरी श्रेणी का है।" यह सिर्फ़ भूख की नहीं, आत्मविश्वास, गरिमा और सपनों की हत्या है।

और हर ऐसी थाली, जिस पर रोटी से पहले अपमान परोसा जाता है -उस पर पूरे तंत्र की नाकामी की छाप उभर आती है। आज एक वीडियो ने सिस्टम को हिला दिया -पर बदलाव वो नहीं जो कैमरे दिखाएँ, बदलाव वो है जो कैमरा बंद होने के बाद भी कायम रहे।

अंतरिक्ष में भारतीय संचार का नया सितारा सीएमएस-03

योगेश कुमार गोयल

पिछले दिनों श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'बाहुबली' रॉकेट एलवीएम3-एम5 ने भारत के अब तक के सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंचाया और उसी के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। यह प्रक्षेपण न केवल भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नई छलांग है बल्कि यह उस आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है, जिसकी परिकल्पना आज का भारत अपने वैज्ञानिक संकल्प से साकार कर रहा है। करीब 4,410 किलोग्राम वजनी सीएमएस-03 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। यह भारत की धरती से अब तक छोड़ा गया सबसे भारी संचार उपग्रह है। यह उपग्रह भारत तथा आसपास के समुद्री क्षेत्रों में मल्टी-बैंड संचार सेवाएं प्रदान करेगा और अगले 15 वर्षों तक देश की संचार प्रणाली की रीढ़ साबित होगा। इस मिशन की सफलता ने एक बार फिर इसरो की वैज्ञानिक दक्षता, तकनीकी परिपक्वता और अडिग संकल्प का प्रमाण दिया है।

'बाहुबली' नाम अपने आप में इस रॉकेट की क्षमता का परिचायक है। एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जो लगभग 43.5 मीटर ऊंचा और तीन चरणों में कार्य करने वाला रॉकेट है। इसकी भार वहन क्षमता ही इसे 'बाहुबली' का दर्जा देती है। यह रॉकेट लगभग 4,000 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को जीटीओ में और 8,000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निम्न कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) तक पहुंचाने में सक्षम है। यह वही रॉकेट है, जिसने भारत को विश्व पटल पर गौरव दिलाने वाला ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत का झंडा लहराया।एलवीएम3-एम5 रॉकेट तीन चरणों में कार्य करता है। पहले चरण में इसके दो ठोस बूस्टर रॉकेट एस-200 प्रारंभिक लिफ्ट ऑफ के लिए भारी थ्रस्ट उत्पन्न करते हैं। दूसरे चरण में एल-110 लिक्विड प्रोपल्शन स्टेज आता है, जिसे विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में विकसित किया गया है। तीसरे और अंतिम चरण में क्रायोजेनिक इंजन सी-25 कार्य करता है, जो सैटेलाइट को सटीक रूप से उसकी कक्षा में स्थापित करने की अंतिम जिम्मेदारी निभाता है। यह जटिल प्रणाली और उसकी सटीक कार्यप्रणाली भारत की उस इंजीनियरिंग दक्षता की परिचायक है, जिसने आज विश्व की शीर्ष चार अंतरिक्ष शक्तियों में भारत को स्थापित किया है।

इसरो के इस मिशन की सबसे बड़ी सफलता यह है कि यह भारत को भारी उपग्रह प्रक्षेपण में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करता है। इससे पहले इसरो को अपने भारी उपग्रहों के लिए विदेशी लॉन्च सेवाओं का सहारा लेना पड़ता था, जैसे कि दिसंबर 2018 में जीएसएटी-11 को फ्रैंच गयाना से एरिएन-5 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। उस समय जीएसएटी-11 (5854 किलोग्राम) इसरो का सबसे भारी उपग्रह था परंतु वह भारत से लॉन्च नहीं हो सका था। आज सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण के साथ भारत ने यह उपलब्धि अपने दम पर हासिल कर ली है। सीएमएस-03 को इसरो के वैज्ञानिकों ने आधुनिक संचार अवसंरचना की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। यह एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जो देश के दूरस्थ और समुद्री इलाकों में तेज और विश्वसनीय संचार सेवाएं सुनिश्चित करेगा। इस उपग्रह के माध्यम से रक्षा क्षेत्र, नौसेना, आपदा प्रबंधन, नागरिक संचार और डिजिटल कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार होगा। विशेष रूप से यह नौसेना के लिए समुद्री क्षेत्रों में सुरक्षित और निर्बाध संचार नेटवर्क प्रदान करेगा, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी।भारत की समुद्री सीमाएं लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी हैं और उसके पास व्यापक आर्थिक क्षेत्र है। ऐसे में सुदूर समुद्री इलाकों में संचार का सशक्त नेटवर्क आवश्यक है। सीएमएस-03 इस दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय नौसेना को रणनीतिक रूप से अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा। इसके अलावा, यह देश के ग्रामीण और दूरदराज़ इलाकों में डिजिटल पहुंच को भी सुदृढ़ करेगा। एलवीएम3-एम5 मिशन की सफलता इस बात का भी प्रमाण है कि भारत अब न केवल वैज्ञानिक तकनीक का उपभोक्ता देश है बल्कि वह तकनीक निर्माता और नवोन्मेषी शक्ति के रूप में भी उभर चुका है। इसरो के वैज्ञानिकों ने खराब मौसम की चुनौतियों और अत्यधिक जटिल तकनीकी परिस्थितियों में भी इस मिशन को सफलता तक पहुंचाया। इसरो प्रमुख वी. नारायणन के शब्दों में, 'यह बाहुबली रॉकेट की ताकत का एक और प्रमाण है। उपग्रह को सटीक रूप से कक्षा में स्थापित किया गया है और यह हमारे वैज्ञानिकों की अथक मेहनत का परिणाम है।'

एलवीएम3-एम5 रॉकेट की अब तक की सभी आठ उड़ानें 100 प्रतिशत सफल रही हैं। यह सफलता दर किसी भी विकसित अंतरिक्ष एजेंसी के मानकों पर श्रेष्ठ मानी जा सकती है। भारत के लिए यह मिशन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है बल्कि यह उस दृष्टि का विस्तार है, जो प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प से जुड़ी है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने हाल के वर्षों में जो प्रगति की है, उसने न केवल विश्व को चकित किया है बल्कि निजी उद्योगों और स्टार्टअप्स के लिए भी अंतरिक्ष तकनीक में नए अवसर खोले हैं। सीएमएस-03 मिशन भारत की उस अंतरिक्ष नीति को भी मजबूत करता है, जिसके तहत देश आने वाले वर्षों में वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। भारत अब वैश्विक स्तर पर उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो भारी उपग्रहों को स्वयं की तकनीक से अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम हैं। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की वैश्विक विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। इसरो के मिशनों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसने हर उपलब्धि सीमित बजट में हासिल की है। एलवीएम3 की संरचना और प्रदर्शन का स्तर यूरोपियन एरिएन-5 या अमेरिकी फाल्कन-9 जैसी श्रेणी के रॉकेटों के समान है जबकि इसकी लागत उन मिशनों की तुलना में बेहद कम है। यही भारतीय प्रतिभा और वैज्ञानिक अनुशासन की असली पहचान है। इस मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि सीएमएस-03 से भारत की डिजिटल कनेक्टिविटी और रक्षा नेटवर्क दोनों को मजबूती मिलेगी। देश के सुदूरवर्ती द्वीपों, सीमांत इलाकों और समुद्री मार्गों पर निर्बाध संचार स्थापित करना अब अधिक आसान होगा। इस मिशन के जरिए भारत का संचार तंत्र और आपदा प्रबंधन प्रणाली भी अधिक सटीक और प्रभावी होगी।

'टीका' नहीं, 'तानाकशी' का त्योहार

डॉ. सुरेश कुमार

ई जो त्योहार होते हैं न, साहब! ई धार्मिक कम, और सामाजिक परीक्षा ज़्यादा होते हैं। खास करके ई 'भ्रातृ द्वितीया' (भाई दूज), ई तो पत्नियों के लिए अग्निपरीक्षा है। रमा बेचारी सुबह से लगी हुई है। 'प्रसन्नता से सारे कार्य कर रही थी'-नहीं, वह प्रसन्नता नहीं थी, वह तो अभिनय था। बहू को हर त्योहार पर 'प्रसन्न' दिखना पड़ता है, नहीं तो लोग कहेंगे, अरे, इस बहू के तो मन में कोई उत्साह ही नहीं है! और फिर अगर ननद घर में हो, तो प्रसन्नता का लेवल दस गुना बढ़ाना पड़ता है, क्योंकि ननद माइक्रोस्कोप लेकर बैठी होती है, ज़रा-सी चूक हुई नहीं कि लांछन तैयार। रमा काम करते-करते थककर बैठी, बस यहीं उससे सामाजिक अपराध हो गया। थकान तो केवल शरीर को होती है, पर बहू को थकने का अधिकार नहीं है। और उधर, शोभा ननद रानी! वह तो इसी मौके की तलाश में थी। उसने ताना मारा-देखो कैसे बैठ गई है। अपना भाई नहीं आया है न, इसीलिए मुँह सुजाई हुई है। ईर्ष्यालु है शायद। अरे! ई ननद नहीं है, ई तो विषैले शब्दों की सरकारी मशीनरी है! भाई नहीं आया, इसलिए भाभी दुखी है-यह कैसा तर्क है? यह तो सीधे-सीधे चरित्र हनन है। ननद यह सिद्ध करना चाहती है कि भाभी का प्यार केवल अपने मायके के लिए है, और इस घर के लिए वह केवल एक 'कामकाजी मशीन' है। शोभा को खुशी नहीं चाहिए, उसे तो अपनी श्रेष्ठता और भाभी की कमजोरी सिद्ध करनी है। और रमा बेचारी, 'सुन्न सी बैठी रही।' क्योंकि वह जानती थी, ई जुबान नहीं है, ई बिना हड्डी की तलवार है, जो हर बात पर चल जाती है। 'मन ही मन सोचने लगी इतना मन लगाकर कार्य करने के बाद भी निन्दा!' रमा की ई व्यथा नहीं है, ई तो हर मध्यवर्गीय बहू की नियति है। आप चाहे कितना भी मन लगा लो, आपकी मेहनत कभी नहीं दिखती, दिखता है तो केवल आपका मनुष्य होना-यानी, कभी-कभी थक जाना, या गलती कर देना। और जब लांछन लगता है न, तो वह कार्य की गुणवत्ता पर नहीं लगता, वह सीधे आपके अस्तित्व पर लगता है। 'ईर्ष्यालु है शायद!'-वाह! क्या सुंदर शब्द चुना है! इसका मतलब है, बहू इस घर की ख़ुशी से जलती है, वह यहाँ की ख़ुशी में शामिल नहीं होना चाहती। यह लांछन नहीं है, यह मानसिक टॉर्चर है। और रमा ने क्या किया? बहते आँसुओं को पोंछ काम में जुट गई। यही तो भारतीय नारी की सबसे बड़ी विडंबना है-उसे रोने का भी अधिकार नहीं है! वह अपने आँसू भी छुपाती है, ताकि कोई यह न कह दे, देखो, ज़रा-सी बात पर रोने लगी! वह जानती है, आँसू दिखाओगी तो कमज़ोर कहलाओगी, और काम नहीं करोगी तो निकम्मी। इसलिए चुपचाप आँसू पोंछो, और मशीन की तरह फिर से काम में लग जाओ। ई त्योहार तो प्यार का था, पर रमा के लिए ई त्योहार अकेलेपन और असहनीय अपमान का बन गया था। वह बेचारी बार-बार बाहर देखती, 'लगता है भैया नहीं आ सके।' भाई नहीं आ सका, तो यह गम नहीं था, गम यह था कि अब ननद को एक और हथियार मिल गया-देखो, इसका भाई भी इसे भाव नहीं देता, इसीलिए तो नहीं आया! मायूस होकर रमा जब अन्दर आने लगी, तभी उसका नाम सुनाई दिया-'रमा!' और फिर भाई को देखकर वह खुशी से उछल पड़ी! आह! यह खुशी नहीं थी, यह तो मानसिक विजय का क्षण था! भाई का आना केवल भाई का आना नहीं था, यह उस लांछन का खंडन था, जो ननद ने लगाया था कि 'भाई नहीं आया है, इसीलिए मुँह सुजायी हुई है।' अब ननद क्या कहेगी? भाई आ गया, तो अब रमा 'ईर्ष्यालु' नहीं रही! अब रमा इस घर की खुशी में शामिल हो गई! दीपक ने कहा-'रास्ते में भीड़ के कारण, काफी देर हो गई।' अरे भाई! ई 'भीड़' केवल रास्ते में नहीं थी, ई भीड़ तो रमा के मन में थी, जो ननद के शब्दों से जमा हो गई थी। और अब देखो, सुबह की बातें याद कर आँखें बरबस भीग गयी उसकी। ई आँसू खुशी के नहीं थे, ई आँसू थे राहत के। राहत इस बात की कि आज इज्जत बच गई।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष के सियासी रंग भारत अमेरिकी प्रभाव के दूरगामी परिणाम

संजीव ठाकुर

भारतीय उपमहाद्वीप का यह त्रिकोण भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान एशिया की भू-राजनीति का सबसे संवेदनशील और जटिल क्षेत्र है। यह केवल सीमाओं का नहीं बल्कि सभ्यताओं, संस्कृतियों और विचारधाराओं का संगम है। तीनों देशों के रिश्ते प्राचीन इतिहास से लेकर आधुनिक काल तक निरंतर बदलते रहे हैं। कभी यह सांस्कृतिक सेतु रहा, तो कभी वैचारिक युद्ध का मैदान। और आज, यह क्षेत्र वैश्विक शक्तियों, विशेषकर अमेरिका और ब्रिटेन के प्रभावों से भी गहराई से प्रभावित है।

अफगानिस्तान भारत की सांस्कृतिक परिधि का हिस्सा रहा है। गांधार, तक्षशिला, बामियान जैसे नाम इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि भारत की बौद्ध और वैदिक परंपराएं सिंधु से काबुल तक प्रवाहित होती थीं। सम्राट अशोक के शिलालेख आज भी कंधार में मिलते हैं, और कुषाण काल की कला भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव की साक्षी है। परंतु समय के साथ जब तुर्क और मुगल आक्रमणों के लिए यही अफगानिस्तान मार्ग बना, तो यह सांस्कृतिक सेतु धीरे-धीरे संघर्ष की भूमि में बदल गया। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन ने इस भूगोल को अपनी सामरिक राजनीति का केंद्र बना लिया। उन्नीसवीं सदी के "ग्रेट गेम" में अफगानिस्तान रूस और ब्रिटेन के बीच बफर स्टेट घोषित हुआ, और 1893 में खींची गई दुर्रान रेखा ने पश्तून समुदाय को दो हिस्सों में बाँट दिया। यह सीमा आज भी अफगान-पाक संबंधों की सबसे बड़ी दरार है।

1947 में भारत के विभाजन ने इस त्रिकोण को निर्णायक रूप से बदल दिया। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को प्रारंभ में मान्यता नहीं दी क्योंकि उसे अपने पश्तून क्षेत्रों की चिंता थी। वहीं भारत ने अफगानिस्तान के साथ अपने ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को बनाए रखा। पर ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा छोड़ी गई विभाजन की रेखाएँ दोनों के बीच अविश्वास के बीज बो गईं, जिनका असर आज तक है। इसके बाद शीतयुद्ध के काल में यह त्रिकोण वैश्विक शक्ति-संघर्ष का रणक्षेत्र बन गया। 1979 में सोवियत संघ के अफगानिस्तान प्रवेश के साथ अमेरिका ने पाकिस्तान को "फ्रंटलाइन स्टेट" बनाकर अफगान मुजाहिदीनों को हथियार और प्रशिक्षण दिया। पाकिस्तान की आई.एस.आई. को अमेरिकी डॉलर और सऊदी समर्थन मिला, जिससे आतंकवाद की वह संस्कृति पैदा हुई जिसने पूरे क्षेत्र को झुलसा दिया। भारत, जो सोवियत संघ का घनिष्ठ सहयोगी था, ने उस समय अफगानिस्तान की समाजवादी सरकार का समर्थन किया। इस प्रकार भारत-पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता को एक नया आयाम मिला, और अफगानिस्तान की धरती शीतयुद्ध की प्रयोगशाला बन गई। 1989 में सोवियत सेनाओं की वापसी और उसके बाद की अस्थिरता ने पाकिस्तान को अल्पकालिक सामरिक लाभ तो दिया, पर दीर्घकाल में वही आग उसकी सीमाओं के भीतर फैल गई। 1990 के दशक में अमेरिका के समर्थन से पनपा तालिबान शासन पाकिस्तान के प्रभाव में तो आया, पर उसने अफगान समाज को मध्ययुगीन अंधकार में धकेल दिया। फिर 2001 में 9/11 के हमलों ने अमेरिका को एक बार फिर अफगानिस्तान खींच लिया। अमेरिका ने तालिबान शासन को समाप्त कर लोकतांत्रिक सरकार स्थापित की, और इस बार भारत को पुनर्निर्माण में सहयोग का अवसर मिला। भारत ने अफगानिस्तान में सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों, और संसद भवन का निर्माण कर वहाँ के जनमानस में विश्वास अर्जित किया। यह भारत की सॉफ्ट पावर का सबसे प्रभावी प्रदर्शन था। परंतु अमेरिकी नीति दोधारी तलवार साबित हुई। वह विकास के बजाय आतंकवाद को समाप्त करने पर केंद्रित रही, और उसकी दृष्टि अफगान समाज की आंतरिक संरचना को समझने में असफल रही। पाकिस्तान ने अमेरिका को सहयोगी बनाकर अरबों डॉलर प्राप्त किए, पर उसी दौरान उसने तालिबान को भी गुप्त समर्थन दिया। यह द्वंद्व 2021 में अमेरिकी वापसी के साथ उजागर हो गया, जब तालिबान पुनः सत्ता में लौट आया।

अमेरिका की यह वापसी न केवल अफगानिस्तान के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए अनिश्चितता की वापसी थी। पाकिस्तान को लगा था कि नया तालिबान शासन उसके अनुकूल होगा, पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बढ़ते हमलों ने उसकी नीति को उलझन में डाल दिया। अब पाकिस्तान उसी आतंकवाद का शिकार है, जिसे उसने कभी रणनीतिक संपत्ति कहा था। भारत ने इस दौर में अत्यंत संयम और व्यावहारिकता दिखाई। उसने तालिबान शासन को औपचारिक मान्यता नहीं दी, पर मानवीय सहायता जारी रखी। भारत जानता है कि अफगानिस्तान की अस्थिरता का सीधा प्रभाव उसकी सुरक्षा पर पड़ेगा—विशेषतः कश्मीर और सीमा पार आतंकवाद के रूप में। इस परिस्थिति में भारत का उद्देश्य विकास और स्थायित्व को प्राथमिकता देना है, न कि सत्ता परिवर्तन में हस्तक्षेप करना। दूसरी ओर, अमेरिका अब प्रत्यक्ष उपस्थिति के बजाय 'नियंत्रित अस्थिरता' की नीति अपनाए हुए है ताकि वह चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव को सीमित रख सके।

उत्तराखंड में गुप्त रूप से क्यों विराजमान हैं भोलेनाथ? पौराणिक कथा

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में बसा गुप्तकाशी एक ऐसा तीर्थस्थल है, जो रहस्यों और भक्ति दोनों से भरा हुआ है। गुप्तकाशी का संबंध पौराणिक कथाओं और आध्यात्मिक परंपराओं में निहित है, इस जगह को छिपी हुई काशी भी कहा जाता है। यह स्थान पांडवों द्वारा भगवान शिव से माफी मांगने की कहानी के कारण बेहद महत्वपूर्ण तीर्थस्थल बना हुआ है। समुद्र तल से करीब 1,319 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान अपने नाम की तरह ही गुप्त रहस्यों को समेटे हुए है। यहां स्थित विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव का वह धाम है, जहां वे स्वयं गुप्त रूप में विराजमान हैं। आइए जानते हैं आखिर उत्तराखंड में भोलेनाथ गुप्त रूप से क्यों विराजमान हैं...

इसलिए पड़ा गुप्तकाशी नाम

पौराणिक कथा के अनुसार, महाभारत युद्ध के बाद जब पांडव अपने पापों से मुक्ति पाने के लिए भगवान शिव की शरण में आए, तो शिव उनसे रुष्ट होकर हिमालय के इस क्षेत्र में छिप गए। पांडवों ने बहुत तपस्या की, लेकिन भगवान शिव गुप्त ही रहे। यही कारण है कि इस जगह का नाम गुप्तकाशी पड़ा। हालांकि, बाद में शिवजी केदारनाथ में प्रकट हुए, लेकिन उनकी इस लीला ने गुप्तकाशी को पवित्र बना दिया।

प्रेम कथा का एक अहम हिस्सा गुप्तकाशी

यही नहीं, गुप्तकाशी भगवान शिव और माता पार्वती की प्रेम कथा का भी एक अहम हिस्सा है। मान्यता है कि यहीं मां पार्वती ने भगवान शिव को विवाह का प्रस्ताव दिया था। वर्षों की कठोर तपस्या के बाद जब पार्वती ने शिव का हृदय जीता, तब गुप्तकाशी में ही उनके विवाह की बात तय हुई। बाद में उनका विवाह त्रियुगी नारायण मंदिर में संपन्न हुआ, लेकिन उस दिव्य मिलन की शुरुआत यहीं हुई थी। इसलिए यह स्थान उन श्रद्धालुओं के लिए खास है जो वैवाहिक सुख, प्रेम और एकता की कामना करते हैं।

वातावरण और भक्ति का माहौल पवित्र

मंदिर की बनावट भी अद्भुत है। पत्थरों से बना यह प्राचीन मंदिर नागर शैली की झलक दिखाता है। गर्भगृह में स्थित शिवलिंग अत्यंत प्राचीन है और यहां की अर्धनारीश्वर मूर्ति शिव और शक्ति के संतुलन की प्रतीक मानी जाती है। मंदिर के सामने दो पवित्र धाराएं गंगा और यमुना बहती हैं, जिनका जल बेहद शुद्ध और पवित्र माना जाता है। यहां एक अक्षय दीपक भी सदैव जलता रहता है, जिसे भगवान शिव की अनंत उपस्थिति का प्रतीक माना जाता है। कहा जाता है कि केदारनाथ की यात्रा तब तक पूर्ण नहीं मानी जाती जब तक भक्त गुप्तकाशी के विश्वनाथ मंदिर में दर्शन न करें। यहां की ऊर्जा, वातावरण और भक्ति का माहौल इतना पवित्र है कि यहां आने वाले हर भक्त के मन को शांति और आत्मिक सुकून की अनुभूति होती है।

मार्गशीर्ष महीना शुरू, जानिए कौन से दान बदल देंगे आपकी किस्मत

सनातन धर्म में मार्गशीर्ष मास जिसे अगहन मास भी कहते हैं का अत्यधिक महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह नौवां महीना होता है और इस मास को साक्षात भगवान श्री कृष्ण का स्वरूप माना गया है। इस पूरे माह भगवान विष्णु, श्री कृष्ण और माँ लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विशेष विधान है। माना जाता है कि मार्गशीर्ष मास में पवित्र नदियों में स्नान, ध्यान, पूजा और दान-पुण्य करने से व्यक्ति के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है, जिससे उसके जीवन के बिगड़े हुए काम भी बनने लगते हैं। मार्गशीर्ष माह में दान का विशेष महत्व है। ज्योतिष और धर्म ग्रंथों के अनुसार, कुछ विशेष वस्तुओं का दान इस माह में करने से भगवान कृष्ण और देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य आता है।

तिल का दान

मार्गशीर्ष माह में तिल का दान करना पितरों को प्रसन्न करने और शनि दोष को दूर करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। तिल का दान करने से शनिदेव की कृपा बनी रहती है और कुंडली में शनि से संबंधित दोष कम होते हैं। यह दान नकारात्मक ऊर्जा को घर से दूर रखने और पितृ शांत रहने में भी मदद करता है।

गुड़ का दान

गुड़ को ज्योतिष में सूर्य ग्रह का प्रतिनिधि माना जाता है, जो भाग्य और सफलता का कारक है। यदि किसी व्यक्ति को जीवन में सफलता प्राप्ति में बाधा आ रही है या भाग्य साथ नहीं दे रहा है, तो मार्गशीर्ष माह में गुड़ का दान करने से सूर्य की कृपा प्राप्त होती है। गुड़ का दान करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है और अटके हुए काम बनने लगते हैं।

मेवा का दान

ज्योतिष के अनुसार, मेवा शुक्र ग्रह को मजबूत करने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं, जो सुख, समृद्धि और भौतिक सुखों का कारक है। मार्गशीर्ष माह में मेवे का दान करने से कुंडली में शुक्र की स्थिति शुभता प्रदान करती है। यह दान घर में सुख-समृद्धि का वास सुनिश्चित करता है और जीवन को ऐश्वर्यपूर्ण बनाता है।

बांसुरी का दान

भगवान श्री कृष्ण को बांसुरी अत्यंत प्रिय है। मार्गशीर्ष मास श्री कृष्ण को समर्पित है। इस माह में किसी मंदिर में या किसी बालक को बांसुरी का दान करने से भगवान कृष्ण अति प्रसन्न होते हैं। मान्यता है कि बांसुरी का दान और इसे घर पर रखना वास्तु दोषों को दूर करता है और सुख एवं सौभाग्य में वृद्धि करता है।

सफेद वस्तुओं का दान

मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि पर दान का विशेष महत्व है। इस दिन चंद्र दोष को समाप्त करने के लिए सफेद वस्तुओं का दान किया जाता है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन दूध, चावल, दही, सफेद वस्त्र या चीनी जैसी सफेद चीजों का दान करने से चंद्र दोष शांत होता है और मानसिक शांति मिलती है।

अन्न और वस्त्र का दान

मार्गशीर्ष मास के दौरान अन्न दान को महादान की श्रेणी में रखा गया है। इस महीने में गरीब, जरूरतमंद और ब्राह्मणों को अन्न का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि अन्न दान से घर में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती और देवी अन्नपूर्णा की कृपा बनी रहती है। चूंकि यह महीना शीत ऋतु के मध्य आता है इसलिए जरूरतमंदों को गर्म वस्त्र, ऊनी कपड़े और कम्बल दान करने का विशेष महत्व है। यह दान न केवल पुण्य दिलाता है, बल्कि व्यक्ति के जीवन में सुख और शांति भी लाता है

पत्नी के एक श्राप की वजह से ब्रह्माजी की नहीं होती है पूजा

ब्रह्मा, विष्णु और महेश, जिनको त्रिदेव कहा जाता है। इन त्रिदेवों को सृष्टि का निर्माता, सृष्टि के पालनकर्ता और सृष्टि के संहारक माना गया है। लेकिन अक्सर लोगों के मन में यह सवाल आता है कि विष्णुजी और शिवजी के तो देश-विदेश में कई मंदिर हैं और लोग घर में भी उनकी पूजा करते हैं, जबकि ब्रह्मा जी की पूजा लगभग कभी नहीं होती। उनका पूरे विश्व में केवल एक ही मंदिर है, जो पुष्कर में स्थित है। इस मंदिर का वर्तमान स्वरूप 14वीं शताब्दी में बना था और यहां चतुर्मुखी ब्रह्मा की मूर्ति स्थित है। मंदिर संगमरमर से बना है, जिसमें लाल शिखर मौजूद है। आइए जानते हैं आखिर पूरी सृष्टि में केवल पुष्कर में ही ब्रह्मा जी का मंदिर क्यों है...

यह है पौराणिक कथा

पुराणों के अनुसार, इसका कारण देवी सावित्री का दिया हुआ श्राप है। कहा जाता है कि एक बार ब्रह्माजी अपने हाथ में कमल का फूल लिए हुए अपने वाहन हंस पर सवार होकर यज्ञ के लिए जगह तलाश रहे थे। इसी दौरान उनका कमल का फूल हाथ से गिर गया और उस जगह पर तीन झरने बन गए। इन्हें ब्रह्म पुष्कर, विष्णु पुष्कर और शिव पुष्कर के नाम से जाना गया। ब्रह्माजी ने यही यज्ञ करने का निर्णय लिया, लेकिन यज्ञ में उनकी पत्नी का होना जरूरी था।

ब्रह्माजी को दे दिया श्राप

उस समय देवी सावित्री वहां नहीं थीं और शुभ मुहूर्त निकल रहा था, इसलिए ब्रह्माजी ने उसी समय वहां मौजूद एक सुंदर स्त्री से विवाह कर यज्ञ संपन्न कर लिया। जब यह बात देवी सावित्री को पता चली, तो वे बहुत नाराज हुईं और उन्होंने ब्रह्माजी को श्राप दे दिया कि पूरी सृष्टि में उनकी पूजा नहीं की जाएगी।

पुष्कर की पहाड़ियों पर चली गई देवी सावित्री

यही वजह है कि ब्रह्माजी का एकमात्र मंदिर पुष्कर में है। इसके बाद ब्रह्माजी ने यहीं दस हजार साल तक रहकर सृष्टि की रचना की और पांच दिनों तक यज्ञ किया। यहीं तपस्या के दौरान सावित्री देवी वहां पहुंचीं और उनकी नाराजगी शांत हुई। श्रद्धालु आज भी ब्रह्माजी से दूर से ही प्रार्थना करते हैं। कहा जाता है कि श्राप की वजह से पूरी दुनिया में ब्रह्मा की पूजा नहीं होती। वहीं, देवी सावित्री तपस्या के लिए पुष्कर की पहाड़ियों पर चली गईं और आज भी वहां मंदिर में विराजमान हैं। वे भक्तों का कल्याण करती हैं और उनकी कृपा से ही श्रद्धालु लाभ पाते हैं।

घर में शिवलिंग स्थापित कर रहे हैं तो जानें कौन-सी दिशा है सबसे शुभ

भगवान शिव की मूर्ति या शिवलिंग को घर में स्थापित करना न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यह घर में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और समृद्धि भी लाता है। लेकिन केवल स्थापना करना ही काफी नहीं है, सही दिशा और वास्तु नियमों का पालन करना भी बहुत जरूरी है। इससे शिवलिंग की ऊर्जा घर में पूरी तरह से प्रभावी होती है और परिवार के सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। यदि आप घर में शिवलिंग ला रहे हैं, तो यह जानना जरूरी है कि कौन-सी दिशा और कौन-से नियम इसे अधिक शुभ बनाते हैं।

शिवलिंग की शुभ दिशा

उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण)

शिवलिंग की स्थापना के लिए सबसे उत्तम स्थान उत्तर-पूर्व दिशा माना जाता है। यह दिशा ईश्वर की ऊर्जा और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक होती है।

पूर्व या उत्तर दिशा

यदि उत्तर-पूर्व दिशा संभव न हो, तो आप पूर्व या उत्तर दिशा में भी शिवलिंग स्थापित कर सकते हैं। यह मानसिक शांति और सकारात्मक वातावरण के लिए लाभकारी है।

शिवलिंग स्थापना का समय और तैयारी

शिवलिंग की स्थापना के लिए सोमवार या कोई शुभ दिन चुना जाता है।

फिर स्थापना से पहले स्थान को साफ-सुथरा रखें और हल्का पवित्र जल छिड़कें।

घर के अन्य देवताओं के स्थान के अनुसार भी ध्यान दें, ताकि ऊर्जा प्रवाह में बाधा न आए।

शिवलिंग को स्थापित करने के नियम

घर में शिवलिंग स्थापित करते समय वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ विशेष बातें ध्यान में रखनी चाहिए। सबसे पहले, शिवलिंग को उत्तर-पूर्व दिशा में रखना सबसे शुभ माना जाता है। शिवलिंग के नीचे हमेशा योनि या आधार भाग होना चाहिए, जिससे शक्ति का प्रवाह सही तरीके से हो। साथ ही, यदि शिवलिंग में जलधारी है, तो उसका मुख उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। रोज सुबह शिवलिंग पर गंगाजल, दूध और बेलपत्र अर्पित करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और वातावरण शुद्ध रहता है।

कैसे एक रईस मित्र को अरस्तु ने सिखाई असली शान की पहचान

यूनान के प्रसिद्ध दार्शनिक अरस्तु सादगी से रहना पसंद करते थे। उनके कुछ धनी मित्र अपनी रईसी अपने व्यवहार में भी दिखाते थे। उनके एक धनी मित्र कहीं जाते तो उनका नौकर उनके लिए चांदी के बर्तन साथ लेकर चलता था ताकि वह अपना खाना उसी में खाएं। अरस्तू को यह बात अच्छी नहीं लगती थी, लेकिन वह मित्र का दिल नहीं दुखाना चाहते थे।

एक दिन अरस्तू ने तय किया कि वह अपने मित्र की आदतों को सुधार कर रहेंगे। उन्होंने उसे खाने पर आमंत्रित किया। हमेशा की तरह उनके मित्र अपने नौकर के साथ पहुंचे। नौकर साथ में चांदी के बर्तन लेकर आया था। जैसे ही अरस्तू के मित्र उनके घर पहुंचे, अरस्तु उन्हें वहां मौजूद बाकी के लोगों के बीच ले गए।

जब तक उनके मित्र कुछ समझ पाते, तब तक उनके सामने थाली में खाना परोस दिया। बाकी लोगों के सामने भी थाली में खाना रखा था। तब उनके रईस मित्र संकोच में पड़ गए। उन्होंने नौकर को आवाज देनी चाही, लेकिन तब तक सब लोग खाने लगे और उनसे भी खाने का अनुरोध करने लगे। बेचारे को उनके साथ साधारण थाली में खाना पड़ा। खाने के बाद जैसे ही वह उठे, अरस्तू उनके बर्तनों में व्यंजन लेकर उनके सामने हाजिर हुए। हंसते हुए अरस्तू ने उनसे कहा, "क्षमा करें। थोड़ी गलतफहमी हो गई।जब आपके नौकर को घर की महिलाओं ने आपके बर्तन लेकर आते देखा, तो उन्हें लगा कि शायद आप अपने बच्चों के लिए भी खाना लेकर जाना चाहते हैं। उन्होंने इसमें खाना दे दिया है।" इस बात पर मित्र लज्जित होकर चले गए। उन्हें गलती का अहसास हो गया, फिर उन्होंने रईसी का भोंडा प्रदर्शन करना छोड़ दिया।

नियमित दिनचर्या सफलता, स्वास्थ्य, सुख की कुंजी है

हम मनुष्यों के पास ऊर्जा के पांच स्रोत होते हैं। परमात्मा, मां, पिता, गुरु- ये चार सदैव कृपा बरसाते ही रहते हैं। हमारी योग्यता हो या ना हो, पर ये चारों वन-वे ट्रैफिक की तरह कृपावंत बने रहते हैं। इनकी बरसती कृपा का भी हम सदुपयोग ना कर पाएं, यह हमारा दुर्भाग्य है।

अब पांचवां स्रोत है- हमारी दिनचर्या। इन दिनों इसे लेकर अत्यधिक गंभीर होना ही पड़ेगा। हमारे पास जीविका के जो साधन आजकल उपलब्ध हैं, उन्होंने सबसे ज्यादा प्रहार हमारी दिनचर्या पर किया है। अब किसी एक को क्या दुश्मन मानें। सबसे पहला दुश्मन लोगों को मोबाइल ही दिखता है।

बेचारा मित्र बन कर आया और शत्रु होकर रह गया। अब इसमें डिजिटल माध्यम का उतना दोष नहीं है, जितना हमारे विवेक का है। अपनी दिनचर्या को प्रकृति की क्लॉक से जोड़िए। ज्यादातर लोगों का बॉडी क्लॉक, प्रकृति के समयचक्र से विपरीत हो गया है। इसलिए हमारी दिनचर्या सुविधा का नहीं, संकल्प का विषय होना चाहिए। नियमित दिनचर्या सफलता, स्वास्थ्य और सुख की कुंजी है।

राम गोपाल वर्मा ने साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी से मांगी माफी, 'शिवा' के री-रिलीज से पहले पोस्ट हुआ वायरल

भारतीय सिनेमा में कई ऐसी फिल्में हैं जिन्हें कल्ट क्लासिक माना जाता है। इन्हीं फिल्मों में से एक है राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित 'शिवा'। 1989 में रिलीज हुई इस फिल्म ने न सिर्फ तेलुगु सिनेमा में नए युग की शुरुआत की, बल्कि निर्देशक वर्मा को भी रातों-रात स्टार बना दिया था। अब इसी फिल्म को फिर से रिलीज किया जा रहा है लेकिन उससे पहले निर्देशक ने चिरंजीवी से माफी मांगी है।

री-रिलीज से पहले राम गोपाल वर्मा का भावुक संदेश

14 नवंबर को 'शिवा' के भव्य री-रिलीज की घोषणा के बीच राम गोपाल वर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें मेगास्टार चिरंजीवी फिल्म के बारे में बात कर रहे थे। इस वीडियो को शेयर करते हुए वर्मा ने लिखा- 'धन्यवाद चिरंजीवी जी। इस मौके पर मैं आपसे सच्चे मन से माफी मांगता हूं अगर मैंने कभी अनजाने में आपको किसी तरह ठेस पहुंचाई हो। आपकी विशाल हृदयता के लिए धन्यवाद।' यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई।

नागार्जुन ने दी 'शिवा' के ग्रैंड री-रिलीज की जानकारी

फिल्म में 'शिवा' की भूमिका निभाने वाले नागार्जुन अक्किनेनी ने अपने पिता अक्किनेनी नागेश्वर राव के जन्मदिन पर फिल्म की री-रिलीज की घोषणा की। उन्होंने लिखा- 'मेरे पिता के जन्मदिन पर, मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि भारतीय सिनेमा को हिला देने वाली फिल्म एक बार फिर थियेटर्स को हिलाने लौट रही है। शिवा को 14 नवंबर को 4K और डोल्बी साउंड के साथ बड़े पर्दे पर लौट रही है।'

नागार्जुन की इस पोस्ट के बाद तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में उत्साह की लहर दौड़ गई। वहीं, राम गोपाल वर्मा ने मजाकिया अंदाज में रिप्लाई करते हुए लिखा- अरे नागार्जुन, यह बच्चों की फिल्म नहीं है, लेकिन चिल्ड्रन डे पर लौटने से बच्चों जैसी खुशी जरूर मिलेगी।'

'शिवा' – जिसने सिनेमा की परिभाषा बदली

1989 में रिलीज हुई 'शिवा' एक कॉलेज-आधारित एक्शन ड्रामा थी, जो राम गोपाल वर्मा के खुद के इंजीनियरिंग कॉलेज के अनुभवों से प्रेरित थी। फिल्म में नागार्जुन और अमला अक्किनेनी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके साथ ही रघुवरन, कोटा श्रीनिवास राव, मुरली मोहन और गोल्लापुडी मारुति राव जैसे दिग्गज कलाकारों ने फिल्म को गहराई दी। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी एस. गोपाल रेड्डी ने की थी और संगीत दिया था इलैयाराजा ने।

फिल्म के दमदार बैकग्राउंड म्यूज़िक और यथार्थवादी एक्शन सीक्वेंस ने उस दौर में सिनेमाघरों में नया जोश भर दिया था। तेलुगु वर्जन 'शिवा' और तमिल वर्जन 'उदयम' दोनों ने ही रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। यही कारण है कि इस फिल्म को आज भी कल्ट क्लासिक कहा जाता है।

अनुपमा परमेश्वरन ने साइबर क्राइम में दर्ज कराई शिकायत

परेशान करने वाले शख्स के बारे में जानकर चौंकी

एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साउथ एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन ने बताया कि वह लंबे समय से साइबर बुलिंग से परेशानी थीं। इंस्टाग्राम पोस्ट में एक्ट्रेस ने विस्तार से सारी बात साझा की। साइबर बुलिंग करने वाले शख्स के बारे में जब अनुपमा को पता चला तो वह चौंक गईं।

अनुपमा और परिवार के बारे में फैलाई गलत बात

अनुपमा ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट साझा की। जिसमें वह लिखते हैं, 'कुछ दिन पहले मुझे पता चला कि एक इंस्टाग्राम प्रोफाइल मेरे और परिवार के बारे में बेहद गलत बातें फैला रहा है।

यहां तक कि मेरे दोस्तों और को-एक्टर्स को भी पोस्ट टैग कर रहा है। इन सभी पोस्ट में मुझ पर गलत आरोप लगाए गए थे। ऑनलाइन इस तरह से किसी को परेशान करना, बहुत गलत और दुखी करने वाली बात है।'

साइबर बुलिंग करने वाली 20 साल की लड़की थी

अनुपमा परमेश्वरन आगे पोस्ट में लिखती हैं, 'मुझे हैरानी तब हुई, जब पता चला कि साइबर बुलिंग करने वाली तमिलनाडु की एक 20 साल की लड़की है।

लड़की की कम उम्र को देखते हुए मैंने उसकी पहचान उजागर न करने का फैसला किया है। मैं उसके फ्यूचर या मेंटल हेल्थ से समझौता नहीं करना चाहती हूं।'

अनुपमा परमेश्वरन ने लोगों को दिया जरूरी मैसेज

आखिर में अपनी पोस्ट में अनुपमा परमेश्वरन लोगों को, फैंस को जरूर मैसेज देती हैं।

उनका कहना है कि लोगों के स्मार्टफोन हैं तो इसका इस्तेमाल समझदारी, जवाबदेही से करना चाहिए। वह सभी को बताती हैं कि साइबर बुलिंग गलत है, साथ ही एक दंडनीय अपराध भी है। अनुपमा परमेश्वरन के करियर फ्रंट की बात करें तो इस साल वह अपनी एक फिल्म 'जानकी वर्सेस स्टेट ऑफ केरल' में नजर आईं। एक और फिल्म 'लॉकडाउन' की वह शूटिंग कर रही हैं।

मलाइका अरोड़ा ने मनाया बेटे अरहान का 23वां जन्मदिन, अरबाज खान ने लुटाया प्यार

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान का तलाक साल 2017 में हुआ, दोनों 19 साल की शादी के बाद अलग हुए। इनका एक बेटा है, जिसका नाम अरहान है। आज अरहान का 23वां जन्मदिन है। इस मौके पर अरबाज और मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बेटे को बर्थ डे विश किया है।

मलाइका ने लिखा- हैप्पी बर्थ डे बेबी ब्वॉय

मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पर अरहान खान का एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे, मेरे बेबी ब्वॉय।' आगे उन्होंने बेटे के 23वें जन्मदिन का जिक्र किया। अरहान की वेकेशन और केक की कुछ फोटो मलाइका अरोड़ा ने शेयर की हैं। मलाइका की पोस्ट पर उनकी बहन और अरहान की मौसी अमृता ने भी हार्ट इमोजी शेयर किया है। अरहान को बर्थ डे वि श किया।

अरबाज खान ने लुटाया बेटे पर प्यार

अरबाज खान ने भी इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए अरहान को जन्मदिन पर विश किया। वह अपनी पोस्ट में कैप्शन लिखते हैं, 'हैप्पी बर्थ डे अरहान। तुम्हें बेस्ट लाइफ के लिए विशेज। मैं तुम्हें सबसे ज्यादा प्यार करता हूं।'

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा का करियर फ्रंट

हॉरर फिल्म 'काल त्रिघोरी' में जल्द ही अरबाज खान नजर आएंगे। यह फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मलाइका अरोड़ा हाल ही में यो यो हनी सिंह के साथ एक गाने 'चिलगम' में नजर आईं। गाने में 52 साल की मलाइका अरोड़ा के डांस मूव्स देखकर फैंस हैरान रह गए।

असफलताओं से हार नहीं मानती किम कार्दशियन

फिर से करेंगी वकील बनने की तैयारी

किम कार्दशियन ने हाल ही में अपनी कैलिफोर्निया बार परीक्षा के परिणाम के बारे में बताया, जिसमें वो असफल हो गई हैं। हालांकि इस हार से वो परेशान नहीं हुई हैं। उन्होंने बताया कि वह पढ़ाई करेंगी और इस परीक्षा को दोबारा देंगी।

'कोई शॉर्टकट नहीं, कोई हार नहीं'

किम कार्दशियन ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट लिखा है। उन्होंने कहा, 'मैं अभी वकील नहीं हूं, बस टीवी पर अच्छे कपड़े पहनकर वकील का किरदार निभाती हूं। इस वकालत के सफर में छह साल हो गए हैं, जब तक मैं बार की परीक्षा पास नहीं कर लेती, मैं पूरी तरह से इसमें लगी हुई हूं। कोई शॉर्टकट नहीं, कोई हार नहीं बस और ज्यादा पढ़ाई और और भी ज्यादा दृढ़ संकल्प की जरूरत है।'

मदद करने वालों का आभार व्यक्त किया

हॉलीवुड अभिनेत्री ने वकील बनने के अपने सफर में साथ देने वालों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'अब तक मेरा साथ देने और मुझे प्रोत्साहित करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। असफल होना असफलता नहीं है, यह एक ऊर्जा की तरह है। मैं परीक्षा पास करने के बहुत करीब थी, और इससे मुझे और भी ज्यादा प्रेरणा मिलती है। चलो चलें।'

गौरी किशन की बॉडी शेमिंग पर भड़के एक्टर सरथ कुमार, बोले- 'महिला से ऐसा सवाल पूछना निंदनीय है'

बीते दिनों तमिल अभिनेत्री गौरी किशन को उनकी आगामी फिल्म 'अदर्स' के प्रमोशन के दौरान बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से सितारों ने इस टिप्पणी का विरोध करते हुए एक्ट्रेस का समर्थन किया। हाल ही में अभिनेता-राजनेता सरथ कुमार ने भी बॉडी शेमिंग टिप्पणी पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे महिलाओं का अपमान बताया।

सरथ कुमार ने कहा- ये महिलाओं का अपमान है

अभिनेता सरथ कुमार ने मीडिया से बात करते हुए एक्ट्रेस गौरी किशन के साथ हाल ही में हुई घटना का विरोध किया। उन्होंने कहा, 'किसी महिला से ऐसा सवाल पूछना निंदनीय और बेईमानी है। किसी भी सभ्य समाज में महिलाओं का सम्मान आवश्यक है, और उन्होंने जो किया है वह पूरी तरह से गलत है।'

क्या है पूरा मामला?

फिल्म 'अदर्स' की प्रेस मीट के दौरान जब एक पत्रकार ने अभिनेत्री गौरी किशन के को-एक्टर आदित्य से पूछा कि उन्होंने फिल्म के एक सीन में गौरी को उठाते वक्त कितनी दिक्कत हुई, तो गौरी किशन ने तुरंत बीच में टोकते हुए कहा 'आपको मेरे वजन से क्या मतलब? यह सवाल मेरी एक्टिंग या फिल्म से जुड़ा नहीं है।' उनकी इस प्रतिक्रिया ने वहां मौजूद सभी को चौंका दिया। गौरी ने बताया कि उस वक्त वहां ज्यादातर पुरुष पत्रकार मौजूद थे और जब उन्होंने सवाल उठाया तो उन्हें चुप रहने की सलाह दी गई। इसी के बाद इस बात को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है।

अदर्स फिल्म के बारे में

'अदर्स' एक तमिल मेडिकल क्राइम थ्रिलर फिल्म है जो 7 नवंबर, 2025 को रिलीज हुई है, जिसमें आदित्य माधवन और गौरी जी किशन मुख्य भूमिकाओं में हैं। आदित्य माधवन एक पुलिस वाले की भूमिका निभाते हैं, जबकि गौरी जी किशन एक डॉक्टर की भूमिका निभाती हैं। अबिन हरिहरन इस फिल्म के निर्देशक हैं और यह ग्रैंड पिक्चर्स के बैनर तले बनाई गई है।

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' से आर माधवन का पहला लुक हुआ आउट, कुछ इस अंदाज में दिखे एक्टर

रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर' इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने फिल्म का एक और पोस्टर जारी किया है। मेकर्स ने फिल्म से अर्जुन रामपाल के फर्स्ट लुक के बाद अब आर माधवन का लुक भी जारी कर दिया है। इस फर्स्ट लुक में आर माधवन को कर्म के सारथी के रूप में दिखाया गया है।

आर माधवन का 'धुरंधर' लुक

अभिनेता आर माधवन इस फिल्म के पोस्टर में काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। इस लुक में आर माधवन के सिर पर आगे से बाल गायब हैं। इसके अलावा उन्होंने चश्मा पहना हुआ है। उनके पोस्टर को साझा करते हुए लिखा गया है- कर्म का सारथी।

इसी के साथ ही बताया गया है कि फिल्म का ट्रेलर 12 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा 5 दिसंबर को फिल्म रिलीज हो रही है।

पिछले महीने जारी हुआ था टाइटल ट्रैक

पिछले महीने 'धुरंधर' का टाइटल ट्रैक रिलीज किया गया था। इसमें रणवीर सिंह का दमदार अंदाज देखने को मिला था। इससे पहले जुलाई के महीने में फिल्म का फर्स्ट लुक टीजर जारी किया गया था। इसमें पूरी कास्ट की एक झलक देखने को मिली थी।

5 दिसंबर को रिलीज होगी 'धुरंधर'

आदित्य धर द्वारा लिखित और निर्देशित 'धुरंधर' में एक भारी भरकम स्टारकास्ट नजर आने वाली है। इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, आर माधवन और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा कुछ तो सामने नहीं आया है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि यह एक स्पाई-थ्रिलर एक्शन फिल्म होगी।

अनुष्का शंकर को ग्रैमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिलने पर प्रियंका चोपड़ा ने दी बधाई, पोस्ट साझा कर लिखा- शानदार

संगीत जगत के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक ग्रैमी अवॉर्ड्स के 68वें समारोह के नामांकित कलाकारों का एलान हो चुका है। ग्यारह बार की ग्रैमी-नामांकित सितारवादक और संगीतकार अनुष्का शंकर को साल 2026 के ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए दो नामांकन मिले हैं। इस खुशी के मौके पर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने पोस्ट साझा कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। जानिए उन्होंने क्या कहा।

प्रियंका चोपड़ा ने अनुष्का शंकर को दी बधाई

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सितारवादक अनुष्का शंकर का वीडियो साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'बहुत शानदार, बधाई हो।'

अनुष्का शंकर ने साझा की खुशी

68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिलने पर अनुष्का शंकर ने खुशी जाहिर करते हुए एक वीडियो साझा किया है। इसमें उन्होंने कहा,

'आज का दिन विरोधाभासों से भरा है। भयानक माइग्रेन के दौरान दोपहर में मुझे अपने 12वें और 13वें ग्रैमी नामांकन की खबर मिली। मेरे 'चैप्टर III: वी रिटर्न टू लाइट' को सर्वश्रेष्ठ वैश्विक एल्बम और 'डेब्रेक' को सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत प्रदर्शन के लिए नामांकित किए जाने पर बेहद आभारी हूं। यह बहुत सुख देने वाला पल है।'

इन दिग्गजों को भी मिला है नामांकन

अनुष्का शंकर के अलावा संगीतकार सिद्धांत भाटिया, शक्ति और पियानो वादक एवं संगीतकार चारू सूरी को भारतीय संगीत में उनके योगदान के लिए ग्रैमी अवॉर्ड 2026 में नामांकन प्राप्त हुआ है। सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत एल्बम श्रेणी में अपनी छाप छोड़ने वाले भारतीय संगीतकार में सिद्धांत भाटिया भी शामिल हैं, जिन्हें कुंभ मेले के ध्वनि परिदृश्य से प्रेरित एक सहयोगात्मक कार्य, साउंड्स ऑफ कुंभ के लिए नॉमिनेशन मिला है।

प्रियंका चोपड़ा का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा इस समय निर्देशक एस.एस. राजामौली की अगली फिल्म 'एसएसएमबी 29' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म एक फॉरेस्ट एडवेंचर ड्रामा बताई जा रही है, जिसमें महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। अभिनेत्री को आखिरी बार हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' में देखा गया था।

बीएसएफ की जम्मू मैराथन में शामिल हुए सुनील शेट्टी कश्मीर में फिल्म बनाने को लेकर दिया बड़ा अपडेट

बीएसएफ की जम्मू मैराथन में प्रतियोगियों का हौसला बढ़ाने के लिए अभिनेता सुनील शेट्टी भी पहुंचे हैं। वह मैराथन इवेंट को लेकर उत्साहित दिखे। साथ ही अभिनेता ने बताया कश्मीर में आने वाले दिनों में फिल्मों की शूटिंग हो सकती है।

हर बार जम्मू मैराथन में शामिल होंगे सुनील शेट्टी

सुनील ने कहा, 'लोग मुझे फिल्म 'बॉर्डर' में निभाए भैरों सिंह (आर्मी ऑफिसर) के किरदार की वजह से पहचानते हैं। यह जम्मू में मेरी पहली मैराथन है। उम्मीद है कि आगे भी कई मैराथन होंगी। मेरी कोशिश हर बार आने की रहेगी।' अभिनेता ने बीएसएफ के साहस, देश की सीमाओं की रक्षा में उनके योगदान को भी सराहा।

कश्मीर में होगी जल्द शूटिंग

आगे सुनील शेट्टी कहते हैं, 'कश्मीर में हुई मैराथन में भी में गया हूं। जल्द ही विक्रम राजदान, शब्बीर बॉक्सवाला और एक दोस्त बिनॉय गांधी हैं, जो इसी साल कश्मीर में फिल्मों की शूटिंग शुरू करेंगे। ये फिल्में आने वाली गर्मियों में पूरी भी हो जाएंगी। हमें उम्मीद है कि हमारा कश्मीर और जम्मू पहले जैसा हो जाएगा।' बताते चलें कि पहलगाम में इस साल की शुरुआत में आंतकी हमला हुआ, इसमें आम नागरिक मारे गए। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की कार्यवाही पाकिस्तानी आंतकी ठिकानों पर भारत ने की।

सुनील शेट्टी की आने वाली फिल्में

कुछ वक्त पहले सुनील शेट्टी की एक फिल्म 'केसरी वीर' रिलीज हुई थी, इसमें उन्होंने एक योद्धा का रोल किया था। जल्द ही 'हेरा फेरी 3' में सुनील शेट्टी नजर आ सकते हैं। इसके अलावा वह एक फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में दिखेंगे।

इन नौकरियों पर मंडरा रहा है एआई का खतरा सिर्फ कुछ स्किल्स सीखकर बचा सकते हैं जॉब

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस धीरे-धीरे हमारी जिंदगी और कामकाज का अहम हिस्सा बनता जा रहा है. चैटबॉट से लेकर ऑटोमेशन टूल्स तक.. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानों का काम आसान बना रहा है, लेकिन साथ ही एक बड़ा डर भी पैदा कर रहा है- नौकरी छिनने का खतरा. दुनिया की कई बड़ी कंपनियां पहले ही ऐसे सॉफ्टवेयर और मशीनें इस्तेमाल करने लगी हैं, जो इंसानी दिमाग और मेहनत, दोनों की जगह ले सकती हैं. ऐसे में यह सवाल उठना वाजिब है कि कौन-सी नौकरियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी.

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले 5-10 सालों में लाखों नौकरियों का नेचर बदल जाएगा. कुछ प्रोफेशन पूरी तरह खत्म हो सकते हैं तो कुछ में इंसानों की भूमिका बहुत सीमित हो जाएगी. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि एआई इंसानों को पूरी तरह रिप्लेस कर देगा. यहां असल चुनौती खुद को नए दौर के हिसाब से अपडेट करने की है. अगर आप नई स्किल्स सीखते रहेंगे और टेक्नोलॉजी के साथ तालमेल बिठा लेंगे तो न सिर्फ नौकरी बचा पाएंगे, बल्कि करियर में ग्रोथ भी हासिल कर सकते हैं.

नौकरी कैसे बचाएं?

अगर आप करियर में एआई की एंट्री से घबरा रहे हैं तो जान लीजिए किन 5 सेक्टर्स में उसकी सबसे ज्यादा बढ़त हो सकती है. अगर आप इनमें से किसी भी सेक्टर में नौकरी करते हैं तो कुछ जरूरी स्किल्स सीखकर अपनी जॉब सिक्योर करने में जुट जाइए.

डेटा एंट्री ऑपरेटर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-Enabled सॉफ्टवेयर और ऑटोमेशन टूल्स पहले से ही डेटा को प्रोसेस करने में इंसानों से तेज और ज्यादा सटीक हैं. बड़ी कंपनियां अब बेसिक एंट्री लेवल काम के लिए मशीनों पर भरोसा करने लगी हैं.

बचाव कैसे?

डेटा एंट्री के साथ-साथ डेटा एनालिसिस और डेटा विजुअलाइजेशन सीख लें. अगर आप सिर्फ डेटा डालने के बजाय उससे इनसाइट निकालना सीख लेंगे तो आपकी वैल्यू बढ़ जाएगी.

कस्टमर सपोर्ट

चैटबॉट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-पावर्ड वॉइस असिस्टेंट 24×7 बिना थके ग्राहकों की समस्या सुलझा सकते हैं. कंपनियों के लिए यह सिस्टम किफायती यानी कॉस्ट इफेक्टिव भी है. सिर्फ बेसिक कॉल हैंडलिंग के बजाय कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट और इमोशनल इंटेलिजेंस पर फोकस करें. कॉम्प्लेक्स मामलों में मानवीय हस्तक्षेप की जरूरत हमेशा रहेगी.

कंटेंट राइटिंग और जर्नलिज्म

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब आर्टिकल, न्यूज रिपोर्ट और सोशल मीडिया पोस्ट तक लिख रहा है. यह तेजी से बड़ी मात्रा में कंटेंट तैयार कर सकता है.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कंटेंट से खुद को अलग दिखाने के लिए क्रिएटिव राइटिंग, इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज्म और स्टोरीटेलिंग स्किल्स पर फोकस करें. मशीनें अभी भी इंसानों की भावनाएं और नजरिया कॉपी नहीं कर सकती हैं.

मैन्युफैक्चरिंग और फैक्ट्री जॉब्स

खतरा क्यों?

रोबोटिक मशीन्स प्रोडक्शन लाइन पर इंसानों से तेज और बिना गलती के काम कर सकती हैं. इससे लाखों फैक्ट्री वर्कर्स की नौकरी पर असर पड़ सकता है.

बचाव कैसे?

मशीन ऑपरेशन, रिपेयरिंग और क्वॉलिटी कंट्रोल की ट्रेनिंग लें. फैक्ट्री में मशीन काम तो कर सकती है लेकिन उनकी देखरेख इंसानों को ही करनी होगी.

अकाउंटिंग और बेसिक फाइनेंस जॉब्स

खतरा क्यों?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ड टूल्स बिलिंग, टैक्स कैलकुलेशन और अकाउंट मैनेजमेंट जैसे मामलों में इंसानों से तेज साबित हो रहे हैं.

बचाव कैसे?

सिर्फ बेसिक लेडजर खाता रखने के बजाय फाइनेंशियल प्लानिंग, टैक्स कंसल्टेंसी और बिजनेस स्ट्रैटेजी जैसी एडवांस स्किल्स सीखें.

पहले जैसी नहीं रहीं डेटा एंट्री वाली नौकरियां बदल रहा काम करने का तरीका

2025 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ तकनीक या सॉफ्टवेयर तक सीमित नहीं, हर तरह के काम करने के तरीके बदल रहा है। खासकर डेटा एंट्री जैसी रिपिटिटिव टास्क वाली जॉब्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का असर सबसे ज्यादा दिख रहा है। कई लोगों को डर है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उनके काम छीन लेगा, लेकिन असल में यह डर जरा एकतरफा है। क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ पुरानी नौकरियां खत्म नहीं कर रहा, बल्कि नई नौकरियों और अवसरों के दरवाजे भी खोल रहा है।

वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम की रिपोर्ट के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन की वजह से करीब 85 मिलियन (8.5 करोड़) नौकरियां खत्म हो सकती हैं। लेकिन इसी दौरान करीब 97 मिलियन (9.7 करोड़) नई नौकरियां भी पैदा होंगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी जैसे OCR (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन), RPA (रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन) और चैटबॉट्स अब मिनटों में वही काम कर सकते हैं जिनमें पहले घंटों लगते थे। इसका मतलब यह नहीं कि डेटा एंट्री ऑपरेटर की जरूरत पूरी तरह खत्म हो जाएगी। लेकिन हां, अब उन्हें स्मार्ट टूल्स के साथ काम करना, सिस्टम मॉनिटर करना,

एरर सुधारना और डेटा एनालिसिस करना सीखना होगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ काम, मुकाबला नहीं

आज के वर्कप्लेस में बजाय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से टकराने के, इसे सहयोगी मानना ज्यादा फायदेमंद है। Microsoft Copilot, ChatGPT और Notion आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे टूल्स प्रोफेशनल्स को ईमेल लिखने, डेटा एनालिसिस और रिपोर्ट बनाने में मदद कर रहे हैं। फोर्ब्स की रिपोर्ट बताती है कि लगभग 80% कर्मचारी जिनके पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स थे, उनकी प्रोडक्टिविटी बढ़ी है।

अपस्किलिंग जरूरी है

तकनीक इतनी तेजी से बदल रही है कि सीखना सिर्फ विकल्प नहीं, जरूरत बन गया है। Amazon, Google जैसी बड़ी कंपनियां भी अपने कर्मचारियों को नई स्किल्स सिखाने में अरबों डॉलर निवेश कर रही हैं। सही स्किल्स सीखकर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ काम करके आप अपने करियर को सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। इसकी शुरुआत करें NBT Upskill आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस करियर ग्रोथ वर्कशॉप के साथ। रजिस्ट्रेशन चल रहे हैं।

सबसे ज्यादा प्रभावित सेक्टर्स

डेटा एंट्री के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग और एडमिनिस्ट्रेटिव रोल्स भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चपेट में हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि जिन इंडस्ट्रीज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है, वहां कर्मचारियों की परफॉर्मेंस और कमाई में तीन गुना तक बढ़ोतरी देखी जा रही है।

डेटा साइंस, डिजिटल मार्केटिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एथिक्स जैसी फील्ड्स में मांग तेजी से बढ़ रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ट्रेनर, एल्गोरिद्म ऑडिटर और डेटा लेबलर जैसी नई भूमिकाओं के लिए बुनियादी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नॉलेज और टेक्निकल स्किल्स जरूरी हो गए हैं।

नौकरी ढूंढने का स्मार्ट तरीका

एआई को बनाया ब्रह्मास्त्र, 2 महीने में 7 कंपनियों से मिला नौकरी का ऑफर

दुनियाभर में चर्चा आम है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से

लाखों नौकरियां चली जाएंगी. इसी बीच बेंगलुरु के एक टेक प्रोफेशनल ने इस पर जबरदस्त पलटवार किया है. अमर सौरभ (मेटा और टिकटॉक में प्रोडक्ट मैनेजर रह चुके हैं) ने नौकरी की तलाश को सुपरचार्ज करने के लिए सीधे एआई को ही अपना 'जॉब कंसल्टेंट' बना लिया. उन्होंने ChatGPT को इस तरह से 'ट्रेन' किया कि रिजल्ट देखकर सब हैरान हैं. इस अनोखी स्ट्रैटेजी ने उन्हें PayPal, Reddit और Intuit जैसी कंपनियों तक पहुंचा दिया!

अमर सौरभ ने महसूस किया कि सामान्य ChatGPT अक्सर जेनरिक और मिक्स-अप जवाब देता था क्योंकि वह उससे खाना बनाने की रेसिपी से लेकर ट्रैवल प्लान तक, सब पूछ रहे थे. अमर ने इस समस्या का समाधान निकालने के लिए 1600 रुपये महीने वाले 'कस्टम GPT' का इस्तेमाल किया. उन्होंने इसका नाम रखा 'PM Job Search Advisor'. इसमें रिज्यूमे, लिंक्डइन प्रोफाइल और प्रोजेक्ट नोट्स का 'सारा ज्ञान' भर दिया. करीब 1.5 घंटे की 'ट्रेनिंग' के बाद यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल केवल चैटबॉट नहीं रहा, बल्कि उनका निजी भर्ती सलाहकार बन गया.

नौकरी ढूंढने का स्मार्ट तरीका

इस 'स्मार्ट वर्क' का नतीजा यह हुआ कि बिना आवेदन की संख्या बढ़ाए उन्हें रिक्रूटर्स से रिस्पॉन्स मिलने लगे. आखिर में उन्होंने PayPal में लीड प्रोडक्ट मैनेजर के पद पर नौकरी जॉइन कर ली. अमर सौरभ की सफलता का राज उनके 'PM Job Search Advisor' नामक कस्टम जीपीटी में छिपा था. जानिए उन्होंने इसका इस्तेमाल कैसे किया-

पर्सनल आउटरीचः चैटजीपीटी ने संभावित रिक्रूटर्स के लिए पर्सनलाइज्ड लिंक्डइन कनेक्शन रिक्वेस्ट ड्राफ्ट की.

सही संपर्कः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने टार्गेट कंपनियों में सही लोगों की पहचान की, जिनसे संपर्क करना था और उनके ईमेल एड्रेस तक ढूंढ निकाले.

रिज्यूमे ऑप्टिमाइजेशनः हर जॉब डिस्क्रिप्शन के लिए GPT ने रिज्यूमे को रिफाइन किया. इससे वह जॉब के कीवर्ड्स से मेल खाने लगा.

इंटरव्यू की तैयारीः इंटरव्यू की डेट और जॉब डिस्क्रिप्शन डालने पर GPT ने उनके रिज्यूमे से प्रासंगिक अनुभव को हाईलाइट किया और संभावित प्रश्नों का अनुमान लगाया।

ऑनलाइन चोर को पकड़ने में आता है मजा तो करें ये डिप्लोमा कोर्स, होगी लाखों में कमाई

पहले के समय में युवाओं के पास करियर के लिए फिक्स ऑप्शन होते थे. डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, शिक्षक आदि पेशे का काफी क्रेज होता था. वहीं आज के समय में लोग ट्रेडेशिनल करियर को छोड़ अलग-अलग ऑप्शन्स चुन रहे हैं. टेक्नोलॉजी के विकास ने लोगों के सामने करियर के लिए कई ऑप्शन दिए हैं. इन्हीं में से एक है साइबर लॉ. ऐसे युवा जिन्हें साइबर क्राइम जैसे डाटा चोरी, हैकिंग आदि में इंटरेस्ट है और कंप्यूटर की अच्छी जानकारी रखते हों, उनके लिए ये करियर शानदार है.

1 साल का डिप्लोमा कोर्स

ऐसे छात्र जिन्हें साइबर लॉ में इंटरेस्ट है, वे इस विषय में डिप्लोमा डिग्री हासिल करके अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं. ये कोर्स 6 महीने से 1 साल का होता है, जिसमें साइबर लॉ के सिद्धांत, भारत में साइबर अपराध कानून, साइबर स्पेश और ई-कॉमर्स कानून जैसे टॉपिक्स के बारे में सीखाया जाता है. अगर आपको भी ये कोर्स करना है तो इसके बारे में अधिक जानकारी यहां हासिल करें.

साइबर लॉ कोर्स के लिए शैक्षणिक योग्यता

साइंस विषय के साथ किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना जरूरी है.

साइंस विषय के साथ 12वीं और किसी भी विषय में ग्रेजुएट कैंडिडेट्स.

3 साल या 5 साल की लॉ की डिग्री वाले कैंडिडेट्स.

साइबर लॉ में करियर ऑप्शन

लॉ फर्म

सरकारी एजेंसी और पब्लिक विभाग में

असिस्टेंट लेक्चरर

लीगल एडवाइजर

साइबर कंसल्टेंट

साइबर एडवोकेट

कितनी होती है सैलरी?

साइबर लॉ एक्सपर्ट की एवरेज सैलरी 4,00,000 रुपये सालाना से शुरू होती है. वहीं एक्सपीरियंस के साथ सैलरी बढ़ती है. हालांकि, सैलरी इस बात पर निर्भर करती है कि आप किस ब्रांड या कंपनी के लिए काम कर रहे हैं. साथ ही राज्य के आधार पर भी सैलरी में अंतर देखा जा सकता है.

कहां से करें साइबर लॉ में डिप्लोमा?

अखिल भारतीय प्रबंधन अध्ययन संस्थान

भारती विश्वविद्यालय न्यू लॉ कॉलेज)

सरकारी लॉ कॉलेज

एशियन स्कूल ऑफ साइबर लॉज

पीईएस मॉडर्न लॉ कॉलेज

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी

डॉ डीवाई पाटिल लॉ कॉलेज

स्कूल ऑफ लॉ, छत्रपति शिवाजी महाराज विश्वविद्यालय

खास बात ये है कि आप इस कोर्स को ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यम से कर सकते हैं. ऐसे कैंडिडेट्स जिन्होंने कानून की पढ़ाई की है या फिर बीटेक किया और वे साइबर लॉ में स्किल डेवलपमेंट के लिए ये कोर्स करना चाहते हैं, वे कोर्स या अपनी जॉब के साथ ऑनलाइन कोर्स कर सकते हैं.

घर बैठे करनी है कमाई तो सीखें ये शॉर्ट टर्म कोर्सेज

आज के डिजिटल युग में महिलाएं घर बैठे नई-नई स्किल्स सीखकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। कंटेंट राइटिंग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, ईमेल मार्केटिंग जैसे कोर्स न केवल सीखना आसान हैं बल्कि इनसे ऑनलाइन कमाई भी की जा सकती है। आइए, जानते हैं ऐसे कुछ उपयोगी कोर्स के बारे में...

ईमेल मार्केटिंग समन्वयक

इसमें ग्राहकों को ईमेल भेजकर बिजनेस का प्रचार करना होता है। इसमें ईमेल लिस्ट बनाना, सुंदर ईमेल डिजाइन करना और उन्हें भेजने का सही समय तय करना सिखाया जाता है। टूल्स के जरिए यह काम घर से किया जा सकता है। महिलाएं ऑनलाइन या किसी संस्थान से ये स्किल सीख सकती हैं और ई-कॉमर्स, एजुकेशन और सर्विस इंडस्ट्री के क्लाइंट्स के लिए काम कर सकती हैं।

सोशल मीडिया मैनेजर

अगर किसी को फेसबुक, इंस्टाग्राम या ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर काम करने का अनुभव है, तो वह घर बैठे सोशल मीडिया मैनेजर बन सकती हैं। इसमें पोस्ट बनाना, कैप्शन और रील्स तैयार करना, पेज की ग्रोथ शामिल होती है। इसके लिए कैनवा, बफर जैसे टूल्स की मदद ली जा सकती है। कई स्टार्टअप्स और छोटे बिजनेस फ्रीलांस सोशल मीडिया मैनेजर हायर करते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ

इसमें एसईओ, सोशल मीडिया, ईमेल, कंटेंट और विज्ञापन का पूरा ज्ञान शामिल होता है। महिलाएं गूगल, स्किलशॉप, कोर्सेरा से प्रोफेशनल डिजिटल मार्केटिंग कोर्स कर सकती हैं। एकबार सर्टिफिकेट मिल जाने के बाद, महिलाएं क्लाइंट्स से फ्रीलांस प्रोजेक्ट लेकर घर बैठे काम कर सकती हैं। चाहें तो खुद की कोई सर्विस या प्रोडक्ट का ऑनलाइन प्रचार भी कर सकती है।

कंटेंट राइटर

कंटेंट राइटिंग में ब्लॉग, वेबसाइट के लिए आर्टिकल, सोशल मीडिया पोस्ट और प्रोडक्ट डिस्क्रिप्शन लिख सकते हैं। इसमें घर बैठे महिलाएं कोर्सेरा और गूगल जैसी वेबसाइट से ऑनलाइन कोर्स कर सकती हैं।

भारतीय युवाओं में बढ़ रहा उद्यमिता का रुझान, लेकिन पूंजी की कमी बड़ी चुनौती

भारत की यूनिवर्सिटीज में पढ़ने वाले 35% से अधिक छात्रों का मानना है कि अपना वेंचर शुरू करने की कोशिश के दौरान मेंटरशिप की कमी सबसे बड़ी चुनौती है। यह खुलासा बीएमएल मुंजाल यूनिवर्सिटी द्वारा जारी नई रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट का शीर्षक है, "युथ आंत्रप्रेन्योरशिप एंड स्टार्ट-अप गवर्नेंसः गाइडिंग द नेक्स्ट जेनरेशन ऑफ लीडर्स टुवर्ड्स स्टेबिलिटी एंड सक्सेस"।

नई पीढ़ी महत्वाकांक्षी

यह अध्ययन देशभर की यूनिवर्सिटीज के 1,000 छात्रों और 200 उद्योग विशेषज्ञों पर आधारित है, जिनमें फाउंडर्स, CXOs, निवेशक और स्टार्टअप इकोसिस्टम विशेषज्ञ शामिल हैं। रिपोर्ट के निष्कर्ष बताते हैं कि नई पीढ़ी न केवल महत्वाकांक्षी है, बल्कि पारदर्शिता और विश्वास पर आधारित जिम्मेदार उद्यमों का निर्माण करने के लिए उत्सुक भी

है।

छात्रों के सामने मुख्य चुनौतियां

करीब तीन-चौथाई छात्रों ने कहा कि वे भविष्य में अपना वेंचर शुरू करना चाहते हैं, जो बताता है कि उद्यमिता अब एक मुख्यधारा का करियर विकल्प बन चुकी है।

रिपोर्ट के अनुसार,

35% छात्रों ने कहा कि मेंटरशिप की कमी सबसे बड़ी चुनौती है।

24% छात्रों ने कानूनी और वित्तीय मामलों में मार्गदर्शन की कमी बताई।

22% छात्रों ने फंडिंग को लेकर चिंता जताई।

वहीं 13% ने असफलता के डर और 7% ने पढ़ाई और स्टार्टअप के बीच संतुलन की कठिनाई को प्रमुख बाधा माना।

गवर्नेंस बनी स्थिरता की कुंजी

रिपोर्ट में कहा गया है कि गवर्नेंस, जिसे पहले केवल अनुपालन का बोझ माना जाता था, अब स्टार्टअप्स के लिए स्थिरता और स्केलेबिलिटी की कुंजी बन रही है। आधे से अधिक उद्योग विशेषज्ञों ने गवर्नेंस को ग्रोथ का इंजन बताया, जबकि 33% ने इसे युवा उद्यमियों में सबसे कमजोर कड़ी माना।

जिन वेंचर्स ने पारदर्शी रिपोर्टिंग, संरचित बोर्ड समीक्षा और नैतिक मानकों को अपनाया, उन्हें निवेशकों से अधिक भरोसा और समर्थन मिला। निवेशकों का विश्वास बढ़ाने वाले प्रमुख कारक पारदर्शिता, सामाजिक प्रभाव और फाउंडर की विश्वसनीयता पाए गए।

यूनिवर्सिटीज की भूमिका और छात्रों की राय

रिपोर्ट में कहा गया कि यूनिवर्सिटीज़ अगली पीढ़ी के जिम्मेदार आंत्रप्रेन्योर्स को आकार देने में अहम भूमिका निभा रही हैं। लगभग 50% छात्रों ने कहा कि उनकी यूनिवर्सिटी उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है, जबकि 89% छात्रों ने पाठ्यक्रम में नैतिकता और वित्तीय जवाबदेही से जुड़े विषयों को शामिल करने का समर्थन किया।

हालांकि, केवल 9.6% छात्रों ने मौजूदा इनक्यूबेशन प्रोग्राम्स को ₹अत्यधिक प्रभावी₹ माना। इससे यह संकेत मिलता है कि अकादमिक संस्थानों और उद्योग के बीच और मजबूत सहयोग की जरूरत है ताकि मेंटरशिप और क्षमता से जुड़ी खाई को भरा जा सके।

बीएमएल मुंजाल यूनिवर्सिटी की लीडरशिप समिट की चेयर जोली मसीह ने कहा, इस साल की लीडरशिप रिपोर्ट यह दर्शाती है कि युवा उद्यमियों के लिए सफलता का अर्थ अब सिर्फ तेजी से बढ़ना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से बढ़ना है। अगली पीढ़ी के यूनिकॉर्न्स नवाचार के साथ-साथ ईमानदारी, गवर्नेंस और वित्तीय अनुशासन पर भी आधारित होंगे। बतौर शिक्षक हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस सोच को शुरुआती स्तर पर ही विकसित करें।

भारत पर संकट का साया! अमेरिकी कंपनियों ने की 700 चीजों पर टैक्स बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बार फिर 'ट्रेड वॉर' यानी व्यापार युद्ध की सुगबुगाहट तेज हो गई है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी कंपनियां राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी-भरकम 'टैरिफ' (आयात शुल्क) का दायरा और बढ़ाने की मांग कर रही हैं। यह मांग छोटी-मोटी नहीं है। खबर है कि स्टील से जुड़े करीब 700 नए सामानों को इस लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो साइकिल से लेकर घरों में इस्तेमाल होने वाली बेकिंग ट्रे तक, कई चीजें प्रभावित हो सकती हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब भारत और चीन जैसे देश पहले से ही अमेरिकी बाजारों में सुस्ती का सामना कर रहे हैं।

अमेरिकी कंपनियों ने लगाई ट्रंप से गुहार

यह मांग किसी एक सेक्टर से नहीं, बल्कि छोटी, मझोली और बड़ी, हर तरह की अमेरिकी कंपनियों की तरफ से आ रही है। इंडियाना की साइकिल बनाने वाली कंपनी 'गार्जियन बाइक्स' से लेकर टमाटर कैनिंग कंपनी 'रेड गोल्ड' और ट्रकों के लिए स्टील के पहिये बनाने वाली फर्मों तक, कई उद्योगों ने अमेरिकी कॉमर्स डिपार्टमेंट (वाणिज्य विभाग) से गुहार लगाई है। इन कंपनियों का तर्क है कि विदेशी सामान की बाढ़ ने उनके घरेलू बाजार को नुकसान पहुंचाया है। 'गार्जियन बाइक्स' ने कॉमर्स सेक्रेटरी को दी अपनी अर्जी में स्पष्ट कहा कि 2024 में 1.1 करोड़ साइकिलों के आयात के बीच उनका 'उद्योग खत्म हो गया' है।

उनका इशारा साफ है कि बाहर से आने वाली सस्ती साइकिलों के कारण अमेरिकी निर्माताओं के लिए टिक पाना मुश्किल हो रहा है। इसी तरह की चिंताएं अन्य कंपनियों ने भी जाहिर की हैं, जो चाहती हैं कि उन्हें विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए सरकार कड़े कदम उठाए। ये कंपनियां चाहती हैं कि इन 700 से ज्यादा आइटम्स को अगस्त में जारी की गई लिस्ट में जोड़ा जाए।

क्या है ट्रंप का 'टैरिफ' प्लान?

यह पूरा मामला 'ट्रंप टैरिफ' के नाम से मशहूर है। ट्रंप प्रशासन ने पहले ही स्टील और एल्युमिनियम से जुड़े 407 उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ लगा रखा है। इसी साल अगस्त में, प्रशासन ने इस स्टील का दायरा बढ़ाते हुए स्टील और एल्युमिनियम से बने सैकड़ों अन्य उत्पादों (डेरिवेटिव प्रोडक्ट्स) को भी इसमें शामिल कर लिया था, जिन पर 50% तक शुल्क लगाया गया। अब कंपनियां चाहती हैं कि इस लिस्ट को और लंबा किया जाए। गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, नई लिस्ट में 700 और सामान जुड़ सकते हैं। नोटिस में यह भी कहा गया है कि इन उत्पादों में लगे नॉन-स्टील और नॉन-एल्युमिनियम हिस्सों पर भी वो टैरिफ दरें लागू रहेंगी, जो राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ चुनिंदा देशों से आने वाले सामान पर लगाई हैं। इसका मतलब है कि यह एक बहु-स्तरीय शुल्क वृद्धि हो सकती है। हालांकि, इन टैरिफ का बोझ आखिर में कौन उठाता है, इसे लेकर बहस जारी है। जब राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि क्या अमेरिकी इन टैरिफ का भुगतान कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, "नहीं, मैं इससे सहमत नहीं हूं। हो सकता है कि वे कुछ भुगतान कर रहे हों।

फिजिक्सवाला, टेनेको, एमवी... अगले हफ्ते खुल रहे 10,000 करोड़ के आईपीओ

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। अगले हफ्ते शेयर बाजार में आईपीओ की धूम मची हुई है। 11 नवंबर से 14 नवंबर के बीच कुल पांच नए आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहे हैं। इनमें से तीन बड़े आईपीओ मेनबोर्ड पर आ रहे हैं, जबकि दो एसएमई सेगमेंट में लिस्ट होंगे। इन सभी आईपीओ के जरिए कंपनियां 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाने की उम्मीद कर रही हैं। ये कंपनियां एजुकेशन, क्लीन एनर्जी, ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी और फार्मा (दवा) जैसे अलग-अलग सेक्टर से जुड़ी हैं। इनमें मेनबोर्ड में फिजिक्सवाला, टेनेको क्लीन एयर इंडिया और एमवी फोटोवोल्टिक पावर शामिल हैं।

फिजिक्सवाला

एजुटेक की जानी-मानी कंपनी फिजिक्सवाला का आईपीओ 11 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। यह आईपीओ 3,480 करोड़ रुपये का है। इसके लिए प्राइस बैंड 103 से 109 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। यह सब्सक्रिप्शन 13 नवंबर तक खुला रहेगा। इस आईपीओ के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों पर लिस्ट होंगे। यह आईपीओ हाल के सालों में सबसे बड़े एडटेक लिस्टिंग में से एक है। इस पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म को मजबूत करने, लर्निंग सेंटर का विस्तार करने और जरूरी अधिग्रहण के लिए करेगी। इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम अभी 5 रुपये यानी 4.58% चल रहा है।

टेनेको क्लीन एयर इंडिया

अगले हफ्ते एक और बड़ा आईपीओ टेनेको क्लीन एयर इंडिया का है। यह कंपनी ग्लोबल ऑटोमोटिव सिस्टम लीडर टेनेको इंक. की सहायक कंपनी है। यह 3,600 करोड़ रुपये का आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है। यह आईपीओ 12 नवंबर को खुलेगा और 14 नवंबर को बंद होगा। शेयर की कीमत 378 से 397 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। जेएम फाइनेंशियल इस आईपीओ के लीड मैनेजर हैं और यह बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होगा। इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम 97 रुपये यानी करीब 22% है।

एमवी फोटोवॉल्टिक पावर

रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की कंपनी एमवी फोटोवोल्टिक पावर का 2,900 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 नवंबर को खुल रहा है। इसकी कीमत 206 से 217 रुपये प्रति शेयर के बीच रखी गई है। यह सोलर पैनल बनाने वाली कंपनी भारत में तेजी से बढ़ते क्लीन एनर्जी सेक्टर का फायदा उठाना चाहती है। यह आईपीओ 13 नवंबर को बंद होगा। इसका शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होगा। जेएम फाइनेंशियल इसके भी लीड मैनेजर हैं और इसका जीएमपी 20 रुपये यानी करीब 9.21 फीसदी चल रहा है।

महामाया लाइफसाइंसेज

स्पेशियलिटी फार्मास्युटिकल कंपनी महामाया लाइफसाइंसेज का आईपीओ 11 नवंबर को खुलेगा और 13 नवंबर को बंद होगा।

विदेशी निवेशकों ने फिर मोड़ा भारत से मुंह, इस महीने अब तक निकाल लिए 12,569 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। अक्टूबर में थोड़े विराम के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बिकवाली फिर शुरू कर दी है। कमजोर वैश्विक संकेतों और जोखिम-रहित धारणा के बीच नवंबर में अब तक एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से 12,569 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में एफपीआई ने शेयरों में 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था, जो लगातार कई महीनों की निकासी के बाद आया था। सितंबर में एफपीआई ने 23,885 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की निकासी की थी। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि नवंबर के अब तक हर कारोबारी दिन जारी रही। बिकवाली की नई प्रवृत्ति ने इस साल अन्य प्रमुख बाजारों की तुलना में भारत के खराब प्रदर्शन में योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि 2025 में एफपीआई गतिविधियों की एक प्रमुख विशेषता निवेश प्रवाह में विविधता रही है, जहां हेज फंड भारत में बिकवाली कर रहे हैं, जबकि अमेरिका, चीन, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे एआई-संचालित तेजी के लाभार्थी माने जाने वाले बाजारों में लिवाली कर रहे हैं। उन्होंने बताया, "भारत को वर्तमान में एआई-आधारित कमजोर प्रदर्शन करने वाला देश माना जा रहा है, और यही धारणा एफपीआई की रणनीति को आकार दे रही है।" हालांकि, विजयकुमार ने आगे कहा कि एआई-संबंधित मूल्यांकन अब बढ़ा हुआ है और वैश्विक प्रौद्योगिकी शेयरों में संभावित बुलबुले का जोखिम भारत में निरंतर बिकवाली को सीमित कर सकता है। एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकार जावेद खान ने भी इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए कहा कि एशिया और अन्य प्रमुख बाजारों में प्रौद्योगिकी शेयरों में वैश्विक बिकवाली के बीच नवंबर के पहले सप्ताह में एफपीआई ने 12,569 करोड़ रुपये मूल्य के भारतीय शेयर बेचे। भारतीय कंपनियों के वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे उम्मीद से थोड़े बेहतर रहे हैं, खासकर मध्यम आकार के खंड में। लेकिन वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण विदेशी निवेशक निकट भविष्य में जोखिम भरी संपत्तियों के प्रति सतर्क रह सकते हैं।इस तरह 2025 में अब तक, एफपीआई ने 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इस बीच, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में सामान्य सीमा के तहत 1,758 करोड़ रुपये निकाले जबकि समीक्षाधीन अवधि के दौरान स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग के माध्यम से 1,416 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

बड़ी राहत: संकटों से घिरी दुनिया में किसानों का कमाल

अनाज उत्पादन तोड़ेगा रिकॉर्ड : संकटों से घिरी दुनिया में किसानों का कमाल

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। संकटों से जूझ रही दुनिया में किसान अपना काम चुपचाप करते रहे। इसी का असर है कि इस साल वैश्विक अनाज उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना है। अनुमान है कि कुल उत्पादन 4.4 फीसदी बढ़कर 299 करोड़ टन तक पहुंच सकता है, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर होगा। यह वृद्धि उस समय हो रही है जब दुनिया के कई हिस्सों में खाद्य मुद्रास्फीति, जलवायु संकट और आपूर्ति व्यवधानों से लोग जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर मौसम, उन्नत कृषि तकनीक और निर्यात प्रतिबंधों में ढील ने इस सकारात्मक रुझान को संभव बनाया है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मक्का, गेहूं और चावल तीनों प्रमुख अनाजों की पैदावार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की उम्मीद है। सबसे अधिक उछाल मक्का की फसल में देखा जा सकता है, जबकि चावल की वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम रहेगी, लेकिन यह भी अपने इतिहास के उच्चतम स्तर तक पहुंचने की संभावना रखता है। इसके अलावा जौ जैसे अन्य अनाजों के उत्पादन में भी इजाफे की उम्मीद है। अनुमान है कि 2025 के अंत तक वैश्विक अनाज भंडार 5.7 फीसदी बढ़कर 91.6 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाएगा। यह 2017-18 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर होगा। यानी वर्ष 2025-26 में दुनिया के पास जितना अनाज उपभोग के लिए आवश्यक होगा, उसका लगभग 31.1% अतिरिक्त भंडार पहले से मौजूद रहेगा। यह अनुपात जितना ऊंचा होगा, किसी आकस्मिक आपदा जैसे सूखा, बाढ़, युद्ध या निर्यात प्रतिबंध की स्थिति में भी खाद्य संकट की संभावना कम होगी।

आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल ने बढ़ाया उत्पादन

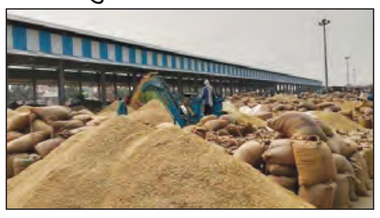

2025 में चरम मौसमी घटनाओं के बावजूद वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड अनाज उत्पादन इसलिए संभव हो पा रहा है, क्योंकि कई देशों ने जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों और उन्नत बीजों का बड़े पैमाने पर उपयोग शुरू कर दिया था। रूस, युद्ध के बावजूद दक्षिणी क्षेत्रों में स्थिर उत्पादन बनाए रखने में सफल रहा। वह आधुनिक सिंचाई प्रणालियों और सैटेलाइट आधारित फसल निगरानी तकनीक से उपज बढ़ा रहा है। वहीं, अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित कृषि पूर्वानुमान प्रणालियों और जलवायु-सहनशील फसलों के उपयोग ने उत्पादन को स्थिर बनाए रखा।

निर्यात प्रतिबंधों में ढील दे रहा वैश्विक राहत

संयुक्त राष्ट्र के अधीन कार्यरत एएमआईएस की नई मार्केट मॉनिटर रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया के कई प्रमुख अनाज उत्पादक देश अब निर्यात प्रतिबंधों में ढील दे रहे हैं। अर्जेंटीना, भारत और रूस जिन्होंने 2024 से 2025 के बीच खाद्यान्नों पर कड़े निर्यात प्रतिबंध लगाए थे, अब धीरे-धीरे इन प्रतिबंधों को कम कर रहे हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में राहत मिलेगी और खाद्य कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है। आर्थिक और मानवीय दोनों दृष्टियों से 2025 को खाद्य स्थिरता का वर्ष कहा जा सकता है। अच्छी फसल, भरे हुए भंडार और व्यापारिक रुकावटों में कमी के कारण किसानों को बेहतर दाम मिलेंगे।

रेयर अर्थ के मामले में चीन से क्यों और कैसे पिछड़ गया भारत?

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही, दुनिया में अभी इकोनॉमी के लेवल पर काफी कुछ हो रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे हर देश की उथल-पुथल होने के साथ ही व्यापार के नए नियम लिखे जा रहे हैं। जिनका शुरुआती असर भारत सहित बाकी देशों पर पड़ा और अगर स्थिति ऐसी ही रही तो आने वाले समय में इसके परिणाम और बुरे हो सकते हैं। पहले तो ट्रंप ने सत्ता में आते ही अपनी टैरिफ नीतियों से दुनिया को डराया, फिर एच-1बी वीजा के लिए आवेदन फीस भी बढ़ा दी, फिर चीन ने भी रेयर अर्थ मेटल की सप्लाई पर बैन लगा दिया. हालांकि, भारत के लिए अभी चीन ने कुछ छूट जरूर दी है. मगर वह नाकाफी है. रेयर अर्थ मेटल पर जिस तरीके से चीन ने अपना राज जमाया है. वह ग्लोबल दुनिया के लिए अच्छे संकेत नहीं है. आइए हम डिटेल में समझते हैं कि आखिर भारत, चीन से रेयर अर्थ के मामले में कैसे और क्यों पीछे रह गया. भारत की रेयर अर्थ की यात्रा 1950 में इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड नामक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) की स्थापना के साथ शुरू हुई. यह उस सेक्टर में कदम रखने का एक बड़ा कदम था जो आगे चलकर ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री की रीढ़ बना. लेकिन शुरुआत में डिमांड की कमी, आईआरईएल का बीच की रेत से मिलने वाले दूसरे इंडस्ट्रियल खनिजों पर शुरुआती फोकस और रेगुलेटरी अड़चनों जैसे कारणों से भारत इस मौके से दूर रह गया.

चीन पर बढ़ी डिपेंडेंसी

डिमांड कम होने और चीन पर भारत की टेक्नोलॉजी डिपेंडेंसी की वजह से तैयार मैग्नेट्स का इंपोर्ट ज्यादा सस्ता पड़ा. इसके अलावा, भारत के रेयर अर्थ एलिमेंट्स मोनाजाइट रेत में मिलते हैं. जिसमें थोरियम एक रेडियोधर्मी एलिमेंट भी होता है. इन्हें न्यूक्लियर कैटेगरी में डालने से लेकर मंजूरी पाने में होने वाली सख्त और लंबी रेगुलेटरी प्रक्रियाओं तक, इन सबने भारत को रेयर अर्थ के मौके से दूर रखा. इस सेक्टर में सरकार का ज्यादा कंट्रोल होना भी एक बड़ी चुनौती रहा है. प्रोजेक्ट्स की लंबी अवधि और इंसेंटिव की कमी ने प्राइवेट सेक्टर को इस फील्ड से लगभग दूर रखा है. भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा रेयर अर्थ रिजर्व रखता है, लेकिन ग्लोबल प्रोडक्शन में इसका योगदान 1% से भी कम है.भारत की ब्रिटेन रेयर अर्थ एलिमेंट प्रोडक्शन क्षमता करीब 3,000 टन है. इसमें से आईआरईएल हर साल लगभग 500 टन नियोडिमियम-प्रेजोडायमियम ऑक्साइड बनाता है, जो रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट बनाने के लिए सबसे जरूरी कच्चा माल है. फिलहाल आईआरईएल ही एकमात्र कंपनी है जो बड़े पैमाने पर एनडीपीआर बनाती है. हालांकि, भारी उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में भारत ने चीन से 43,610 टन आरईपीएम आयात किया, जिनका इस्तेमाल ईवी, एयरोस्पेस, कंप्यूटर आदि में होता है. लगभग 90% आरईपीएम चीन से ही आया.

क्या है आईआरईएल?

परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत काम करने वाला आईआरईएल, आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में स्वदेशी टेक्नोलॉजी पर आधारित आरईपीएम के लिए एक स्पेशल प्लांट चला रहा है. सरकार ने रेयर अर्थ मिनरल्स के लिए चीन पर निर्भरता कम करने पर फोकस किया है, लेकिन आईआरईएल पिछले एक साल से बिना चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के चल रहा है.

घरेलू वेज थाली अक्टूबर में 17% सस्ती हुई

आलू-प्याज और टमाटर के दाम घटने का असर, नॉन-वेज थाली की कीमत भी 12% घटी

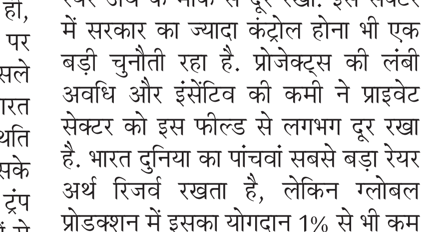

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में एक घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत अक्टूबर में (सालाना आधार पर) 17% घटकर 27.8 रुपए पर आ गई है। पिछले साल अक्टूबर-2024 में वेज थाली की कीमत 33.3 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी। क्रिसिल ने अपनी रोटी राइस रेट - रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत सितंबर की तुलना में अक्टूबर में 1% घटी है। सितंबर में वेज थाली की कीमत 28.1 रुपए थी।

नॉन-वेज थाली भी 12% सस्ती हुई

वहीं, नॉन-वेज थाली की कीमत अक्टूबर में सालाना आधार पर 12% घटकर 54.4 रुपए पर आ गई है। पिछले साल अक्टूबर-2024 में नॉन वेज थाली की कीमत 61.6 रुपए थी। मंथली बेसिस पर यानी सितंबर की तुलना में अक्टूबर में नॉन-वेज थाली की कीमत 3% घटी है। सितंबर में नॉन-वेज थाली की कीमत 56 रुपए थी।

आलू, प्याज और टमाटर सस्ते होने से वेज थाली के दाम घटे

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, आलू, प्याज, टमाटर और दालों के दाम घटने के चलते वेज थाली की कॉस्ट घटी है। टमाटर की कीमत सालाना आधार पर 40%, प्याज के दाम 51% और आलू के भाव 31% घटे हैं। वहीं दालों की कीमत में भी 17% की गिरावट आई है। इन कारणों से वेज थाली की कीमत घटी है। वेज थाली की कॉस्ट में आलू और टमाटर की 24% हिस्सेदारी होती है।

चिकन के प्राइस गिरने से नॉन वेज थाली की कीमत घटी

नॉन वेज थाली की कीमत में ये कमी ब्रॉयलर यानी चिकन के प्राइस में सालाना आधार पर 6% की गिरावट के चलते आई है। नॉन-वेज थाली की लागत में ब्रॉयलर की 50% हिस्सेदारी होती है। वहीं, सालाना आधार पर वेजिटेबल ऑयल की कीमत 11% और एलपीजी सिलेंडर की कीमत 6% बढ़ी है, नहीं तो दोनों थाली और भी सस्ती हो सकती थी।

हस्तशिल्प में दिखा जीएसटी कटौती का असर

मूर्तियों की बिक्री से मिली कारीगरों को राहत

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। जीएसटी से राहत देने के लिए, सरकार ने 22 सितंबर को जीएसटी दरों में कटौती की थी. इसका सबसे ज्यादा असर देश के हस्तशिल्प क्षेत्र में दिखने लगा है. खासतौर पर मूर्तिकला, मिट्टी के बर्तन, लकड़ी की कलाकृतियों और हाथ से बनी चीजों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है. इससे पारंपरिक कारीगरों और छोटे उद्यमियों को बड़ी राहत मिली है, जो लंबे समय से बढ़े टैक्स बोझ की वजह से परेशान थे.केंद्र सरकार द्वारा कई हस्तशिल्प उत्पादों पर जीएसटी की दरों में कटौती किए जाने के बाद इस क्षेत्र में कारीगरों को काफी राहत मिली है. रिपोर्ट के मुताबिक, कई हस्तशिल्प उत्पादों पर जीएसटी दर 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है.

मूर्तियों और सजावटी वस्तुओं की बिक्री में उछाल

त्योहार के सीजन में इन वस्तुओं की बिक्री लगभग 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ी है. इसमें पेंटिंग, हस्तनिर्मित मोमबत्तियां, लकड़ी की नक्काशीदार वस्तुएं और मिट्टी व टेराकोटा से बने रसोई के बर्तन आदि जैसी चीजें भी शामिल हैं. यह कदम न केवल देश के कारीगरों को सहारा दे रहा है, बल्कि सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिल रहा है.

सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को मिला प्रोत्साहन

इसी तरह, कपास और जूट से बने हैंडबैग पर भी जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। सरकार का लक्ष्य भारत की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देना और सदियों पुरानी शिल्प परंपराओं का संरक्षण करना है। जीएसटी कटौती से हस्तशिल्प उद्योग को नई गति मिली है। यह कदम न केवल कारीगरों को आर्थिक सहारा देगा, बल्कि भारत की पारंपरिक कला और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर नई पहचान भी दिलाएगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
सूर्योदय 06-19
सूर्यास्त. 17-39
दिशाशूल - पूर्व - कांच में मुंह देखकर घर से निकले
मास- मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष सोमवार 10 Nov
तिथि - षष्ठी 00-08 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र- पुनर्वसु 18-48 तक पुष्य
योग - साध्य 12-04 तक शुभ
करण - गर 12-56 तक उप वणिज
व्रत
त्योहार

गृह स्थिति		
सूर्य -	तुला	में
चंद्र -	मिथुन	में
मंगल-	वृश्चिक	में
बुध -	वृश्चिक	में
गुरु -	कर्क	में
शुक्र -	तुला	में
शनि	मीन	में
राहु	कुंभ	में
केतु	सिंह	में

लग्नारंभ समय	
तुला.....	04-40 बजे
वृश्चिक.....	06-49 बजे
धनु.....	09-03 बजे
मकर.....	11-10 बजे
कुंभ.....	13-00 बजे
मीन.....	14-36 बजे
मेष.....	16-14 बजे
वृष.....	17-59 बजे
मिथुन.....	19-56 बजे
कर्क.....	22-14 बजे
सिंह.....	00-24 बजे
कन्या.....	02-30 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
07-45 से 09-10 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया			रात का चौघडिया		
अमृत	06-19 - 07-45	शुभ	चंचल	17-39 - 19-15	शुभ
काल	07-45 - 09-10	अशुभ	रोग	19-15 - 20-50	अशुभ
शुभ	09-10 - 10-35	शुभ	काल	20-59 - 22-25	अशुभ
रोग	10-35 - 11-59	अशुभ	लाभ	22-25 - 23-59	शुभ
उत्पात	11-59 - 13-25	अशुभ	उत्पात	23-59 - 01-35	अशुभ
चंचल	13-25 - 14-50	शुभ	शुभ	01-35 - 03-10	शुभ
लाभ	14-50 - 16-15	शुभ	अमृत	03-10 - 04-45	शुभ
अमृत	16-15 - 17-39	शुभ	चंचल	04-45 - 06-19	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपका दिन आपके पेशेवर जीवन में सौभाग्य के अवसर लेकर आ रहा है। अंतर्ज्ञान, विशेष रूप से प्रभावशाली महिलाओं के साथ, सहज और समझदारी भरे संवादों में सहायक होता है। रचनात्मकता और आत्मविश्वास आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद करते हैं, जिससे आपको पहचान मिलना आसान हो जाता है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं । आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए । यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी महत्वाकांक्षा और रचनात्मकता में वृद्धि होगी, जिससे आप अपने करियर में साहसिक कदम उठाने के लिए उत्सुक होंगे। आप ऊर्जा और पहल से भरपूर हैं, आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। आपकी तीक्ष्ण सोच आपको अवसरों को शीघ्रता से पहचानने में मदद करती है, हालाँकि संघर्ष की किसी भी प्रवृत्ति को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप अपने कार्यों को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है.।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
रचनात्मक ऊर्जा अब आसानी से प्रवाहित होती है, जिससे पहल करने के लिए यह एक बढ़िया समय है। आपका व्यावहारिक पक्ष विचारों को कार्रवाई में बदलने में मदद करता है। सहायक लोगों, विशेष रूप से महिलाओं के साथ सहयोग करने से सफलता मिल सकती है। अति प्रतिबद्धता से बचें। अपने लक्ष्यों को यथार्थवादी रखें और व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता की ओर स्थिर कदम बढ़ाएँ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा । अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है । खाली समय में अचल संपत्ति में निवेश के लायक जगह आप तलाश सकते है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवदेन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवदेन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी । आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
शांत, केंद्रित मानसिकता आपको कार्यों को मजबूती और निरंतरता के साथ करने में मदद करती है। आपको कुछ क्षणों के लिए हिचकिचाहट या संयम का अनुभव हो सकता है, लेकिन निरंतर प्रयास सफलता सुनिश्चित करता है। पढ़ाई में किसी भी देरी के साथ धैर्य रखें। व्यावहारिक बुद्धि आपके विकास में सहायक होती है।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता निखरेगी, जिससे आप काम पर पहल करने के लिए सशक्त होंगे। नए विचार आसानी से सामने आ सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि बहस न करें या जल्दी से कोई गलती न निकालें। सीधा संवाद समस्याओं का प्रभावी समाधान करता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे , सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं । आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं। आगे जाने से पहले अपने शुभचिंतकों से परामर्श करें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
अवलोकन और विश्लेषण की आपकी शक्ति आज अपने चरम पर होगी अतः अगर आप किसी भी नौकरी में हैं और अगर इन कौशल की आवश्यकता है , तो आज सफलता आपके कदम चूमेगी । वैज्ञानिकों , जांचकर्ताओं और शोधकर्ताओं के लिए आज एक उपयोगी दिन होगा । आज आप रचनात्मक और निष्कपट तरीके से अपने कार्यस्थल पर समस्याओं का हल खोजेंगे जो की आपके कार्यालय में सराहा जायेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सुकमा में आईईडी ब्लास्ट : चपेट में आने से सीआरपीएफ का एक जवान घायल, नक्सलियों के इनपुट पर सर्चिंग पर निकली थी टीम

सुकमा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर से कायराना हरकत की है। सुकमा और दंतेवाड़ा की सीमा से लगे मुलेर इलाके में सर्चिंग पर निकली सुरक्षाबलों की टीम पर आईईडी से विस्फोट किया गया है। सर्चिंग पर निकले सुरक्षा बलों के बीच प्रेशर आईईडी ब्लास्ट से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शुरुआथी जानकारी के अनुसार, आईईडी की चपेट में आने से एक जवान घायल हुआ है।

सर्चिंग पर निकली थी टीम

जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबल के जवान नक्सली गतिविधियों के इनपुट पर कार्रवाई के लिए निकले थे। सर्चिंग के दौरान नक्सलियों के द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी में विस्फोट हो गया जिसकी चपेट में एक जवान आ गया।

रौंदने वाली जेमिमा का ऑस्ट्रेलिया में हुआ भव्य स्वागत, खुद भी हो गई हैरान

इलाज के लिए भेजा गया जवान

घटना के बाद घायल जवान फिरोज खान को तत्काल साथी जवानों ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और इलाज के लिए भेजा। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त बल तैनात कर सर्चिंग अभियान को और तेज कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार सुरक्षाबल की कई टीमें मिशन पर निकली हैं। मुलेर इलाके में सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है।

दो नक्सलियों को किया था गिरफ्तार

नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुकमा पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई थी। पुलिस ने दो इनामी नक्सलियों को विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया था। दोनों नक्सली जिले में बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने बताया था कि नक्सलियों की पहचान ताती बंडी और पदाम हड़मा के रूप में हुई थी। दोनों नक्सली कैंप गोमगुड़ा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों नक्सलियों के सिर पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने उनके कब्जे से 9 नग नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, जिलेटिन रॉड, कोर्डेक्स वायर और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की थी।

मोस्ट वांटेड वीरेन्द्र तोमर ग्वालियर से गिरफ्तार

सीक्रेट इनपुट पर बड़ा एक्शन, सूदखोरी और रंगदारी से बनाई थी अकूत दौलत

रायपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सूदखोरी, रंगदारी और अवैध हथियार रखने आरोप में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र सिंह तोमर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वीरेन्द्र तोमर की गिरफ्तारी मध्य प्रदेश के ग्वालियर से हुई है। वीरेंद्र तोमर बीते पांच महीनों से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अलग-अलग टीमों का गठन किया था लेकिन सफलता नहीं मिली थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसे सड़क के रास्ते रायपुर लेकर आ रही है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र तोमर के बारे में रायपुर पुलिस को इनपुट मिला था कि वह ग्वालियर में छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया है। वीरेन्द्र तोमर की गिरफ्तार को लेकर रविवार को पुलिस कई बड़े खुलासे कर सकती है।

रोहित तोमर अभी भी फरार

वीरेन्द्र तोमर का भाई रोहित तोमर अभी भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। दावा किया जा रहा है कि वीरेन्द्र से इनपुट मिलने के बाद पुलिस जल्द ही रोहित तोमर को गिरफ्तार कर सकती है। दोनों भाई रायपुर के मोस्ट वांटेड आरोपी थी।

क्या है मामला

दरअसल, करीब 5 महीने पहले एक प्रॉपर्टी डीलर दशमीत चावला ने वीरेंद्र के भाई रोहित तोमर के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाकर तेलीबांधा थाने में केस दर्ज कराई थी। इसके बाद से रोहित तोमर फरार था। इस दौरान पुलिस ने वीरेंद्र सिंह तोमर के घर की तलाशी ली तो उसके घर से अवैध हथियार मिले थे। इसके बाद अकूत दौलत भी मिली थी। पुलिस ने वीरेंद्र सिंह के ऊपर आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। दोनों भाई ब्याज पर पैसे देते थे और फिर डबल ब्याज पर पैसे वसूलते थे। पैसे नहीं मिलने पर पीड़ित को धमकी देते थे।

कोर्ट ने खारिज की थी याचिका

दोनों भाइयों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। कोर्ट ने इनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए राहत देने से इंकार कर दिया था और याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने इनकी तलाश और तेज कर दी।

किडनी डोनेट कर मां ने बेटे को दिया नया जीवन

पैसों की समस्या सुन मुख्यमंत्री ने भी की मदद, दोनों किड़नियां हो गईं थी खराब

रायपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के बगीचा निवासी 48 वर्षीय किसान गणेशराम यादव को नई जिंदगी मिली है। गणेशराम की दोनों किडनियाँ खराब हो चुकी थीं। कई महीनों से डायलिसिस पर चल रहे गणेशराम की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। डॉक्टरों ने उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह तो दी, लेकिन इलाज का खर्च सुनकर परिवार की उम्मीदें टूटने लगीं। एक किसान परिवार के लिए इतना बड़ा खर्च उठाना असंभव था। हालांकि इसी दौरान परिवार को कुनकुरी सदन के माध्यम से मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के बारे में जानकारी मिली। परिवार ने इलाज के खर्च के लिए यहां आवेदन दिया। उनका आवेदन स्वीकार हो गया। जिसके बाद गणेशराम को रायपुर स्थित एम्स अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में भर्ती कराया गया।

मां ने किडनी देकर बचाई बेटे की जान

इलाज के दौरान किडनी डोनर नहीं मिल रहा था। ऐसे में गणेशराम की तबियत बिगड़ती जा रही थी। जिसके बाद गणेशराम की मां सरस्वती यादव ने अपने बेटे को किडनी देने का फैसला किया। उसने अपने बेटे को एक किडनी दी। मां ने अपने बेटे को दूसरी बार जीवनदान दिया। किडनी प्रत्यारोपण सफल रहा, और गणेशराम अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। घर लौटने के बाद उनका परिवार फिर से खुशियों से भर उठा है।

सीएम से मिला परिवार

गणेशराम अपने परिवार के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात करने के लिए राजधानी रायपुर स्थित सीएम आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए गणेशराम ने कहा कि अगर यह योजना नहीं होती, तो शायद मैं आज ज़िंदा नहीं होता। सरकार ने हमारी जीवन की टूटी हुई आस को फिर से लौटा दिया।

सीएम ने दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गणेशराम और उनके परिवार से आत्मीय मुलाकात करते हुए उनके उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि, "प्रदेश का प्रत्येक नागरिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पाने का अधिकारी है। हमारी सरकार का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक तंगी के कारण इलाज से वंचित न रहे।

पूर्व डीजीपी अनुराग के कार्यकाल में गणेश सिंह पर कार्रवाई

रांची, 9 नवंबर (एजेंसियां)। अनुराग गुप्ता के डीजीपी पद से हटने के बाद एनजीओ प्रभारी की मुश्किलें बढ़ीं दिल्ली एनसीआर में हालिया घटनाक्रम में, पुलिस के पूर्व महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के पद से हटने के बाद उनके करीबी सहयोगी इंस्पेक्टर गणेश सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

पूर्व डीजीपी अनुराग के कार्यकाल में एनजीओ प्रभारी रहे गणेश सिंह के खिलाफ जांच शुरू

अनुराग गुप्ता के डीजीपी पद से हटने के बाद एनजीओ प्रभारी की मुश्किलें बढ़ीं

दिल्ली एनसीआर में हालिया घटनाक्रम में, पुलिस के पूर्व महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के पद से हटने के बाद उनके करीबी सहयोगी इंस्पेक्टर गणेश सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने उनके कार्यकाल के दौरान एनजीओ प्रभारी के रूप में उनकी गतिविधियों के खिलाफ प्रारंभिक रिपोर्ट (आईआर) दर्ज की है। यह रिपोर्ट उनकी अवैध वसूली और संपत्ति अर्जित करने के आरोपों के संदर्भ में है।

गणेश सिंह पर आरोप है कि उन्होंने अनुराग गुप्ता के कार्यकाल के दौरान कई अवैध वसूली की और इसके बदले में फाइलों के निष्पादन में हस्तक्षेप किया। एसीबी को प्राप्त शिकायत में साफ तौर पर कहा गया है कि गणेश सिंह ने एनजीओ शाखा में रहते हुए धन की वसूली की और उससे काफी चल-अचल संपत्ति अर्जित की। यह एनजीओ शाखा, पुलिस मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण कोषांग है, जहाँ कई संवेदनशील फाइलें आती हैं।

गणेश सिंह के खिलाफ शिकायत में आरोप है कि उन्होंने वसूली के पैसे से संपत्ति बनाई।

पुलिस मुख्यालय की एनजीओ शाखा को डीजीपी का गोपनीय कोषांग माना जाता है।

गणेश सिंह को पहले झारखंड जगुआर में पदस्थापित किया गया था, लेकिन अनुराग गुप्ता ने उन्हें एसीबी में लाया।

घाटशिला उपचुनाव में साख की जंग

झामुमो और भाजपा ने झोंकी पूरी ताकत

रांची, 9 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड की बहुचर्चित घाटशिला विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए चुनावी प्रचार आज यानी रविवार शाम पांच बजे थम जाएगा। इस सीट पर कुल 13 प्रत्याशी मैदान में हैं, लेकिन मुकाबला मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच माना जा रहा है। बीजेपी की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन चुनाव मैदान में हैं, जबकि झामुमो ने दिवंगत पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश चंद्र सोरेन पर भरोसा जताया है। इसके अलावा जेएलकेएम के उम्मीदवार रामदास मुर्मू भी चुनावी मैदान में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

पिछले कई दिनों से घाटशिला में दोनों दलों के बीच तेज प्रचार अभियान देखने को मिला। झामुमो की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन रविवार को रोड शो करेंगे और जनता से झामुमो प्रत्याशी के पक्ष में वोट देने की अपील करेंगे। झामुमो अपने दिवंगत नेता रामदास सोरेन की लोकप्रियता और सहानुभूति लहर पर भरोसा कर रही है।

वहीं दूसरी ओर, भाजपा ने इस सीट को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। पार्टी के बड़े नेता घाटशिला में लगातार डेरा डाले हुए हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू, बंगाल के नेता शुभेंदु अधिकारी, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत कई दिग्गज शामिल हैं। यहां तक कि उड़ीसा के मुख्यमंत्री ने भी प्रचार अभियान में भाग लिया। खुद चंपई सोरेन भी गांव-गांव जाकर अपने पुत्र के लिए समर्थन मांग रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह उपचुनाव सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गया है। घाटशिला सीट पर मुकाबला बेहद रोमांचक और कांटेदार है। जनता किसे चुनेगी, इसका फैसला 11 नवंबर को मतदान के बाद ही होगा। फिलहाल, दोनों दलों ने जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है।

डॉक्टर की गला रेतकर हत्या

ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस के हवाले किया

रांची, 9 नवंबर (एजेंसियां)। रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र के मतवे गांव से एक सनसनीखेज वारदात सामने आयी है. गांव के लोगों को 24 घंटे चिकित्सा सुविधा देने वाले ग्रामीण डॉक्टर स्वपन दास की रविवार सुबह 8 बजे गला रेतकर हत्या कर दी गयी है. घटना की जानकारी ग्रामीणों ने दी है.

डॉक्टर स्वपन दास के कमरे से सुबह 8 बजे चीखने की आवाज आयी

ग्रामीणों ने बताया कि सुबह 8 बजे के करीब डॉक्टर स्वपन दास के कमरे से चीखने की आवाज सुनाई पड़ी. जिसे सुनकर आसपास के लोग दौड़े चले आए. पास आकर देखा तो कमरा अंदर से बंद था और वहां पर वारिस अंसारी नामक व्यक्ति पहले से ही मौजूद था. इसके बाद ग्रामीणों ने किसी तरह कमरे को खोला तो देखा कि डॉक्टर स्वपन दास खून से लथपथ पड़े हैं.

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा

गांव के लोगों ने वारिस अंसारी को पकड़कर तुरंत पुलिस को सौंप दिया. घटना की सूचना मिलने के बाद बुढ़मू पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा दिया. फिलहाल पुलिस हत्या के कारणों की छानबीन कर रही है.

स्वपन दास मूलतः पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे और पिछले करीब दस वर्षों से मतवे गांव में अकेले किराये के मकान में रहते थे. ग्रामीणों के अनुसार वह गांव के मेडिकल लाइफ लाइन थे, जो किसी के इलाज के लिए पैसे को बाधक नहीं बनने देते थे. स्वपन दास की हत्या के बाद पूरे गांव में शोक और मातम का माहौल है. लोग उनके योगदान को याद कर भावुक हैं. उनके निधन से कई घरों मेंअभी तक चूल्हा तक नहीं जला है.

मरवाही वन परिक्षेत्र में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई

रेंजर रमेश खैरवार को उनके पद से हटाया गया

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 9 नवंबर (एजेंसियां)। गौरेला पेंड्रा मरवाही में मरवाही वनमंडल के मरवाही वन परिक्षेत्र में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। शिकायतों की जांच में अनियमितता और वित्तीय गड़बड़ियां पाए जाने के बाद रेंजर रमेश खैरवार को उनके पद से हटा दिया गया है। विभागीय जांच में यह स्पष्ट हुआ कि खैरवार ने अपने कार्यकाल के दौरान कई मामलों में वन विभाग के नियमों और प्रक्रिया की अनदेखी की थी।

जांच दल ने उनके खिलाफ सरकारी धन की हेराफेरी, वित्तीय अनियमितता और विभागीय कार्यों में पारदर्शिता की कमी जैसे गंभीर आरोपों की पुष्टि की है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, खैरवार पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में कुछ निजी ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाया और संबंधित दस्तावेजों में कई विसंगतियां पाई गईं।जांच के दौरान रेंजर खैरवार ने विभागीय टीम के साथ अपेक्षित सहयोग नहीं किया। कई बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद उन्होंने जरूरी दस्तावेज और विवरण समय पर प्रस्तुत नहीं किए। इस रवैये को प्रशासन ने गंभीर माना और इसे अनुशासनहीनता की श्रेणी में रखा।

प्रशासनिक निर्णय के तहत, रमेश खैरवार को तत्काल प्रभाव से बिलासपुर स्थित मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) कार्यालय में अटैच कर दिया गया है। वहीं, उनकी जगह कटघोरा वनपरिक्षेत्र में पदस्थ मुकेश कुमार साहू को मरवाही वनपरिक्षेत्र का नया रेंजर नियुक्त किया गया है।वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि विभाग में अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई आवश्यक थी। उन्होंने बताया कि शासन की नीति स्पष्ट है किसी भी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा वित्तीय या प्रशासनिक गड़बड़ी किए जाने पर कठोर कदम उठाए जाएंगे।इस कार्रवाई से वन विभाग के कर्मचारियों में हलचल मच गई है। क्षेत्रीय सूत्रों का कहना है कि यह निर्णय आने वाले समय में अन्य परिक्षेत्रों में भी संदेश देगा कि विभागीय कार्य में पारदर्शिता और नियमों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बिरसा मुंडा जेल बना अय्याशी का अड्डा

जीएसटी घोटाले के आरोपी विधु-सिद्धार्थ का डांस वीडियो वायरल; कारापाल निलंबित

रांची, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा एक बार फिर विवादों में है। शराब और जीएसटी घोटाले के आरोपी विधु गुप्ता और सिद्धार्थ सिंघानिया का जेल के अंदर डांस करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो के सामने आने के बाद जेल प्रशासन की लापरवाही और अंदरूनी मिलीभगत पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल वीडियो में दोनों आरोपी जेल परिसर के अंदर म्यूजिक बजाकर डांस करते और मौज-मस्ती करते दिख रहे हैं। वीडियो ने यह साबित कर दिया है कि जेल के भीतर विलासिता के साधनों तक कैदियों की पहुंच किस हद तक आसान है।

वीडियो सामने आते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जेल आईजी ने तत्काल प्रभाव से कारापाल को निलंबित कर दिया है और पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों और दो पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

गौरतलब है कि जुलाई माह में एसीबी ने विधु गुप्ता और सिद्धार्थ सिंघानिया को शराब घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया था। हालांकि, पर्याप्त सबूतों के अभाव में अब तक अदालत में आरोपपत्र दाखिल नहीं किया जा सका है। फिलहाल दोनों आरोपी जमानत पर बाहर हैं।

अरनपुर आईईडी ब्लास्ट केस में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, सुकमा और दंतेवाड़ा में 12 ठिकानों पर छापा

सुकमा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा के अरनपुर में हुए भीषण नक्सली हमले की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को सुकमा और दंतेवाड़ा जिलों में एक साथ 12 स्थानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई 26 अप्रैल 2023 को हुए उस आईईडी ब्लास्ट से जुड़ी है, जिसमें दरभा डिवीजन कमेटी के नक्सलियों ने डीआरजी बल के जवानों को निशाना बनाया था। इस हमले में 10 जवानों समेत वाहन चालक की मौत हुई थी।

एनआईए द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह छापेमारी अरनपुर आईईडी ब्लास्ट केस से जुड़े आरोपियों और संदिग्धों के ठिकानों पर की गई। एजेंसी ने बताया कि तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक और संदिग्ध सामग्री बरामद की गई है, जिनमें नकदी, हस्तलिखित पत्र, प्रिंटेड रसीद बुक्स, और डिजिटल उपकरण शामिल हैं। यह सामग्री सीपीआई (माओवादी) संगठन की फंडिंग और गतिविधियों से जुड़ी पाई गई है।

जांच एजेंसी का कहना है कि जिन स्थानों पर छापेमारी की गई, वहां से मिले सबूतों से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध दरभा डिवीजन कमेटी के सक्रिय माओवादी कैडरों से हैं। वही कैडर 26 अप्रैल 2023 को अरनपुर के पास पेडका गांव में हुए उस घातक हमले में शामिल थे, जिसने पूरे बस्तर को दहला दिया था।

एनआईए ने अपनी प्रेस रिलीज में बताया कि इस मामले की जांच अब भी जारी है। अब तक की कार्रवाई में कुल 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और दो चार्जशीट दाखिल की जा चुकी हैं। एजेंसी को उम्मीद है कि हालिया तलाशी में मिले दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य इस मामले के नक्सली नेटवर्क को और गहराई से उजागर करेंगे।

झारखंड में 3 दिनों में तेजी से गिरेगा तापमान

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

रांची, 9 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले एक सप्ताह से लगातार राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में ठंड का असर दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के द्वारा जारी पूर्वानुमान में बताया गया है कि राज्य में 9 से 14 नवंबर तक सुबह में कोहरा या धुंध और बाद में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा।

इस दौरान राज्य में अगले तीन दिनों तक यानी 9, 10 और 11 नवंबर तक न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी। इसके बाद अगले दो दिनों तक यानी 12 और 13 नवंबर तक तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि तापमान गिरने से ठंड का असर बढ़ने लगेगा। इस वर्ष अधिक वर्षापात होने के कारण पर्यावरण में पर्याप्त नमी मौजूद है और ठंड बढ़ने से इसका सीधा असर सेहत पर भी पड़ेगा। रांची के आसपास घाटी क्षेत्रों में तो अहले सुबह और शाम ढलते ही कोहरे का असर दिखने लगा है।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान पूरे राज्य का मौसम शुष्क बना रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.9 डिग्री सेल्सियस गुमला का रिकॉर्ड किया गया। वहीं, राजधानी रांची का अधिकतम 27.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 15.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

लोहरदगा जिला में विगत एक सप्ताह के दौरान तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। जिले में न्यूनतम तापमान में काफी ज्यादा गिरावट आई है।

नेशनल रोवर रेंजर जंबूरी की तैयारी

शिक्षा मंत्री का निरीक्षण, जनवरी में जुटेंगे देश भर के स्काउट्स गाइड

बालोद, 9 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के डौंडी-लोहारा विकासखंड के ग्राम दुधली में आगामी नौ से 13 जनवरी तक आयोजित होने वाली नेशनल रोवर रेंजर जंबूरी की तैयारियों का जायजा लेने के लिए प्रदेश के स्कूली शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज स्थल का निरीक्षण किया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में देशभर से लगभग पंद्रह हजार बच्चे शामिल होंगे, जो बालोद जिले के लिए एक गौरव का क्षण होगा। मंत्री गजेन्द्र यादव ने जवाहर नवोदय विद्यालय के पीछे, शासकीय पॉलीटेक्निक के पास की जमीन को जंबूरी के आयोजन के लिए उपयुक्त पाया। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने अधिकारियों को आयोजन स्थल पर सभी आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। इनमें प्रमुख रूप से पेयजल, शौचालय, स्नानागार, बिजली आपूर्ति और सुगम आवागमन की व्यवस्थाएं शामिल थीं। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह आयोजन बालोद के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है और इसलिए सभी व्यवस्थाएं उत्कृष्ट होनी चाहिए।

कानून व्यवस्था को लेकर, मंत्री यादव ने पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल को कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान, कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, राज्य लघु वनोपज संघ के उपाध्यक्ष यज्ञदत्त शर्मा, भारत स्काउट एवं गाइड के जिला मुख्य आयुक्त राकेश यादव सहित कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नेशनल जंबूरी का यह आयोजन बालोद जिले के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना साबित होने जा रहा है। यह आयोजन न केवल स्काउट्स और गाइड्स के लिए एक मंच प्रदान करेगा, बल्कि देशभर के युवाओं को एक साथ लाने का भी काम करेगा।

स्मृति ईरानी ने पटना की सड़क पर खड़े होकर खाए गोल-गप्पे

पटना, 9 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनावों के एक चरण के लिए मतदान हो चुका है और दूसरे चरण के लिए अभी बाकी है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इस बीच बिहार में एनडीए के लिए चुनाव प्रचार में जुटीं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी लाइट मोड में नजर आईं और उन्होंने बीजेपी नेताओं के साथ पटना की सड़क पर खड़े होकर गोल-गप्पे खाए। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में स्मृति ईरानी गोल-गप्पे खाते हुए नजर आ रही हैं और उनके साथ बीजेपी सांसद अनिल बलूनी भी दिखाई दिए। इस दौरान स्मृति किसी से पूछती भी हैं कि क्या आप गोल-गप्पे नहीं खाएंगे।

इस वीडियो को देखकर लोग स्मृति के इस सादगी भरे अंदाज की चर्चा कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री के पद पर काम कर चुकीं स्मृति का आम आदमी की तरह सड़क पर गोल-गप्पे खाना चर्चा का विषय बना हुआ है। स्मृति ईरानी की गिनती बीजेपी के तेज-तर्रार नेताओं में होती है और वह कांग्रेस पर अपने हमलावर रवैयों और बयानों की वजह से काफी चर्चा में रहती हैं। बिहार चुनाव में वह एनडीए के लिए प्रचार में जुटी हैं और दिन-रात मेहनत कर रही

हैं। देखना ये होगा कि उनकी मेहनत कितना रंग लाती है।

बिहार में कब हैं दूसरे चरण के चुनाव?

बिहार में दूसरे चरण के चुनाव के लिए 11 नवंबर को मतदान होगा। इससे पहले 6 नवंबर को पहले चरण के लिए मतदान किया जा चुका है। चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को जारी किए जाएंगे। इस बार बिहार के चुनाव में मुख्य मुकाबला महागठबंधन और एनडीए के बीच में है लेकिन प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी भी मैदान में डटी हुई है। ऐसे में देखना ये होगा कि इस चुनाव में जनता किसको अपना वोट देकर विजयी बनाती है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अंगोला पहुंचीं

इन मुद्दों पर रहेगा फोकस, बोत्सवाना भी जाएंगी

अंगोला, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अंगोला की अपनी राजकीय यात्रा के तहत लुआंडा पहुंचीं। जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस अफ्रीकी देश की पहली राजकीय यात्रा है। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, यह ऐतिहासिक यात्रा अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण के साथ संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राष्ट्रपति मुर्मू अपने अंगोलाई समकक्ष जोआओ लौरेंको के निमंत्रण पर 11 नवंबर तक अपने दौरे के पहले चरण के तहत अंगोला में हैं।

इससे पहले गुरुवार को राष्ट्रपति की यात्रा पर एक विशेष प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्रालय के आर्थिक संबंध सचिव सुधाकर दलेला ने कहा कि यह यात्रा राजनीतिक, आर्थिक, विकासात्मक और सांस्कृतिक आयामों में वैश्विक दक्षिण के देशों, विशेष रूप से अफ्रीका के देशों के साथ साझेदारी को मजबूत करने पर भारत के बढ़ते फोकस को दर्शाती है।

बोत्सवाना से चीतों को स्थानांतरित करने पर चर्चा

उन्होंने आगे कहा कि इस यात्रा में प्रोजेक्ट चीता के हिस्से के रूप में बोत्सवाना से चीतों को स्थानांतरित करने पर चर्चा भी शामिल है। विदेश

मंत्रालय के अनुसार, अंगोला में अपने समय के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू अपने अंगोलन समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने, 11 नवंबर को अंगोला की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेने, अंगोलन संसद को संबोधित करने और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करने वाली हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू बोत्सवाना का दौरा करेंगी

इससे पहले मई में, लॉरेन्को ने राष्ट्रपति मुर्मू के निमंत्रण पर बोत्सवाना का दौरा किया था, जिस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को इस अफ्रीकी देश की यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। इस बीच, 11 से 13 नवंबर तक, राष्ट्रपति ड्यूमा गिदोन बोको के निमंत्रण पर राष्ट्रपति मुर्मू बोत्सवाना का दौरा करेंगी। यहां वह बोत्सवाना के नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगी, जिसमें व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स, रक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। वह बोत्सवाना की राष्ट्रीय सभा को भी संबोधित करेंगी और सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों का दौरा करेंगी।

अफ्रीका के साथ भारत के संबंध

हाल के वर्षों में अफ्रीका के साथ भारत के संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें क्षमता निर्माण, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, ऊर्जा परिवर्तन, खनिज और बहुपक्षीय सहयोग में सहयोग बढ़ रहा है। राष्ट्रपति की आगामी यात्रा से पूरे महाद्वीप में इन रणनीतिक और जन-केंद्रित साझेदारियों को और मजबूत करने की उम्मीद है।

पीलीभीत में विश्व हिंदू परिषद का संगठन मंत्री गिरफ्तार

पीलीभीत, 9 नवंबर (एजेंसियां)। पीलीभीत शहर से सटी एक कॉलोनी की धारा-80 से जुड़ी झूठी शिकायत के जरिये वसूली और डराने-धमकाने के आरोप में पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के शाहजहांपुर विभाग संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। यह मुकदमा एडीएम वित्त एवं राजस्व ऋतु पूनिया की तहरीर पर दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एडीएम ने कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया है कि प्रिंस गौड़ ने मंडलायुक्त को एक पत्र भेजा था, जिसमें उनके खिलाफ तथ्यहीन और भ्रामक आरोप लगाए गए। पत्र में लिखा गया था कि एडीएम ने शहर से सटी कॉलोनी की धारा-80 की कार्रवाई की है, जबकि यह अधिकार क्षेत्र एसडीएम का होता है।

एडीएम के अनुसार, यह पत्र उन्हें डराने, धमकाने और मानसिक रूप से परेशान करने के उद्देश्य से लिखा गया था। साथ ही इसमें धन उगाही की मंशा भी झलकती है। आरोप है कि प्रिंस गौड़ ने एडीएम पर दबाव बनाने की कोशिश की और यह तक लिखा कि एडीएम ने अपनी मां व ससुर के नाम से प्लॉट का बैनामा कराया है, जबकि दोनों का वर्षों पहले निधन हो चुका है।

'एसआईआर पर बेवजह अशांति फैला रहे राहुल'

जेडीयू सांसद देवेश ठाकुर ने तेजस्वी यादव पर भी बोला हमला

पटना, 9 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के साथ राजनीतिक बयानबाजी तेज होती जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव के हालिया बयानों पर अब जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि बिहार की असली तस्वीर आज बदल चुकी है। सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान उठाए गए "एसआईआर" मुद्दे और वोट चोरी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "यह उनका अधिकार है कि वे ऐसे मुद्दे उठाएँ।

अगर वे सबूत देंगे, तो चुनाव आयोग ने बार-बार कहा है कि वह सख्त कार्रवाई करेगा। कुछ गड़बड़ियाँ हो सकती हैं, जैसा कि चुनाव आयोग ने खुद माना है, लेकिन राजनीतिक कारणों से कई बार बातें बढ़ा-चढ़ाकर कही जाती हैं। ऐसे मुद्दे बनाना बेवजह अशांति फैलाता है।" ठाकुर ने आगे कहा कि विपक्ष बार-बार बिना ठोस सबूत के सिर्फ बयानबाजी करता है, जिससे जनता के बीच भ्रम फैलता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल उठाना किसी का अधिकार है, लेकिन झूठ फैलाकर माहौल बिगाड़ना ठीक नहीं। दरभंगा में हाल ही में एक विशेष समुदाय के व्यक्ति द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता का अपमान किए जाने की घटना पर सांसद ने कहा कि यह बेहद निंदनीय है।

उन्होंने कहा, "हाल ही में दरभंगा में एक विशेष समुदाय के व्यक्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता का अपमान किया। यह हमारी संस्कृति के खिलाफ है। चाहे कोई भी धर्म या पार्टी हो, ऐसा व्यवहार गलत है और इसकी निंदा होनी चाहिए। लेकिन राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं ने इस शर्मनाक हरकत की खुलकर निंदा नहीं की, जिसे हम सख्ती से खारिज करते हैं।"

झांसी में मां की मौत के बाद पिता ने कर ली दूसरी शादी

अब 15 साल की खुशी का फंदे से लटका मिला शव

झांसी, 9 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के रक्सा थाना क्षेत्र के ग्राम पुनावली कलां में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां 15 वर्षीय छात्रा अपने ही घर में फांसी के फंदे से लटकी मिली। मृतका की पहचान अरविंद गुर्जर की बेटी, खुशी के रूप में हुई है। इस घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। वहीं मृतका के मामा ने हत्या की आशंका जताई है जबकि दादा ने बताया कि कुछ दिनों से बच्ची मानसिक रूप से परेशान थी और अपनी दिवंगत मां को देखने की बात करती थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के मामा सतेन्द्र गुर्जर ने बताया कि खुशी की मां ने साल 2017 में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मां की मौत के बाद पिता अरविंद ने पांच साल पहले दूसरी शादी कर ली और ग्वालियर में जाकर रहने लगे।

अमेरिका में नया बवाल, मिलिट्री कैंटीन में ट्रंप वाइन की बिक्री पर घिरा राष्ट्रपति का परिवार

वॉशिंगटन, 9 नवंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप परिवार पर सत्ता के सहारे अपना कारोबार बढ़ाने के नए गंभीर आरोप लगे हैं। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी सैन्य स्टोर में ट्रंप ब्रांड वाली वाइन बेची जा रही है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद विवाद शुरू हो गया है। यह विवाद तब शुरू हुआ, जब पत्रिका ने बताया कि ट्रंप ब्रांड वाली वाइन और साइडर छुट्टियों से पहले वॉशिंगटन डीसी और वर्जीनिया के सेंटरविले में सैन्य कर्मियों के लिए ड्यूटी-फ्री स्टोर्स में पहुंची है। इससे डोनाल्ड ट्रंप और उनका परिवार कई समूहों के निशाने पर आ गया है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने वाइन बिक्री की पुष्टि की लेकिन इसमें किसी कानून के उल्लंघन को खारिज कर दिया। ट्रंप के प्रतिनिधियों ने जोर देकर कहा कि ये दूसरे ट्रंप ब्रांड वाले उत्पादों की तरह एक लाइसेंसिंग व्यवस्था का हिस्सा है। इसमें राष्ट्रपति की इसमें कोई भूमिका नहीं है। दूसरी ओर निगरानी समूहों ने वाइन बिक्री की निंदा करते हुए इसे संघीय सुविधाओं का मुद्रीकरण बताया, भले ही प्रत्यक्ष कानूनी उल्लंघन साबित ना होता हो।

वॉशिंगटन में नागरिकों के लिए जिम्मेदारी और नैतिकता (सीआरईडब्ल्यू) के प्रवक्ता जॉर्डन लिबोविट्ज ने अपने बयान में कहा, 'यह उन चीजों में से एक है, जहां शायद कोई कानूनी मुद्दा नहीं है। यह एक दृष्टिकोण और नैतिकता का मुद्दा जरूर है। अगर सरकार उत्पादों को थोक में खरीदती है तो यह संविधान के पारिश्रमिक खंड का उल्लंघन हो सकता है, जो राष्ट्रपतियों को वेतन से परे अतिरिक्त लाभ से रोकता है। वाइन बिक्री का यह मामला ट्रंप परिवार के अपने कारोबार के लिए हालिया समय में उठाए कदमों का ध्यान दिलाता है। इसमें पाकिस्तान में क्रिप्टो उद्यमों में प्रवेश भी शामिल है, जिसके बारे में आलोचकों का कहना है कि इसने अमेरिका-भारत संबंधों को पटरी से उतार दिया है। ट्रंप परिवार की एक कंपनी ने पाकिस्तान की नवगठित क्रिप्टो काउंसिल (पीसीसी) के साथ एक सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं।

'बिहार चुनाव में बेईमानी हुई'

बागपत में राकेश टिकैत बोले- ये वोट चोरी कर रहे तो जीतेगा कौन?

बागपत, 9 नवंबर (एजेंसियां)। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौ। राकेश टिकैत ने भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि बिहार विधानसभा के चुनाव में खुला बेईमाना हुआ। नदी पार बूथ बनवाया और नाव बंद करा दी लोग वोट डालने से वंचित हुए। ये तो वोटों की चोरी कर रहे तो जीतेंगे कौन। मवीकलां गांव में एक विवाह समारोह में भाग लेने के उपरांत चौ। राकेश टिकैत ने पत्रकारों से कहा कि सरकार यूपी विधानसभा चुनाव वर्ष 2027 से पहले 50 रुपये और बढ़ाकर अपना वादा पूरे करें।

50 रुपये बढाने पर कह देंगे कि सरकार ठीक है। चीनी मिलों से गन्ना भुगतान कराएं। भविष्य में राजनीति में आने के प्रश्न पर बोले, राजनीति की तरफ पैर करके भी नहीं सोना चाहिए। खराब चीज। राजनीति से दूर

रहकर सामाजिक काम करते रहना चाहिए। जिन्हें राजनीति करनी है वो करें, बिना इसके काम भी नहीं चलता। बिहार के बाद यूपी में एसआइआर के सवाल पर बोले कि उप्र के लोग ज्यादा समझदार और लड़ाकू हैं। और जिन्हें चुनाव लड़ना है, वो अपनी वोटों की रखवाली करें। हमें तो चुनाव लड़ना नहीं लेकिन बातों को बताते रहेंगे। किसान नेता इंद्रपाल जाट भी मौजूद रहे।

टिकैत ने किसान नेता को पत्नी की मौत पर दी सांत्वना

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने टीम के साथ ग्राम निबाली पहुंचे। उन्होंने भाकियू एनसीआर के महासचिव प्रदीप धामा की पत्नी वर्षा के निधन पर शोक जताया और स्वजन से मिलकर सांत्वना दी। भाकियू जिलाध्यक्ष चौधरी प्रताप गुर्जर, जिला प्रवक्ता चौधरी हिम्मत सिंह, प्रदीप धामा, अश्वनी राजपूत आदि मौजूद रहे।

कपिल शर्मा के कैफे पर हुई थी फायरिंग, अब कनाडा सरकार ने लिया बड़ा एक्शन, 3 लोगों को किया डिपोर्ट

ओंटारियो, 9 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा में पिछले दिनों कई एक्सटॉर्शन के मामले सामने आए। जिसमें कॉमेडियन कपिल शर्मा के भी कैप्स कैफे में भी फायरिंग की गई। इसी के बाद कनाडा में एक्सटॉर्शन के लिए फायरिंग करने वाले गैंग के खिलाफ कनाडा सरकार ने बड़ी कार्रवाई की। कनाडा बॉर्डर सिक्योरिटी एजेंसी ने 3 विदेशी नागरिकों को उगाही गैंग चलाने के आरोप में देश से बाहर किया है। साथ ही एजेंसी ने 78 अन्य विदेशी नागरिकों की पहचान भी की है। इन 78 विदेशी नागरिकों के खिलाफ संगठित अपराध से जुड़ी अवैध गतिविधियों के संदेह में इमिग्रेशन जांच शुरू कर दी गई है। पिछले कुछ समय में कनाडा में बिजनसमैन के घरों पर फायरिंग की घटनाओं में तेजी आई है। जिसमें कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैप्स कैफे पर भी फायरिंग हुई। इसके बाद ब्रिटिश कोलंबिया एक्सटॉर्शन टास्क फोर्स का गठन किया गया। ये कार्रवाई उसी के तहत की गई है।

बिश्नोई गैंग को किया आतंकवादी संगठन घोषित

हालांकि, डिपोर्ट किए गए किसी भी विदेशी नागरिक की पहचान उजागर नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक कनाडा सरकार की ओर से लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को एक विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित करने के बावजूद, उसके गैंग की आपराधिक गतिविधियों में तेजी आई है।

ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन जैसे इलाकों में, जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, लॉरेंस बिश्नोई, उसके प्रतिद्वंद्वी गोल्डी बराड़ और रोहित गोडारा के गैंगों की आपराधिक वारदातों में बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में, भारतीय मूल के व्यवसायी दर्शन सिंह साहसी की ब्रिटिश कोलंबिया के एबॉट्सफोर्ड में हत्या कर दी गई थी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली थी। अभी ये साफ नहीं है कि जिन 3 लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है वो कौन है।

65 मामले हुए दर्ज

सरे पुलिस के अनुसार, साल 2025 में सरे में ही एक्सटॉर्शन के 65 मामले दर्ज हुए, जिनमें से 35 में फायरिंग की घटना शामिल थी। अपराधी सोशल मीडिया के जरिए क्रिप्टोकरेंसी में एक्सटॉर्शन की मांग करते हैं और मना करने पर फिर हिंसा करते हैं। हालांकि, इनमें से कई घटनाएं भारतीय गैंग से जुड़ी हैं।

सूत्रों के मुताबिक, इन मामलों में लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बरार और रोहित गोदारा जैसे सिंडिकेट्स की भूमिका प्रमुख है। ओंटारियो के ब्रैम्पटन जैसे इलाकों में, जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, इन गैंग्स की वारदातें बढ़ी हैं। इन घटनाओं ने प्रवासी समुदाय में दहशत फैला दी है।

ताइवान की उपराष्ट्रपति ने पहली बार यूरोपीय संघ की संसद में दिया भाषण, चीन ने दे डाली चेतावनी

ब्रसेल्स, 9 नवंबर (एजेंसियां)। ताइवान की उपराष्ट्रपति सियाओ बी खिम ने यूरोपीय संघ की संसद को संबोधित किया। यह ताइवान सरकार के किसी भी शीर्ष नेता का किसी विदेशी संसद में दिया गया पहला भाषण है। यही वजह है कि चीन की सरकार ने इसके प्रति कड़ी नाराजगी जाहिर की है। चीन ने चेतावनी देते हुए यूरोपीय संघ से एक चीन की नीति का पालन करने को कहा है। गौरतलब है कि चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। यूरोपीय संघ भी एक चीन सिद्धांत का समर्थक रहा है, लेकिन अब ताइवान की उपराष्ट्रपति का यूरोपीय संघ की संसद को संबोधित करना एक बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ताइवान की उपराष्ट्रपति सियाओ बी-खिम ने यूरोपीय संसद में दिए अपने भाषण में ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता बनाए रखने की अपील की, और चेताया कि चीन मौजूदा स्थिति को बदलने की कोशिशें कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय सहमति के खिलाफ हैं। गौरतलब है कि ताइवान के सिर्फ एक यूरोपीय देश वेटिकन से आधिकारिक कूटनीतिक संबंध हैं, लेकिन वेटिकन यूरोपीय संघ का हिस्सा नहीं है।

सियाओ बी खिम ने कहा कि, 'एक फलता-फूलता लोकतंत्र और वैश्विक सप्लाई चेन में एक मुख्य खिलाड़ी के तौर पर ताइवान की भूमिका इसे इंटरनेशनल स्थिरता और समृद्धि के लिए जरूरी बनाती है।' उन्होंने कहा कि 'हम सिर्फ ज़िंदा नहीं रहना चाहते, हम चाहते हैं कि लोकतंत्र फले-फूले। हमारे पास जो है, हम सिर्फ उसकी रक्षा नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम ऐसा भविष्य बना रहे हैं जैसा हम चाहते हैं, जहां लोग आजादी के साथ रह सकें और ज्यादा एकजुट और ज्यादा काबिल हों।' सियाओ ने शनिवार को ब्रसेल्स में इंटर-पार्लियामेंट्री अलायंस ऑन चाइना (आईपीएसी) के 2025 शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। ताइवान की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) की विधायक फैन यून ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि सियाओ ने 50 से ज्यादा देशों के सांसदों से बात करके समझाया कि ताइवान क्यों मायने रखता है।

यूरोपीय संघ में चीन के दूतावास ने ताइवान की उपराष्ट्रपति के यूरोपीय संघ की संसद को संबोधित करने पर कड़ी आपत्ति जताई। चीनी दूतावास ने कहा कि 'चीन के कड़े विरोध और गंभीर आपत्तियों के बावजूद, यूरोपीय संसद ने सियाओ जैसी प्रमुख ताइवानी अलगाववादी नेता को बैठक में शामिल होने और यूरोपियन संसद की इमारत में घुसने दिया।

लाहौर में प्रदूषण पर सरकार सख्त, 24 घंटे में दर्ज हुए 51 मामले, करोड़ों का जुर्माना लगाया

लाहौर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लाहौर में प्रदूषण के कारण लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। धुंध ने पूरे शहर को अपनी जद में ले लिया है, जिससे दृश्यता न के बराबर हो गई है। लाहौर में हवा के बढ़ते संकट को देखते हुए पंजाब सरकार ने पर्यावरण कानून को सख्ती से लागू किया है। पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने पिछले 24 घंटे में 51 मामले दर्ज किया है। सभी मामले पर्यावरण कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दर्ज किए गए हैं।

यही नहीं, लाहौर से और भी कई चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, लाहौर समेत आसपास के जिलों में पिछले 24 घंटों के भीतर कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। साथ ही पर्यावरणीय उल्लंघन के लिए 491 लोगों पर 10 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। वहीं, 38 लोगों को पुलिस ने कड़ी चेतावनी दी है।

बलूचों ने दुनिया को दिखाया पाक आर्मी का सियाह चेहरा

जर्मनी से खोली बलूचिस्तान में अत्याचारों की पोल

बर्लिन, 9 नवंबर (एजेंसियां)। बलूचों ने एक बार फिर बलूचिस्तान में पाकिस्तानी आर्मी के अत्याचारों की पोल खोलते हुए इसकी कड़ी आलोचना की है। बलूच राष्ट्रीय आंदोलन (बीएनएम) ने बलूच शहीद दिवस के उपलक्ष्य में जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में कई देशों के राजनीतिक नेताओं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और बलूच प्रवासी समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान वक्ताओं ने पाकिस्तान के रवैये की कड़ी आलोचना की। खासतौर से बलूचिस्तान के लोगों के साथ खराब बर्ताव और उनके संसाधनों को लूटने की जानकारी कार्यक्रम में दी गई। एएनआई के मुताबिक, बीएनएम के कार्यक्रम में पाकिस्तान की ओर से बलूच लोगों पर दशकों से किए जा रहे दमन और स्वतंत्र बलूचिस्तान के संकल्प को उठाया गया। एक्स पर की गई एक पोस्ट में बीएनएम ने कहा कि कार्यक्रम में बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के सैन्य कब्जे की कड़ी निंदा की गई।

इस दौरान 27 मार्च, 1948 के आक्रमण को याद किया, जो व्यवस्थित दमन की शुरुआत था। बलूचिस्तान को सैन्य शिविरों, खुफिया एजेंसियों और जबरन गायब करने की संस्कृति की चपेट में कहा गया।

एकजुटता पर दिया जोर

कार्यक्रम में डॉक्टर नसीम ने जोर देकर कहा कि वर्षों की क्रूरता के बावजूद बलूच प्रतिरोध की भावना अटूट है। उन्होंने कहा कि यह बंदूकों की नहीं बल्कि विश्वास की लड़ाई है और विश्वास की हमेशा जीत होती है। विश्व सिंधी कांग्रेस के डॉक्टर लखु लुहाना ने पाकिस्तान के पंजाबी-नेतृत्व वाली सरकार पर सिंधी और बलूचों की पहचान मिटाने और उनके संसाधनों को लूटने का आरोप लगाया।

उन्होंने शोषण के खिलाफ सिंधी-बलूच एकजुटता का आह्वान किया। पीटीएम जर्मनी के कादिर शाह अंसारी ने बलूच और पश्तून आबादी पर सेना के अत्याचारों की निंदा करते हुए वैश्विक समुदाय से पाकिस्तान के सैन्य प्रभुत्व को चुनौती देने और नागरिक लोकतंत्र के लिए प्रयास करने का आह्वान किया।

अंता में कांग्रेस - बीजेपी के खिलाफ नरेश मीणा ने दिखाए आक्रामक तेवर

हनुमान बेनीवाल और आप सांसद संजय सिंह का मिला साथ

बारां, 9 नवंबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा चुनाव नरेश मीणा को जीतने के लिए लोकसभा सांसद बेनीवाल आज नरेश के हनुमान बने। आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने आज अंता विधानसभा के मांगरोल कस्बे में नरेश मीणा की सभा संबोधित की। और नरेश की जीत के लिए पूरी ताकत। साथ में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी रहे। हनुमान बेनीवाल ने सभा के बाद मांगरोल कस्बे में नरेश मीणा के साथ रोड शो भी किया और अपनी ताकत दिखाई।

रानी को हटाया तो भजनलाल का अवतार हो गया

बीजेपी-कांग्रेस राजनीतिक दलों को आडे हाथ लिया। मौजूदा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे तीखा कटाक्ष किया। हनुमान बेनीवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अंत का मतलब अंत करना होता है अंता के मतदाता बीजेपी कांग्रेस का अंत कर दो साल 2028 में शेखावाटी, मारवाड़, बीकानेर संभाग में हम इन दोनों पार्टियों का अंत कर देंगे भारतीय जनता पार्टी का हाडोती आंचल से उदय हुआ मेरे पिता इस पार्टी का झंडा ला हमारी तरफ लाए थे मुझे पकड़वाया पर मैंने उसे हटा दिया। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पर निशाना साधते हुए बेनीवाल ने कहा कि हाडौती की रानी ने लंबा संघर्ष किया। उन्हें तो हटा दिया। लेकिन रानी के बदले भजनलाल का राजस्थान में अवतार हो गया।

नरेश की जीत के लिए ब्राह्मण वोट साधे

बेनीवाल ने मौके पर दस्तूर करते हुए नरेश मीणा के लिए ब्राह्मण समाज के वोट बैंक को साधते हुए कहा कि ब्राह्मणों को ध्यान रखना चाहिए, कि अगर हम लोग नहीं होते तो वसुंधरा सत्ता से नहीं जाती। अगर वसुंधरा नहीं जाती तो भजनलाल सीएम नहीं बनते। ब्राह्मणों को समझना चाहिए कि भजनलाल को मुख्यमंत्री बनाने में पर्दे के पीछे हमारा रोल रहा है। मैडम का जादू खत्म किया। भजनलाल का अवतार हो गया। हाडौती के लोगों ने हर बार वसुंधरा राजे को इज्जत सम्मान सब दिया। आज भी हाडौती पिछड़ा हुआ है। वसुंधरा ने आप लोगों को नहीं पूरे राजस्थान को ठगा है।

झालावाड़ में 7 बच्चे शहीद हुए कांग्रेस के सांसदों ने लोकसभा में एक शब्द तक नहीं बोला

हाडौती में झालावाड़ में स्कूल हादसे में 7 बच्चे शहीद हुए। मगर विपक्ष में मौजूद कांग्रेस ने और उसके सांसदों ने लोकसभा में एक शब्द नहीं बोला। मैंने तख्ती उठाकर लोकसभा में बच्चों के लिए न्याय मांगा। हर क्रांति का नायक नौजवान था। यहां के नौजवानों को नरेश को जीताकर विधानसभा में भेजना होगा। बेनीवाल ने कहा वसुंधरा सीएम इन वेटिंग है। लेकिन कितने बुरे दिन आए किसी ने सोचा था भजनलाल की पर्ची वसुंधरा खोलेगी। मैं होता तो या तो पर्ची फाड़ देता है या फिर निगल जाता और मेरा नाम ले लेता कौन क्या करता। हनुमान बेनीवाल ने यह भी कहा कि हाडौती से विधानसभा में बीजेपी कांग्रेस के डाकू जाते हैं। बाकी राजस्थान से चोर आते हैं। बीजेपी कांग्रेस के लिए आगे कहा यह एक सांप नाथ दूसरा नागनाथ है। अंतर विधानसभा के लोगों से कहा कि नरेश को जिताओ नरेश इनका फन कुचलेगा। बेनीवाल ने कहा कि 10- 11 तारीख को सरकार गुंडागर्दी करने की कोशिश करेगी। लेकिन नौजवानों के सामने हर सरकारी तंत्र फेल हो जाता है। नौजवानों को क्रांति लानी होगी। क्योंकि हर क्रांति का नायक नौजवान होते हैं।

डोटासरा निर्दलीय चुनाव लड़ने से 3000 वोट आए

हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर बयानी हमला करते हुए कहा कि डोटासरा निर्दलीय चुनाव लड़े तो 3000 वोट आएं। इससे ज्यादा नहीं। ऐसे लोगों को पता लग जाए निर्दलीय चुनाव लड़ना क्या होता है। बेनीवाल ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी मिलकर चुनाव लडती है। उदाहरण देते हनुमान ने कहा पिछले उपचुनाव में गृहमंत्री बैढम ने कहा कि उपचुनाव में किसी भी तरह से बेनीवाल जितना नहीं चाहिए। इसके बाद गोविंद सिंह डोटासरा को दिल्ली बुलाया।बीजेपी के बड़े नेता के घर पर मीटिंग करवाई। जिसमें कहा गया कि आपको पेपर लीक के मामले में जेल भेजेंगे या फिर भाजपा की सीप निकलवाओ। इस पर उसने कहा कि जहां-जहां कहो टिकट में दे दूंगा। जमानत जब्त करवा लूंगा। चार टिकट देकर जमानत भी जब्त करवाई। हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस के नेता शांति धारीवाल, प्रमोद जैन भाया और बीजेपी के नेता प्रताप सिंह सिंघवी पर बयानी हमला करते हुए कहा कि नरेश मीणा एमएलए बना तो 24 घंटे में इन तीनों नेताओं को घगरी पहना देगा।

मंत्री किरोड़ीलाल पर निशाना कहा अब नरेश मीणा के पीछे पड़े हैं

प्रदेश के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को लेकर भी हैं हनुमान बेनीवाल ने बयान दिया कि किरोड़ीलाल मीणा नरेश मीणा के पीछे पड़े हैं। जबकि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। मैं किरोड़ीलाल मीणा के साथ लंबे समय तक रहा। मेरा उनसे काम नहीं था। लेकिन उन्होंने मेरा यूज किया। बेनीवाल ने कहा कि मैंने नरेश मीणा को किरोड़ीलाल मीणा के लिए लाठियां खाते हुए देखा है। डॉक्टर साहब को यहां तो फॉर्मेलिटी कर देनी चाहिए। नरेश को ज़िताओ लेकिन उनकी तो आदत है किसी दूसरे की प्रशंसा स्वीकार नहीं करते।

कोटा में पूर्व सीएम अशोक गहलोत के सामने भिड़े धारीवाल और गुंजल के समर्थक

पुलिस ने किया बीच-बचाव

कोटा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी थमने का नाम नहीं ले रही। कोटा में इसका ताजा उदाहरण देखने को मिला। जब पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने ही दो गुटों के समर्थक आपस में भिड़ गए।

बता दें कि गहलोत अंता विधानसभा उपचुनाव के अंतिम दिन बारां में सभा को संबोधित करने जा रहे थे और कोटा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते ही यह सियासी टकराव शुरू हो गया। जैसे ही गहलोत स्टेशन पर पहुंचे, वैसे ही दो गुटों के बीच जोरदार नारेबाजी शुरू हो गई।

एक ओर पूर्व मंत्री शांति धारीवाल के समर्थक थे, जबकि दूसरी ओर हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए प्रहलाद गुंजल के समर्थक। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश में भिड़ गए। माहौल इतना गरमा गया कि धक्का-मुक्की तक की नौबत आ गई।

स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने बीच-बचाव किया, लेकिन समर्थकों ने पुलिसकर्मियों से भी उलझना शुरू कर दिया। हालांकि, पुलिस ने किसी तरह हालात काबू में किए। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान गहलोत ने चुपचाप अपनी गाड़ी में बैठना ही बेहतर समझा और बिना किसी प्रतिक्रिया के सीधे बारां के लिए रवाना हो गए।

ऐसे में दिलचस्प बात यह रही कि इस पूरे विवाद के दौरान न तो शांति धारीवाल और न ही प्रहलाद गुंजल मौके पर दिखाई दिए। दोनों नेता गहलोत के स्वागत के लिए भी स्टेशन नहीं पहुंचे थे। हालांकि, उनके समर्थक अपने-अपने नेता की ताकत दिखाने में पीछे नहीं रहे।

दरअसल, कोटा में कांग्रेस के भीतर यह गुटबाजी नई नहीं है। गुंजल के कांग्रेस में शामिल होने के बाद से ही उनके और धारीवाल के समर्थकों के बीच वर्चस्व की लड़ाई जारी है। पार्टी के बड़े आयोजनों में अक्सर दोनों पक्ष एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करते हैं। हाल ही में कांग्रेस जिला अध्यक्ष के चयन के दौरान भी यही दृश्य देखने को मिला था, जब दिल्ली से आए पर्यवेक्षकों के सामने कोटा कार्यालय में जमकर हंगामा हुआ था।

अब ऋतु बनावत ने सीएम भजनलाल को लिखा पत्र

आखिर उच्चैन एसडीएम से क्यों नाराज हैं दोनों विधायक

भरतपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। उच्चैन एसडीएम धारा के खिलाफ कार्रवाई की मांग लगातार तेज होती जा रही है। इस प्रकरण में अब बयाना विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने भी हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है। इससे पहले नदबई विधायक जगत सिंह ने भी मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर एसडीएम को हटाने की मांग की थी।

वहीं शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी जिला प्रभारी मंत्री सुरेश रावत के समक्ष प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग उठाई थी। विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने अपने पत्र में लिखा है कि वर्तमान में उच्चैन उपखंड की एसडीएम धारा के संबंध में लगातार जन शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। आरोप है कि वे नागरिकों के कार्यों में अनावश्यक विलंब करती हैं और आमजन के साथ अनुचित व्यवहार करती हैं। इससे सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास कम हो रहा है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि 5 नवम्बर को पंचायत समिति उच्चैन की ग्राम पंचायत फतेहपुर में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान जब ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे तो एसडीएम कार्यक्रम स्थल से अचानक उठकर चली गईं, जिससे लोगों में नाराजगी फैल गई और ग्रामीणों ने विरोधस्वरूप उनका वाहन घेर लिया।

पत्र में विधायक ऋतु बनावत ने लिखा कि अधिकारी की ओर से अपने पद का अनुचित दुरुपयोग करते हुए कुछ ग्रामीणों के विरुद्ध राजकार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज कराया गया, जिसे उन्होंने 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया।

अंत में विधायक ऋतु बनावत ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि समग्र परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एसडीएम धारा के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाए तथा उन्हें किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए।

स्वतंत्र व शांतिपूर्ण मतदान को लेकर सुरक्षा चाक-चौबंद

आचार संहिता लागू होने के बाद करोड़ों जब्त

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि विशेष रूप से सुरक्षा और आचार संहिता के पालन पर फोकस रखते हुए कड़े कदम उठाए गए हैं।

सबसे अहम कार्रवाई चुनाव आचार संहिता के तहत की गई जब्ती है। अब तक कुल 21 करोड़ 21 लाख 12 हजार 312 रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की गई है। इसमें अवैध शराब 19.27 लाख, नशीले पदार्थ 35.46 लाख, फ्रीबीज व अन्य सामग्री 20.55 करोड़ तथा नगद 11.34 लाख शामिल हैं।

मतदान प्रक्रिया को सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। संवेदनशील और क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती होगी। 12 क्विक रेस्पॉन्स टीम, 43 मोबाइल पार्टियां, 43 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 12 पुलिस सुपरवाइजरी अधिकारी, 12 एरिया मजिस्ट्रेट, 4 वरिष्ठ पुलिस पर्यवेक्षक और 4 वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी चुनाव निगरानी में रहेंगे।

अंता उप चुनाव की कुछ झलकियां

क्षेत्र में 13 अंतर्राज्यीय व 5 अंतर जिला नाकों पर लगातार चेकिंग हो रही है। अब तक 4,262 शस्त्र जमा कराए गए, जबकि नाकाबंदी में 8 अवैध हथियार और 5 कारतूस जब्त किए गए हैं। असामाजिक तत्वों पर 1,134 निरोधात्मक कार्रवाई तथा 2,716 लोगों को मुचलके पर पाबंद किया गया है।

अंता विधानसभा क्षेत्र में कुल 268 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहां 2,28,264 पंजीकृत मतदाता मतदान करेंगे। सभी बूथों पर वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

मोबाइल फोन रखने हेतु जूट बैग व हर केन्द्र पर दो वॉलंटियर तैनात किए गए हैं।

दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिकों के लिए रैंप, पेयजल, छाया और व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। इस उपचुनाव में 5 ग्रीन मतदान केन्द्र भी बनाए जा रहे हैं, जिन्हें प्लास्टिक मुक्त रखा जाएगा। मतदान हेतु ईवीएम कमीशनिंग पूरी कर ली गई है। मतदान दलों की रवानगी 10 नवंबर को होगी। मतदान पश्चात जमा सामग्री के लिए 6 काउंटर बनाए गए हैं, जिनमें एक काउंटर महिला व दिव्यांग कर्मियों के लिए विशेष आरक्षित है। 14 नवंबर को राजकीय स्नातकोत्तर महा विद्यालय, बारां में मतगणना होगी, जहां कड़ी सुरक्षा के साथ सीसीटीवी निगरानी रहेगी।

जेल प्रहरी की ऑन ड्यूटी मौत

खून से लथपथ मिला शव

सीने में लगी थी गोली

भीलवाड़ा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। जिला कारागार परिसर जेल में कार्यरत कांस्टेबल का वॉच टावर पर संदिग्ध हालत में शव मिला। मृतक के सीने में गोली लगी थी। पता चलने पर जेल में हड़कंप मच गया।

कोतवाली पुलिस और अधिकारी देर रात मौके पर पहुंचे। आधी रात तक जांच के बाद शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। मामला आत्महत्या का है या अन्य कारण, फिलहाल पुलिस पता लगाने में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, जिला कारागार में आरएसी का कांस्टेबल रामकिशोर मीणा तैनात था। रामकिशोर की ड्यूटी जेल परिसर में ओवरब्रिज के निकट बने वॉच टावर पर थी। रात में अन्य प्रहरी ड्यूटी के लिए वॉच टावर पर गया। वहां से रामकिशोर मृत मिला। उसके सीने में गोली लगी थी और खून से लथपथ था।

जेलकर्मियों को पता लगने पर वहां हड़कंप मच गया। जेल कर्मचारी वहां एकत्र हुए। इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस और जेल के उच्चाधिकारियों को दी गई। सूचना पर पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव, एएसपी पारस जैन, डीएसपी मनीष बडगुजर और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया।

वॉच टावर पर खून फैला हुआ था। पुलिस अधिकारियों ने घटना स्थल का मुआयना किया। जेल प्रहरी के पास हथियार था। दो राउंड फायर हुए। प्रहरी हरमाडा का रहने वाला था। इसकी सूचना परिजनों को दी गई। परिजन देर रात भीलवाड़ा के लिए रवाना हो गए। मामले को संदिग्ध मानते हुए पुलिस जांच कर रही है।

तीन संतान वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रमोशन शुरू

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अब तीन बच्चों वाले सरकारी कर्मचारी और अधिकारियों के प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया है। अब सरकार ने तीन संतानों वालों को प्रमोशन देना शुरू कर दिया है। इसके तहत प्रदेश के पहले लाभार्थी सत्य प्रकाश खत्री हैं, जिन्हें सरकार की बदली हुई इस नीति का लाभ मिलेगा। सत्य प्रकाश अब तहसीलदार से आरएएस बन गए है। सरकार ने उन्हें तीन संतानों के बाद पहला प्रमोशन दिया हैं। राजस्थान में तीन बच्चों वाले सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रमोशन को लेकर यह बड़ा बदलाव है। इससे पहले 2022 तक इन सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन नहीं मिलता था, लेकिन 16 मार्च 2023 को कार्मिक विभाग ने तीन बच्चों वाले अफसर और कर्मचारियों को राहत देते हुए बड़ा बदलाव किया। इसको लेकर विभाग ने नया सर्कुलर जारी किया। इसके बाद 3 संतान वाले कर्मचारियों के प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया। अब सरकार ने तीन संतान वाले कर्मचारी और अधिकारियों को भी प्रमोशन देना शुरू कर दिया है। इस दौरान सरकार ने 21 साल बाद बदली इस नीति का सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को फायदा दिया है। प्रदेश में तीन संतान वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रमोशन का रास्ता साफ होने के बाद सत्य प्रकाश खत्री पहले इसके लाभार्थी होंगे, जिन्हें तहसीलदार से आरएएस के रूप में प्रमोट किया गया हैं।

भीलवाड़ा में लिफ्ट में फंसने से मासूम की मौत, चीखें सुनते रह गए पिता और दादा

भीलवाड़ा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। कोठी फील्ड स्थित व्यवसायी विनोद झंवर की दुकान में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। दुकान में लगी खुली लिफ्ट में फंसने से आठ वर्षीय मासूम आशी झंवर की मौत हो गई। आशी, शोभित झंवर की पुत्री और विनोद झंवर की पौत्री थी।

आशी तीसरी मंजिल पर लिफ्ट से उतर रही थी कि अचानक लिफ्ट नीचे की ओर चल पड़ी। इस दौरान वह लिफ्ट और दीवार के बीच फंस गई। बच्ची के चीखने की आवाज सुनकर पिता और दादा तुरंत ऊपर पहुंचे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

आसपास के लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शाम को गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

यह हादसा खुली लिफ्टों के खतरों को उजागर करता है। कई व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में बेसमेंट से ऊपरी मंजिल तक सामान ढोने के लिए बिना दीवारों और दरवाजों की खुली लिफ्टें लगाई जाती हैं। ऐसी लिफ्टें सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं उतरतीं और कई बार हादसों का कारण बनती हैं।

चलते समय व्यक्ति का कोई अंग या कपड़ा फंस जाने से कुचलने, गंभीर चोट या मौत तक की संभावना रहती है। बच्चों के लिए ये लिफ्टें और भी ज्यादा खतरनाक होती हैं, क्योंकि वे उत्सुकता में इनके किनारों पर खड़े हो जाते हैं। इन लिफ्टों में सुरक्षा कवच, दरवाजे और ऑटो-स्टॉप सिस्टम लगाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं को टाला जा सके।

सीबीआई और 'डिजिटल अरेस्ट' का खौफ!

74 साल के बुजुर्ग से 37 लाख की ठगी, 22 दिन तक घर में रहे नजरबंद

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के करणी विहार थाना क्षेत्र में डिजिटल अरेस्ट और मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर धमकाकर एक वरिष्ठ नागरिक से लाखों रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ठगों ने पीड़ित को फंसाने के लिए उसके आधार कार्ड का दुरुपयोग कर फर्जी सिम जारी करवाने और बैंक खाते से करोड़ों का लेनदेन होने की झूठी कहानी गढ़ी।

करणी विहार पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, बजरी मंडी रोड पर रहने वाले 74 वर्षीय हरीपाल सिंह को 09 अक्टूबर 2025 से 01 नवंबर 2025 के बीच अलग.अलग मोबाइल नंबरों से कॉल आने लगे। इन अज्ञात कॉलर धारकों ने हरीपाल सिंह को बताया कि उनके आधार कार्ड से फर्जी सिम जारी कराकर 2 करोड़ का ट्रांजैक्शन किया गया है। ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर धमकी दी कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है और उन्हें व उनकी पत्नी को गिरफ्तार किया जाएगा। इस डिजिटल अरेस्ट की धमकी से डराकर, ठगों ने पीड़ित हरीपाल सिंह से अलग.अलग बैंक खातों में पैसे डलवाना शुरू कर दिया।

शिकायत के अनुसार अज्ञात आरोपियों ने इस पूरे घटनाक्रम में पीड़ित से कुल 37 लाख 52 हजार 500 रुपये की ठगी की। बार.बार फोन कर और गंभीर परिणाम भुगतने का डर दिखाकर यह धोखाधड़ी की गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चार गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। हांलाकि आरोपियों के बारे में कुछ खास जानकारी पुलिस के पास नहीं हैं।

तीन ठग, एक कार्ड चुराता, दूसरा पिन नंबर देखता तीसरा रुपए निकालता, तीनों आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। प्रताप नगर थाना पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तरराज्यीय गैंग के तीन आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। शिनाख्त परेड के बाद आरोपियों की पहचान उजागर की जाएगी। गैंग ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 50 से अधिक वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 27 हजार रुपए नकद, विभिन्न बैंकों के 132 एटीएम कार्ड और दो एटीएम स्वैप मशीनें बरामद की हैं।

डीसीपी (ईस्ट) संजीव नैन ने बताया कि, 4 अक्टूबर को प्रताप नगर सांगानेर निवासी रामचन्द्र ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया गया कि, वह कुम्भा मार्ग पर सुबह 11 बजे बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम पर कैश निकालने गया था। इसी दौरान वहां खड़े युवकों ने बातों में उलझाकर उसका एटीएम कार्ड बदल लिया। थोड़ी देर बाद उसके खाते से एक लाख रुपए निकाल लिए गए। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की। आरोपियों को पकड़ने में कांस्टेबल गणेश, शंकरलाल सहित अन्य की अहम भूमिका रही।

गोलियों की गूंज के बीच निकली व्यापारी की जान

गैंगवार का खेल; पुलिस ने पकड़े 'छिपे शैतान'!

डीडवाना-कुचामन, 9 नवंबर (एजेंसियां)। शांत दिखने वाली कुचामन की व्यस्त बाजार गली में उस दिन अचानक मौत उतर आई। व्यापारी रमेश रूलानिया अपनी दुकान पर सामान तौल रहे थे, तभी हवा में तीन गोलियों की आवाज गूंजीं। रूलानिया छाती पकड़कर जमीन पर गिर पड़े। चारों ओर अफरातफरी मच गई, लोग भागने लगे, जबकि हत्यारे पलभर में बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। घायल व्यापारी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कोशिश की, लेकिन गोली ने उनकी जान छीन ली।

जांच में सामने आया कि यह कोई सामान्य हत्या नहीं थी, बल्कि रोहित गोदारा और विरेंद्र चारण गैंग का सुनियोजित षड्यंत्र। पुलिस ने खुलासा किया कि गैंग के सरगना विरेंद्र चारण धमकाकर व्यापारियों से वसूली करता था। इस काम में उसके दो खास सिपहसालार सुरेंद्र पालावत (30, खाटूश्यामजी, सीकर) और राहुल माण्डिया (21, आसपुरा, अजीतगढ़, सीकर) पूरी तरह शामिल थे। दोनों ने हत्यारों को पैसे और हथियार मुहैया कराए, साथ ही रेकी भी की। राहुल माण्डिया तो हत्या के दिन खुद कुचामन में मौजूद था।

हाईवे पर चलती कार में लगी आग में जलते मिले लाखों के नोट, हवाला कारोबार का है पैसा!

चित्तौड़गढ़, 9 नवंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ शहर के निकट भीलवाड़ा-उदयपुर सिक्सलेन पर हाईवे पर एक चलती कार में आग लग गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो कार में 500-500 के नोट जलते हुए मिले। दमकल मंगवा कर आग पर काबू पाया गया। सदर थाना पुलिस को मौके पर कार का चालक नहीं मिला। न ही कार में आग लगने को लेकर किसी ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में नकदी जलने के बाद भी उसका कोई मालिक सामने नहीं आना। ऐसे में यह नकदी अवैध कमाई के होने से इनकार नहीं किया जा सकता। हवाला का पैसा होने के अनुमान से भी पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी हुई है। चित्तौड़गढ़ सदर थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह ने बताया कि करीब चार बजे थाने पर सूचना मिली कि रिठौला चौराहे के आसपास एक कार में आग लग गई है।

डीसीपी सेंट्रल जोन ने डीजीपी और सीपी के निर्देश से अवगत कराया

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस उपायुक्त, सेंट्रल जोन के. शिल्पावल्ली द्वारा रेड रोज फंक्शन हॉल में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी और पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर वी.सी. सज्जनार के रणनीतिक दृष्टिकोण के अनुरूप सेंट्रल जोन के अधिकारियों के लिए संचालन रोडमैप को स्पष्ट रूप से रेखांकित करना था। लगभग 600 अधिकारियों को संबोधित करते हुए, डीसीपी ने डीजीपी द्वारा बताए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला- जिसमें निष्पक्ष, दृढ़, मैत्रीपूर्ण और पेशेवर पुलिसिंग पर जोर दिया गया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि डीजीपी का मानना है कि पुलिसिंग का सार नागरिक-केंद्रित, सहानुभूतिपूर्ण और सत्यनिष्ठा से प्रेरित होना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक अधिकारी आचरण और प्रदर्शन दोनों में उच्चतम नैतिक और पेशेवर मानकों का पालन करे। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उपरोक्त सिद्धांतों का निरंतर मार्गदर्शन करने का निर्देश दिया।

हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के संदेश को दोहराते हुए, डीसीपी ने सभी अधिकारियों को याद दिलाया कि हालांकि जनता का एक छोटा सा हिस्सा ही पुलिस स्टेशन जाता है, लेकिन इस तरह की हर बातचीत पूरे विभाग की धारणा को आकार देती है। इसलिए, अधिकारियों को सहानुभूति प्रदर्शित करनी चाहिए, शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुनना चाहिए और पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। उन्होंने पुलिस बल को सामान्य कार्यों को असाधारण तरीके से करने, व्यावसायिकता और सेवा उत्कृष्टता के माध्यम से विश्वास और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। डीसीपी ने व्यक्तिगत और संस्थागत दोनों तरह की साफ-सफाई और अनुशासन के महत्व पर भी जोर दिया। पुलिस थानों में साफ-सफाई और सुव्यवस्था को संगठनात्मक गौरव और सार्वजनिक सम्मान का प्रतीक बताया गया। अधिकारियों से आग्रह किया गया कि वे सार्वजनिक रूप से खुद को स्मार्ट और आत्मविश्वास से पेश करें, जिससे हर समय विभाग की गरिमामय छवि बने। इसके अलावा, डीसीपी ने नियमित सामुदायिक संपर्क, जागरूकता कार्यक्रमों और मानव खुफिया नेटवर्क के प्रभावी विकास के माध्यम से जनसंपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल सक्रिय पुलिसिंग और अपराध रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण हैं। बैठक का समापन करते हुए, डीसीपी के. शिल्पवल्ली ने सभी कर्मियों को याद दिलाया कि चाहे वे ड्यूटी पर हों या नहीं, हर अधिकारी हैदराबाद सिटी पुलिस और तेलंगाना पुलिस की छवि का प्रतिनिधित्व करता है।

धम्माईगुडा स्थित राजस्थानी मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम के आयोजक परबत सोलंकी, शालु, आलोक सोलंकी। अवसर पर मुख्यअीतथि सीरवी समाज अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, चेयरमैन भोलाराम सोलंकी, उपाध्यक्ष मोटाराम बर्फा, सुरेन्द्रसिंह चुडावत, सचिव नेमीचन्द पंवार, सहसचिव नेमाराम काग, कोषाध्यक्ष सुरेश सीरवी, डुंगाराम, छज्जाराम सोलंकी, करन गेहलोत, अमराराम देवड़ा, तेजाराम काग, तिलोकराम सीरवी, लक्ष्मणसिंह राजपुरोहित, खेताराम काकु, देवाराम सीरवी व अन्य।

श्री आईमाताजी वडेर का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 12 दिसंबर को

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एल.बी.नगर बंडलागुडा स्थित सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाताजी मंदिर (वडेर) का सात दिवसीय भव्य प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव श्री आईपंथ के धर्मगुरु परम श्रद्धेय दीवान श्री माधवसिंहजी एवं सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं के तत्वावधान में शुक्रवार 12 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष वेनाराम चोयल व सचिव प्रकाश सेपटा ने संयुक्त रूप से बताया कि समाज बन्धुओं के तत्वावधान में मंदिर का भव्य प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आयोजित किया जाएगा। प्रथम व द्वितीय दिवस दि.6 एवं 7 दिसंबर प्रात: 9.15 बजे जाजम, गणेश स्थापना, मुख्य यजमान द्वारा हवन-यज्ञ एवं रात्रि 9.15 बजे भंवरलाल सीरवी, किशोर मालवीय द्वारा जागरण आयोजित किया जाएगा।

तृतीय दिवस सोमबार दि.8 दिसंबर प्रात: 7.15 बजे से भव्य कलश-यात्रा, हवन-यज्ञ एवं रात्रि 9.15 बजे से किशोर मालवीय व लज्जु चौहान द्वारा जागरण आयोजित किया जाएगा। चतुर्थ दिवस मंगलवार 9 दिसंबर प्रात: वेला में हवन एवं रात्रि 9.15 बजे हेमराज गोयल व हेमलता सियोल द्वारा जागरण एवं विशेष चढावें की बोलियों का आयोजन किया जाएगा। पंचम दिवस बुधवार 10 दिसंबर प्रात: वेला में हवन एवं रात्रि रमेश माली व अनिता जांगिड़ द्वारा जागरण का कार्यक्रम होगा। छठे दिवस गुरुवार 11 दिसंबर प्रात: 9.15 बजे हवन पूर्णाहुति, मध्यान् 1.15 बजे माताजी की बैल एवं दीवान श्री माधवसिंहजी का बधावा, महिला मंडल द्वारा विशाल कलश यात्रा, रात्रि 9.15 बजे से एक शाम श्री आईमाताजी के नाम भव्य जागरण का आयोजन होगा। जिसमें महावीर सांखला भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। एवं मनोज रिया, हेमा-धर्मेन्द्रसिंह, संजु मारवाड़ी विशेष झांकियां प्रस्तुत करेंगे।

सप्तम् दिवस शुक्रवार 12 दिसंबर प्रात: 5.15 बजे आचार्य राज पं.ललित महाराज ओझा एवं कर्माचार्य पं.उमेश शास्त्री के मंत्रोच्चारण से मूर्ती स्थापना, प्राण-प्रतिष्ठा, पाठ स्थापना, कलश स्थापना, ध्वजा, ईण्डा चढाना, अखण्ड ज्योति स्थापना, प्रात: 10.30 बजे से धर्मसभा का आयोजन, दीवान साहब का आर्शीवचन, अतिथियों का सम्मान एवं प्रात: 11.15 बजे से महाप्रसादी का आयोजन कार्यक्रम स्थल पर किया जाएगा। आय-व्यय का लेखा-जोखा कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार एवं प्रचार-प्रसार का कार्य खंगारराम मुलेवा सम्भालेंगे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन के समस्त पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यगण सपरिवार उपस्थित रहेंगे। अध्यक्ष वेनाराम चोयल ने समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन किया है उपरोक्त समस्त कार्यक्रम में सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे व महोत्सव को सफल बनावे। मंच का संचालन शैतानसिंह राजपुरोहित एवं रमेश मालवीय करेंगे।

उपचुनाव के लिए 1,600 पुलिसकर्मियों के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

हिंसा और बूथ कैप्चरिंग रोकने के लिए बहुस्तरीय निगरानी तंत्र लागू

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में 11 नवंबर को मतदान होगा। इसको ध्यान में रखते हुए हैदराबाद पुलिस और चुनाव अधिकारियों ने हिंसा और बूथ कैप्चरिंग की किसी भी संभावना को रोकने के लिए 1,600 से अधिक पुलिसकर्मियों की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। हैदराबाद सिटी पुलिस ने बताया कि सुरक्षा योजना में स्थानीय पुलिस, विशेष इकाइयां, वाहन जांच चौकियां, केंद्रीय बलों की तैनाती और उड़न दस्तों की निगरानी शामिल है।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 क्रिकेट प्रतियोगिता व महिला वर्ग खेल तीसरा चरण सम्पन्न

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के आठवें संस्करण व महिला वर्ग खेल का आज शुभारंभ हुआ। श्री आईमाताजी की तस्वीर पर माल्यर्पण व महाआरती के पश्चात प्रायोजकों व समाज के गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड एवं लीजेंड क्रिकेट ग्राउंड कीसरा में प्रतियोगिता का तीसरा चरण शुरू किया गया।

फ्रेन्डस क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 के तहत समाज के विभिन्न क्षेत्रों की 24 टीमों के मध्य टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच रविवार को खेले गये। महिला वर्ग के खेलों में एथेलेटिक्स तथा पारंपरिक खेल की प्रतियोगिता संपन्न हुई तथा क्रिकेट प्रतियोगिता में तीसरा चरण का उद्घाटन मुकाबला सीरवी किंग इलेवन व शमशाबाद के मध्य खेला गया, जिसमें सीरवी किंग इलेवन विजयी रही। विशाल को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ दि मैच से नवाजा गया। दूसरा मैच रामनगर रायल व अस्टिक मेडचल के बीच खेला गया जिसमे अस्टिक मेडचल की टीम 7 विकेट विजयी रहीं चीरनजीवीं को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। तीसरा मैच करमनघाट वारियर व आईजी फ्रेंड्स क्लब के मध्य खेला गया, जिसमें करमनघाट वारियर की टीम 104 से विजयी रही। भवर सीरवी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। चौथा मैच टी एम जी टाइटंस व सैनिकपुरी के मध्य खेला गया, जिसमें सैनिकपुरी की टीम 8 विकेट से विजयी रही। सुरेश चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। पांचवां मैच कापरा ग्रेट फाइटर व शादनगर स्ट्राइकर के मध्य खेला गया, जिसमें कापरा ग्रेट फाइटर की टीम 3 रनों से विजयी रही। निमिष को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। छठवां मैच सिकंदराबाद व ऑलविन इलेवन के मध्य खेला गया, जिसमें की सिकंदराबाद की टीम 100 रनों से विजयी रही। मनीष को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। अवसर पर प्रतियोगिता के स्पॉनसर व समाज के गणमान्य बन्धु उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का चौथा चरण 16 नवंबर रविवार को होंगा ।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा मासिक सत्संग एवं भंडारा

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आशुतोष महाराज की कृपा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा रविवार को प्रातः 9:30 बजे से 12:30 बजे तक मोदी भवन, अत्तापुर में मासिक सत्संग एवं भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन स्वामी प्रदीपानंद ने किया। उन्होंने शिष्य धर्म के गूढ़ महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु और शिष्य का संबंध केवल शब्दों या परंपरा तक सीमित नहीं, बल्कि यह आत्मा और परमात्मा के मिलन का सेतु है। गुरु के मार्ग पर चलने वाला शिष्य तभी पूर्ण बनता है, जब वह अपने जीवन में सत्संग, साधना, सुमिरन और सेवा को संतुलित रूप से अपनाता है। स्वामी जी ने बताया कि सत्संग हमें सही मार्ग का बोध कराता है, सुमिरन अंतर्मन को पवित्र बनाता है। साधना आत्मा को अनुशासन और स्थिरता प्रदान करती है, जिससे मन और बुद्धि निर्मल बनते हैं। सुमिरन आत्मा को ईश्वरीय स्मृति से जोड़े रखता है, जिससे जीवन में शांति और आत्मबल की वृद्धि होती है। वहीं सेवा हमारे अहंकार को मिटाकर विनम्रता का भाव जगाती है। उन्होंने कहा कि जब शिष्य इन चारों तत्वों को अपने जीवन में धारण कर लेता है, तब वह न केवल आत्मिक रूप से प्रगतिशील होता है, बल्कि समाज में भी प्रेम, शांति और सकारात्मकता का संदेश फैलाता है। सत्संग के उपरांत सभी साधकों ने सामूहिक साधना में भाग लिया और शिष्यों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों ने वातावरण को दिव्यता से ओतप्रोत कर दिया। कार्यक्रम का समापन मंगल आरती और भंडारे के साथ हुआ।

वाद-विवाद के विजेता छात्रों को मिला पुरस्कार

55 से ज्यादा कॉलेजों और 650 से ज्यादा प्रतिभागियों ने लिया भाग

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) हैदराबाद की प्रमुख अंतर-महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता, वाद-विवाद 2025 के विजेता छात्रों को नकद पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

पांच छात्र और एक छात्रा को अंग्रेजी और तेलुगू भाषा के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिया गया। बीते 29 अगस्त को इसके पहले प्रारंभिक दौर से शुरू हुआ यह आयोजन विचारों, जुनून और उद्देश्य के एक शहरव्यापी आंदोलन में बदल गया, जो चार कॉलेजों और दो प्रमुख स्थानों तक फैला हुआ था।

55 से ज्यादा कॉलेजों और 650 से ज़्यादा प्रतिभागियों के साथ, वाद-विवाद ने इस वर्ष के विचारोत्तेजक विषय- "21वीं सदी में भारत और उसकी पहचान: उभरती विश्व व्यवस्था में भारत की पुनर्परिभाषा" पर वाद-विवाद के लिए कुछ प्रतिभाशाली युवा दिमागों को एक साथ लाया। आयोजक संस्था एई फ़ाउंडेशन की संस्थापक एवं निदेशक सुश्री संगीता मिश्रा ने कहा कि अंग्रेजी में प्रचलित अधिकांश वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के विपरीत, वाद-विवाद अपनी समावेशिता के लिए विशिष्ट रहा, प्रतिभागियों को तेलुगु में वाद-विवाद करने के लिए एक समानांतर मंच प्रदान किया। राष्ट्र निर्माण के लिए वाद-विवाद अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। फिर भी, कई छात्र, जो विचारों में प्रतिभाशाली तो हैं, लेकिन तेलुगु में ज़्यादा सहज हैं, पीछे छूट जाते हैं।

वाद-विवाद की स्थापना यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि हर आवाज को अभिव्यक्ति मिले। फाइनल प्रतियोगिता बौद्धिकता और युवा जोश के उत्सव में बदल गई। प्रसिद्ध पटकथा लेखक एवं फिल्म निर्माता वी. विजेंद्र प्रसाद , सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, प्रसिद्ध वक्ता सुरेश कोचट्टिल, एमएलसी एवं उद्योगपति मलका कोमारैया आदि ने इस अवसर पर उपस्थित होकर संवाद के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के एई फाउंडेशन के दृष्टिकोण की सराहना की। वाद-विवाद 2025 के साथ, एई फाउंडेशन ने न केवल एक बहस का आयोजन किया- बल्कि एक ऐसे आंदोलन को जन्म दिया जिसने हैदराबाद के युवाओं को एक सशक्त आवाज दी और 2026 का बेसब्री से इंतजार करने का एक कारण दिया। इस दौरान निर्णायक के रूप में सुरेश कोचचातिल, अजय मिश्रा सेवानिवृत्त आईएएस, वकुलबरम कृष्ण मोहन राव पूर्व चेयरमैन पिछडा वर्ग आयोग तेलंगाना, नेरेला माल्याद्रि सेवानिवृत्त न्यायाधीश रहे।

बिहार एसोसिएशन द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में 25 से ज्यादा जगहों पर बिहार एसोसिएशन द्वारा छठ महापर्व भव्यता से संपन्न कराया गया, जिसके उपलक्ष में संस्था ने सम्मान समारोह का आयोजन कर अपने उन योद्धाओंको सम्मानित किया, जिन्होंने छठ पूजा में बढ़-चढ़ कर भाग लिया था। उक्त जानकारी महासचिव प्रभास कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन अध्यक्ष हरे राम सिंह, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, बिहार फाउंडेशन चैप्टर के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा एवं कार्यकारिणी टीम ने सभी घाटों पर श्रद्धालुओं हेतु अधिक से अधिक सुविधा जुटाने का प्रयास किया। सभी कर्मठ सहयोगियों को संस्था के द्वारा आज सम्मान समारोह आयोजित कर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उनमें चिल्ड्रन पार्क टैंकबंड मुख्य घाट भरत सिंह, उप्पल घाट रविशंकर सिंह, दिलीप कुमार, नागौल घाट- एके मौर्य, शमीरपेट घाट- मनोज कुमार दीपक पांडा एवं चौधरी पंडित, हसमतपेट घाट- उत्तम यादव, पठान चेरु घाट- किशन प्रसाद, शमशाबाद घाट- नंदलाल चौहान एवं संजय कुमार यादव, मियांपुर घाट- प्रेम शंकर सिंह, सुराराम घाट- दिनेश सिंह, जीड़िमेटला घाट सौरव सिंह, बोलाराम घाट अखिलेश सिंह अमीनपुर छठ घाट गोपाल शाह एवं मियां पुर छठ घाट हेतु अखिलेश सिंह को सम्मानित किया गया।

तेलंगाना के लोगों से करोड़ लूट रहे हैं साइबर अपराधी : पुलिस आयुक्त

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने साइबर धोखाधड़ी करने वालों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर साइबर धोखेबाज निर्दोष लोगों को ठगते हैं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी।

रविवार को हैदराबाद नगर पुलिस के तत्वावधान में साइबर अपराध नियंत्रण पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डीजीपी शिवधर रेड्डी और हैदराबाद पुलिस आयुक्त सज्जनार भी शामिल हुए। सज्जनार ने इस अवसर पर भाषण दिया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद नगर पुलिस के तत्वावधान में साइबर अपराध नियंत्रण पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्यक्रम लोगों में डिजिटल अपराधों और साइबर धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि हर दिन लाखों की संख्या में साइबर धोखाधड़ी हो रही है। उन्होंने कहा कि कई लोग निवेश करने के बाद कई ऐप्स के ज़रिए ठगे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने डिजिटल गिरफ्तारी के बारे में भी जागरूकता पैदा की है। सीपी सज्जनार ने लोगों को नकली ऐप्स में निवेश करने से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि लोगों को मुख्य रूप से डिजिटल अपराधों और साइबर धोखाधड़ी के ज़रिए ठगा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एपीके फ़ाइलों के कारण भी पैसे गंवा रहे हैं। उन्होंने किसी भी धोखाधड़ी के तुरंत बाद 1930 पर कॉल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी पूरे तेलंगाना में एक दिन में एक करोड़ रुपये तक लूट रहे हैं।

पिटफॉल्स वन मिशन थीम पर दौड़ आयोजित

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सट्टेबाजी, लोन ऐप्स, मोबाइल की लत और जंक फूड को खत्म करने के लिए, स्लेट द स्कूल के तत्वावधान में स्लेट स्मार्ट स्टार्ट 5के अगेंस्ट 5 पिटफॉल्स वन मिशन थीम पर दौड़ आयोजित की गई। सेंट्रल ज़ोन की डीसीपी शिल्पवल्ली ने स्कूल निदेशक अमरनाथ वासीरेड्डी और बजरंग सेना के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण राव के साथ दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नेकलेस रोड जल विहार से पीपुल्स प्लाजा तक आयोजित इस दौड़ में बड़ी संख्या में स्कूली छात्रों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डीसीपी शिल्पवल्ली ने कहा कि आधुनिक समाज में, खासकर युवा वर्ग विनाशकारी शक्तियों से प्रभावित हो रहा है जो स्वास्थ्य, स्थिरता और भविष्य जैसे पहलुओं को नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावक, छात्र और समाज इन दिनों मानव जीवन को प्रभावित करने वाली पांच प्रमुख समस्याओं का सामना कर रहे हैं। जुआ, लोन ऐप्स, जंक फ़ूड, मोबाइल की लत और रटंत विद्या तथा पठन-पाठन पर आधारित शिक्षा को ही बढ़ावा देना चाहिए।

भारत की आदर्श गौशाला ने 25 वर्ष पूरे किए

अन्नकूट महोत्सव और कई अन्य कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सर्वश्रेष्ठ गौशाला (गौ निवास) सत्यम-शिवम-सुंदरम गौ निवास, गगनपहाड़ ने रविवार को अपनी सेवा के 25 गौरवशाली वर्ष पूरे किए। इस अवसर को चिह्नित करने और इसे मनाने के लिए, पंचकुंडात्मक चंडी हवन के साथ-साथ अन्नकूट महोत्सव और कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। पंचकुंडात्मक चंडी हवन रामनाथ आश्रम के पूज्य 1008 श्री सेवा रामजी (बापजी महाराज) के आशीर्वाद से पूज्य पंडित हरिश्चंद्रकुलकर्णी द्वारा किया गया। अन्नकूट प्रसादम सेवा सुबह से शाम तक जारी रही। कुमारी ईशा जैन द्वारा कथक नृत्य प्रस्तुत किया। सुश्री पूर्वा गुरु (अखिल भारतीय प्रसिद्ध गायिका), अरुण धधीची और भजन सम्राट अरुण देव ने मधुर भजन प्रस्तुत किए। इन सभी कार्यक्रमों में एक व्यक्ति ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। वह हैं 85 वर्षीय युवा धर्मराज रांका, जो भारत के सबसे पूजनीय पशु गाय की रक्षा के मिशन पर हैं। वे दक्षिण भारत की सबसे बड़ी और भारत की सबसे अच्छी तरह से रखरखाव वाली गौशाला, सत्यम शिवम सुंदरम गौशाला के संस्थापक हैं। ऐसी उम्र में जब ज़्यादातर लोग सुस्त पड़ जाते हैं, 85 वर्षीय परोपकारी और जौहरी धर्मराज रांका, जो अब गौ-रक्षक बन गए हैं, गगनपहाड़ स्थित सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास में आश्रय प्राप्त 6,000 से ज्यादा गायों, बछड़ों और बैलों के कल्याण के लिए अथक सेवा कर रहे हैं।

करुणा और आस्था के इस उत्सव में 15000 (पंद्रह हज़ार) से ज्यादा श्रद्धालु, पशु प्रेमी और शुभचिंतक शामिल हुए। सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास के संस्थापक धर्मराज रांका ने कहा कि हम पंचकुंडात्मक चंडी हवनम न केवल आध्यात्मिक सद्भाव के लिए, बल्कि प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भी कर रहे हैं। यह अब सिर्फ़ ग्लोबल वार्मिंग नहीं रहा- यह एक वैश्विक चेतावनी बन गया है। इस पवित्र अग्नि के माध्यम से, हम मानवता को याद दिलाना चाहते हैं कि प्रकृति की रक्षा ही सच्ची पूजा है। सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास (गगनपहाड़) और इसका सहयोगी केंद्र सत्यम शिवम सुंदरम गौकेंद्र (बुर्जुगड्डा) आज भारत की आदर्श गौशालाओं के रूप में उभरे हैं- जहां आधुनिक देखभाल प्राचीन करुणा से मिलती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जसप्रीत बुमराह नहीं, इन दो भारतीय मैच विनर्स को पछाड़ा तो वर्ल्ड कप 2026 पक्का!

आर अश्विन ने किया बड़ा दावा

चेन्नई, 9 नवंबर (एजेंसियां)। 2026 में टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन भारत में होने वाला है. डिफेंडिंग चैंपियन टीम इंडिया पर सभी की नजर होगी. पहले के मुकाबले भारतीय स्क्वाड पूरी तरह से बदल गया है. अब टीम इंडिया के पास कुछ नए मैच विनर हैं. टीम इंडिया 2026 का वर्ल्ड कप भी जीतने की प्रबल दावेदार नजर आ रहा है. आर अश्विन ने अब भारतीय टीम के दो धुरंधरों का नाम बताया है, जिन्हें अगर क्रिकेट के मैदान पर अन्य टीमों ने पछाड़ा, तो वो वर्ल्ड कप 2026 के चैंपियन बन सकते हैं.

किन भारतीय मैच विनर्स पर कसना होगा शिकंजा?

आर अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर 2026 के टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि बुमराह को एक समय वो बड़ा खतरा मानते थे लेकिन अभी के समय में वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा को पीछे

छोड़ना हर टीम को फायदा कराएगा. उन्होंने कहा, 'भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में किसी भी टीम को जीतना है, तो उन्हें दो चीजें करनी होंगी. मैं अभी तक जसप्रीत बुमराह को संभालने के बारे में कह रहा था. हालांकि, अब मैं कहूंगा कि जिस तरह से टिम डेविड को वरुण चक्रवर्ती ने हैंडल किया.'

आर अश्विन ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि अगर उन्हें टीम इंडिया को हराना है, तो अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती को पछाड़ना होगा. अभिषेक शर्मा के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज में एक प्लान उपयोग किया था और वो इसे जारी रखेंगे. वर्ल्ड कप के लिए जो कोई भी आ रहा है, वो वरुण चक्रवर्ती के खिलाफ भी वैसे ही तैयारी करेगा क्योंकि उन्हें वर्ल्ड कप में फायदा होगा.'

अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती मचा रहे हैं तहलका

अभिषेक शर्मा, जहां अपनी बल्लेबाजी से बवाल काट रहे हैं, तो वरुण चक्रवर्ती अपनी स्पिन गेंदबाजी का दम दिखा रहे हैं. अभिषेक का टी20 अंतर्राष्ट्रीय में रिकॉर्ड काफी अच्छा है. उन्होंने अब तक 29 मैच खेले हैं और 37.48 के शानदार औसत से बल्लेबाजी करते हुए 1012 रन बनाए हैं. उनका स्ट्राइक रेट 189.51 का है और वो 2 शतक एवं 6 अर्धशतक लगा चुके हैं.

वरुण चक्रवर्ती की बात करें, तो उन्होंने भी 29 मैच खेले हैं और 45 विकेट अपने नाम किए हैं. उनकी इकोनॉमी 6.88 की है और वो दो बार 5 विकेट हॉल ले चुके हैं. अभिषेक जहां ICC टी20 रैंकिंग के नंबर 1 बल्लेबाज हैं, तो वहीं वरुण चक्रवर्ती नंबर 1 गेंदबाज हैं. दोनों अन्य टीमों के लिए वर्ल्ड कप में जरूर बड़ा खतरा बनेंगे.

ध्रुव जुरेल को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में नहीं मिलेगी जगह?

मुंबई, 9 नवंबर (एजेंसियां)। ये सच है कि ध्रुव जुरेल ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ 4 दिनी मैच में अच्छा परफॉर्म किया है. ये सच है कि उन्होंने लगातार दो पारियों में नाबाद शतक लगाए हैं. लेकिन, इसके बावजूद साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह बनती नहीं दिखती. जी नहीं, ऐसा हम नहीं कह रहे. बल्कि विकेटकीपर बल्लेबाज जुरेल को लेकर ऐसा कहना है भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का.

पंत होंगे पहले विकेटकीपर, जुरेल नहीं- रैना

सुरेश रैना ने स्टार स्पोर्ट्स के शो में ध्रुव जुरेल के टीम में पोजिशन पर बात की. जब उनसे इसे लेकर सवाल हुआ तो उनका सीधा जवाब था कि पहले विकेटकीपर तो ऋषभ पंत ही होंगे. इसके बाद एंकर ने रैना से पूछा कि क्या वो बतौर बल्लेबाज खेल सकते है? इस पर रैना ने

पूरा कॉम्बिनेशन बता दिया, मगर उनके बनाए कॉम्बिनेशन में लगातार 2 शतक ठोकने वाले ध्रुव जुरेल कहीं फिट होते नहीं दिखे.

बतौर बल्लेबाज भी खेल पाना मुश्किल

सुरेश रैना के मुताबिक टेस्ट में टीम इंडिया का टॉप ऑर्डर पहले से ही सेट है, जिसमें शुभमन गिल हैं, यशस्वी हैं. साई सुदर्शन, केएल राहुल जैसे बल्लेबाज हैं. उसके बाद ऋषभ पंत और फिर रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल आ जाते हैं.

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मैच ईडन गार्डन्स पर खेला जाना है. सुरेश रैना ने कहा कि अगर हम ईडन की पिच के मिजाज से देखें तो वहां भारत 3 स्पिनर जरूर खिलाएगा, जिसमें एक कुलदीप यादव भी हो सकते हैं. उस सूरत में अक्षर पटेल बाहर बैठ सकते हैं. लेकिन, कहीं से भी ध्रुव जुरेल, साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की टीम में फिट होते नहीं दिखते.

सुरेश रैना की बातों से साफ है कि ध्रुव जुरेल साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा तो जरूर हैं. मगर साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ लगातार 2 शतक ठोकने के बाद भी उनके लिए प्लेइंग इलेवन में जगह बना पाना फिलहाल मुमकिन नहीं दिख रहा.

फ्रेडरिक स्वेन से हारकर विश्व चैंपियन गुकेश बाहर

एरिगेसी और प्रज्ञानंद अंतिम-32 में पहुंचे

गोवा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन डी गुकेश शतरंज विश्व कप के तीसरे दौर में जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। गुकेश को तीसरे दौर की दूसरी बाजी में पराजय का सामना करना पड़ा। वहीं, अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अर्जुन एरिगेसी और प्रज्ञानंद ने क्रमशः उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव और आर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान को हराकर अंतिम-32 चरण में जगह बनाई।

इससे पहले भारतीय ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा और वी. प्रणव भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर अंतिम-32 में पहुंच चुके हैं। हरिकृष्णा ने बेल्जियम के डेनियल दर्धा को 1.5-0.5 से हराया, जबकि प्रणव ने लिथुआनिया के टिटास स्ट्रेमाविसियस को समान अंतर से मात दी। हरिकृष्णा टूर्नामेंट के अंतिम-32 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने शुरुआती बाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त हासिल की और दूसरे गेम में बढ़त बरकरार रखी। प्रणव ने भी पहले काले मोहरों से मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त किया और फिर सफेद मोहरों से निर्णायक जीत दर्ज की।

हालांकि, दिप्तयान घोष का सफर तीसरे दौर में समाप्त हो गया। उन्होंने आर्मेनिया के गैब्रियल सर्गिसियन के खिलाफ पहला गेम ड्रॉ खेला, लेकिन दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। पिछले दौर में रूस के दिग्गज इयान नेपोमनियाची को हराने वाले दिप्तयान 0.5-1.5 से पराजित हुए और प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

जोकोविच ने एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लिया

रिबाकिना ने सबालेंका को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता

रियाद, 9 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ियों में शुमार नोवाक जोकोविच ने एथेंस में शानदार जीत दर्ज करने के कुछ ही घंटों बाद एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेकर फैंस को चौंका दिया।

जोकोविच ने इटली के लोरेंजो मुसेटी को तीन घंटे चले रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 7-5 से हराकर हेलैनिक चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। यह उनके करियर का 101वां खिताब और हार्ड कोर्ट पर 72वां रिकॉर्ड टाइटल था, जिससे उन्होंने रोजर फेडरर को पीछे छोड़ दिया।

हालांकि, जीत के बाद जोकोविच ने सोशल मीडिया पर घोषणा की, 'मुझे दुख है कि मुझे चल रही चोट की वजह से एटीपी फाइनल्स से हटना पड़ रहा है। स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी।' इस फैसले

के बाद मुसेटी अब उनकी जगह ट्यूरिन (इटली) में खेले जाने वाले एटीपी फाइनल्स में शामिल होंगे। जोकोविच पहले भी 2024 में चोट के कारण यह टूर्नामेंट मिस कर चुके हैं। 38 साल के जोकोविच ने कहा कि यह मुकाबला बेहद थकाने वाला था, लेकिन खुद पर गर्व है कि ऐसे कठिन मैच को जीत सका।

यह मुकाबला कई बार ब्रेक से भरा रहा और आखिरी सेट में पांच बार सर्विस टूटने के बाद जोकोविच ने सर्विस विनर से जीत पक्की की। इस जीत के साथ उन्होंने एक बार फिर साबित किया कि उम्र उनके लिए केवल एक संख्या है, लेकिन लगातार चोटें अब उनके करियर की सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं।

रिबाकिना ने सबालेंका को हराकर रचा इतिहास

महिला टेनिस में इस हफ्ते की सबसे बड़ी खबर रही एलेना रिबाकिना की ऐतिहासिक जीत। रियाद (सऊदी अरब) में खेले गए WTA फाइनल्स में रिबाकिना ने विश्व नंबर-एक सबालेंका को 6-3, 7-6 (0) से हराकर खिताब जीता। कजाखस्तान की 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारा (5-0) और इस जीत के साथ उन्होंने महिला खेल इतिहास की सबसे बड़ी इनामी राशि 5.23 मिलियन डॉलर हासिल की।

रिबाकिना ने पूरे टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हुए इगा स्वियातेक, अमांडा एनिसिमोवा, और जेसिका पेगुला जैसी दिग्गजों को हराया। रिबाकिना ने मैच के बाद कहा, 'मुझे उम्मीद नहीं थी कि इतना आगे जाऊंगी। यह हफ्ता अविश्वसनीय रहा।'

सबालेंका के लिए यह फाइनल हार निराशाजनक रही, लेकिन उन्होंने लगातार दूसरे साल विश्व नंबर-1 रैंकिंग बरकरार रखी। इस साल उन्होंने यूएस ओपन सहित चार खिताब जीते और ऑस्ट्रेलियन ओपन व फ्रेंच ओपन दोनों के फाइनल तक पहुंचीं।

लिएंडर पेस अब करेंगे बंगाल टेनिस का नेतृत्व

संघ के अध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने बंगाल टेनिस संघ (बीटीए) के अध्यक्ष पद का कार्यभार औपचारिक रूप से संभाल लिया। उन्होंने हिरण्मय चटर्जी का स्थान लिया। बीटीए की वार्षिक आम बैठक के बाद पेस ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण की। उन्हें पिछले महीने संघ के प्रमुख पद के लिए सर्वसम्मति से चुना गया था। पुरुष और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन पेस पहले बीटीए के मानद उपाध्यक्ष थे। उन्होंने कहा कि वे बंगाल टेनिस को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संन्यास से लौटे खिलाड़ी ने वनडे में धोनी की तरह बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

10 छक्के, 20 चौके, ठोके 239 रन

फैसलाबाद, 9 नवंबर (एजेंसियां)। कहते हैं खिलाड़ी खेल छोड़ देता है पर खेलना नहीं भूलता. और, इसके बेहतरीन उदाहरण हैं साउथ अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ खत्म हुई वनडे सीरीज में संन्यास ले लेने के 2 साल बाद वापसी की थी. मगर क्या खेल दिखाया. वो ऐसे खेले मानो जैसे क्रिकेट के वनडे फॉर्मेट से कभी दूर हुए ही नहीं थे. साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज ने संन्यास से वापसी करते हुए पाकिस्तान दौरे पर खेली वनडे सीरीज में 239 रन बनाए. लेकिन, बात वहीं खत्म नहीं हुई. उसके बाद उन्होंने धोनी की तरह वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया.

डिकॉक ने 30 छक्के-चौके के साथ ठोके 239 रन

पाकिस्तान के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज साउथ अफ्रीका 1-2 से हार गया. टीम के लिए नतीजा बेशक उसके फेवर में नहीं रहा. लेकिन, क्विंटन डि कॉक इस सीरीज के हीरो बनकर उभरे. उन्होंने सीरीज के 3 वनडे में 239 रन बनाए. क्विंटन डि कॉक ने ये रन

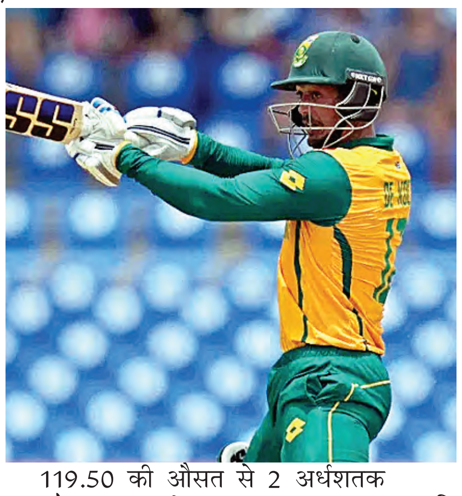

119.50 की औसत से 2 अर्धशतक और 1 शतक के साथ बनाए. डिकॉक ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में 30 छक्के-चौके जमाए, जिसमें 20 चौके और 10 छक्के शामिल रहे.

डिकॉक ने की धोनी के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी

संन्यास से वापसी के बाद पहली वनडे सीरीज, और उसमें ही बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज दमदार प्रदर्शन.

डिकॉक के इसी कमाल को देखते हुए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया. इसी के साथ उन्होंने धोनी के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली. ये बराबरी बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वनडे में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने को लेकर है.

धोनी – डिकॉक ने 7-7 बार किया ये कमाल

वनडे क्रिकेट में अब तक सबसे ज्यादा 7 प्लेयर ऑफ सीरीज अवॉर्ड बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी ने जीते थे. उन्होंने ये कामयाबी अपने करियर में खेले 350 मैचों में हासिल की थी.

अब क्विंटन डि कॉक ने धोनी की बराबरी कर ली. उन्होंने भी पाकिस्तान के खिलाफ अपने वनडे करियर का 7वां प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता. डिकॉक ने हालांकि 7 प्लेयर ऑफ सीरीज अवॉर्ड 159 मैचों में ही हासिल किए हैं.

आकाश ने लगातार 8 गेंदों पर 8 छक्के लगाए

11 बॉल में फास्टेस्ट फिफ्टी, युवराज-शास्त्री का रिकॉर्ड तोड़ा

सूरत, 9 नवंबर (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी में मेघालय के बल्लेबाज आकाश चौधरी ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ लगातार 8 गेंदों पर 8 छक्के मारकर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड भी बनाया।

सूरत में चल रहे रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में रविवार को क्रिकेट इतिहास का एक बड़ा रिकॉर्ड बना। मेघालय के बल्लेबाज आकाश कुमार चौधरी ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ लगातार 8 गेंदों पर 8 छक्के जड़कर ऐसा कारनामा किया, जिसे आज तक किसी ने नहीं किया था। इस पारी की बदौलत वे फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक जमाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। 25 वर्षीय आकाश चौधरी ने महज 14 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए। उन्होंने यह अर्धशतक केवल 11 गेंदों में पूरा किया, जो फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अब तक का सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी वेन नाइट के नाम था, जिन्होंने 2012 में 12 गेंदों में 50 रन बनाए थे। क्रिकेट इतिहास में अब तक कई बार एक ओवर में 6 छक्के लगे हैं, लेकिन लगातार 8 गेंदों पर 8 सिक्स पहली बार लगे हैं। इससे पहले 6 गेंदों पर 6 छक्कों का रिकॉर्ड गैरी सोबर्स (1968) और रवि शास्त्री (1984-85) के नाम था। फैंस ने इस रिकॉर्ड के बाद 2007 टी-20 वर्ल्ड कप की याद ताज़ा की, जब युवराज सिंह ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में लगातार 6 छक्के लगाए थे।

2019 से खेल रहे हैं फर्स्ट क्लास क्रिकेट

आकाश चौधरी 2019 से फर्स्ट क्लास क्रिकेट का हिस्सा हैं। अभी तक खेले गए 30 मैचों में उन्होंने 503 रन बनाए हैं। गेंदबाज़ी में भी वे उपयोगी।

मेजर लीग सॉकर कप में मेसी का जलवा

दागे दो गोल, नैशविले पर जीत से इंटर मियामी ईस्ट सेमीफाइनल में

फोर्ट लाउडरडेल, 9 नवंबर (एजेंसियां)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दो गोल और दो गोल में मदद करने से इंटर मियामी ईस्टर्न कांफ्रेंस प्लेऑफ सीरीज के पहले दौर के निर्णायक तीसरे मैच में तीसरी वरीयता प्राप्त नैशविले एससी को 4-0 से हराकर ईस्ट सेमीफाइनल्स में पहुंच गया।

इससे अब मेसी और इंटर मियामी एमएलएस कप खिताब से तीन जीत दूर हैं। मेसी ने पहले हाफ में दो गोल दागे जबकि तादेओ अलेंदे को दूसरे हाफ में दो गोल करने में मदद की। इस तरह इंटर मियामी ने सीरीज में नैशविले को 8-3 से हरा दिया।

मेसी ने इन सभी आठ गोल में योगदान दिया जिनमें से पांच गोल

उन्होंने किए और बाकी तीन गोल करने में मदद की। इंटर मियामी अब ईस्ट सेमीफाइनल मैच के लिए एफसी सिनसिनाटी से भिड़ेगा। यह नॉकआउट होगा।

इंटर मियामी और सिनसिनाटी का विजेता ईस्ट फाइनल में शीर्ष वरीय फिलेडेल्फिया यूनियन और पांचवें वरीय न्यूयॉर्क सिटी एफसी के बीच होने वाले विजेता से भिड़ेगा। एमएलएस कप फाइनल छह दिसंबर को होगा।

न्यूजीलैंड बनाम वेस्टइंडीज : तीसरे टी20 मैच में कीवी टीम की रोमांचक जीत, सीरीज में बनाई बढ़त

नेल्सन, 9 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को नेल्सन में खेले गए तीसरे टी20 मैच को 9 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ कीवी टीम ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 9 विकेट खोकर 177 रन बनाए। टिम रॉबिनसन और डेवोन कॉन्वे ने पहले विकेट के लिए 5.5 ओवरों में 47 रन की साझेदारी की।

रॉबिनसन 21 गेंदों में 2 चौकों के साथ 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद कॉन्वे ने रचिन रवींद्र के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 गेंदों में 50 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति

में ला दिया।

रचिन 15 गेंदों में 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि कॉन्वे ने 34 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 56 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, डेरिल मिचेल ने 41 रन का योगदान दिया।

विपक्षी टीम की ओर से मैथ्यू फोर्ड और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर ने 1-1 विकेट निकाला।

इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 19.5 ओवरों में 168 रन पर सिमट गई। इस टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज आमिर जंगू महज 5 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान शाई होप (1) भी पवेलियन लौट गए। टीम 15 रन तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी।

यहां से एकीम ऑगस्टे ने एलिक अथानाजे के साथ तीसरे विकेट के लिए 38 रन जुटाते हुए पारी को संभालने की कोशिश की। अथानाजे 23 गेंदों में 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

शेपर्ड ने शमर स्प्रिंगर के साथ 9वें विकेट के लिए 39 गेंदों में 78 रन की साझेदार की। शेपर्ड 34 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 49 रन बनाकर आउट हुए, जबकि स्प्रिंगर ने 39 रन की पारी खेली।

विपक्षी टीम की ओर से जैकब डफी और ईश सोढ़ी ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि काइल जेमीसन, मिचेल ब्रेसवेल और मिचेल सेंटनर ने 1-1 विकेट निकाला।

वेस्टइंडीज ने ऑकलैंड में खेले गए पहले टी20 मैच को 7 रन से अपने नाम किया था। इसके बाद इसी मैदान पर न्यूजीलैंड ने दूसरे टी20 मैच को 3 रन से जीतकर वेस्टइंडीज को करारा जवाब दिया।

मुकेश अंबानी ने तिरुमाला में आधुनिक रसोई बनवाने की घोषणा की

प्रति दिन 2 लाख से ज्यादा लोगों को मिलेगा पवित्र भोजन

तिरुपति, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने तिरुमला में श्री वेंकटेश्वर अन्न प्रसादम ट्रस्ट को समर्पित एक आधुनिक, उन्नत रसोई के निर्माण की घोषणा की है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के साथ साझेदारी में और आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से निर्मित इस रसोई में स्वचालित तकनीक का इस्तेमाल होगा जो प्रतिदिन 2,00,000 से ज्यादा लोगों के लिए पवित्र भोजन तैयार करने और परोसने में सक्षम होगी।

मुकेश अंबानी ने तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना की : मुकेश अंबानी रविवार को तिरुमाला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर गए, जहां उन्होंने सुबह की सुप्रभात सेवा में भाग लिया और भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था की।

वैदिक आशीर्वाद और पवित्र प्रसाद से सम्मानित : दर्शन के बाद, पुजारियों ने अंबानी को रेशमी वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया और मंदिर परिसर के रंगनायकुला मंडपम में वेदशिर्वचनम (वैदिक आशीर्वाद) किया।

उन्हें दिव्य आशीर्वाद और कृपा के प्रतीक के रूप में तीर्थ प्रसाद और भगवान वेंकटेश्वर का चित्र भी भेंट किया गया। यह यात्रा अंबानी के लिए एक और आध्यात्मिक उपलब्धि है, जिन्होंने भारत भर के प्रतिष्ठित मंदिरों में प्रार्थना और परोपकारी सहयोग के माध्यम से गहरी श्रद्धा प्रदर्शित की है।

आस्था और परंपरा का निर्वाह : तिरुमाला आस्था, करुणा और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। इस परियोजना के माध्यम से, अंबानी सभी टीटीडी मंदिरों में अन्न सेवा परंपरा का विस्तार करने के उद्देश्य में योगदान दे रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक भक्त को भक्ति और देखभाल के साथ तैयार किया गया पौष्टिक प्रसाद मिले। यह पहल तिरुमाला के आध्यात्मिक मिशन के मूल सिद्धांत को दर्शाती है- यह सुनिश्चित करना कि कोई भी भक्त कभी भूखा न रहे।

आभार और व्यापक समर्थन : मुकेश अंबानी ने टीटीडी और आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने केरल के गुरुवायुर श्री कृष्ण मंदिर को 5 करोड़ का दान देकर अपने धर्मार्थ प्रयासों को भी आगे बढ़ाया, जिससे भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के समर्थन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उजागर हुई।

विरोध और राजनीतिक दबाव के बाद मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनप्रतिनिधियों, हिंदू संगठनों और अन्य वर्गों के बढ़ते दबाव का सामना करते हुए, रामगुंडम नगर निगम के अधिकारियों ने निगम सीमा के भीतर ध्वस्त किए गए दारी मैसम्मा मंदिरों का पुनर्निर्माण शुरू कर दिया है। पुनर्निर्माण कार्य शनिवार रात को शुरू हुआ। अधिकारियों ने हाल ही में गोदावरीखानी शहर में विभिन्न स्थानों पर सड़कों पर स्थित 46 मैसम्मा मंदिरों को हटा दिया था। इस तोड़फोड़ से नाराज, हिंदू इक्या वेदिका के तत्वावधान में विभिन्न हिंदू संगठनों ने मंदिरों को हटाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने अन्य धर्मों से संबंधित संरचनाओं को हटाए बिना हिंदू मंदिरों को ध्वस्त करने के लिए अधिकारियों की आलोचना की। उन्होंने अधिकारियों को 48 घंटे के भीतर ध्वस्त मंदिरों का पुनर्निर्माण करने का अल्टीमेटम दिया और चेतावनी दी कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो वह जुबली हिल्स उपचुनाव के बाद गोदावरीखानी जाएंगे और सड़क पर स्थित सभी मस्जिदों को ध्वस्त कर देंगे। पेद्दापल्ली के सांसद जी वंशीकृष्णा ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और मंदिरों को हटाकर हिंदू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए नगर निगम अधिकारियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह इस मामले को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और आईटी एवं उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू के संज्ञान में लाएंगे।

कोल्लूर कॉलोनी के निवासियों से किए गए वादों को 24 घंटे के भीतर पूरा किया : पोंगुलेटी

अन्य समस्याओं का जल्द ही समाधान किया जाएगा : मंत्री

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास, सूचना एवं नागरिक मामलों के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि हमने एक सप्ताह पहले सरकार द्वारा कोल्लूर कॉलोनी के निवासियों से किए गए वादों को 24 घंटे के भीतर लागू करना शुरू कर दिया है, जो मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के शासन का प्रमाण है। संगारेड्डी जिले की कोल्लूर कॉलोनी में लगभग 16,000 परिवारों के 48,000 से अधिक लोग रहते हैं।

एक सप्ताह पहले कॉलोनी का दौरा करने वाले मंत्री पोंगुलेटी ने अन्य मंत्रियों द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद रविवार को एक और बैठक की।

बैठक में सहयोगी मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन, खम्मम के सांसद राम सावन रघु कुमार रेड्डी, पूर्व एमएलसी भूपति रेड्डी, पार्षद भरत और अन्य नेताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री पोंगुलेटी ने कहा कि सरकार कोल्लूर डबल बेडरूम कॉलोनी पर ईमानदारी से काम कर रही है और एक सप्ताह पहले किए गए वादे के अनुसार, कॉलोनी निवासियों की कई समस्याओं का 24 घंटे के भीतर समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि चावल के लाभार्थियों के लिए कॉलोनी में एक राशन की दुकान स्थापित की गई है और कॉलोनी में प्रवेश के लिए आरटीसी बसों की व्यवस्था की गई है। कॉलोनी निवासियों की सुरक्षा के लिए एक स्थायी पुलिस स्टेशन का निर्माण किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि 24 घंटे के भीतर एक अस्थायी आउटलेट पुलिस स्टेशन स्थापित किया गया है।

उन्होंने कहा कि एक अस्पताल के निर्माण की आधारशिला पहले ही रखी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति के लिए दो एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि कॉलोनी में तुरंत स्पीड ब्रेकर और सेंट्रल लाइटिंग लगाई जाएगी और एक कब्रिस्तान बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि गृह ज्योति योजना के तहत कॉलोनी में रहने वाले सभी गरीबों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाएगी और अगले महीने से यहां व्यवस्था की जा रही है ताकि बुजुर्गों को बिना किसी परेशानी के पेंशन मिल सके। मंत्री पोंगुलेटी ने दोहराया कि कॉलोनी में दुकानों की स्थापना के लिए जल्द ही निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी और कहा कि यदि और विकास कार्यक्रम शुरू करने हैं तो कॉलोनी के निवासियों को एक समिति बनानी चाहिए।

जुबली हिल्स उपचुनाव प्रचार अभियान के अंतिम दिन राजनीतिक दलों ने ताकत झोंकी

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव प्रचार अभियान के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही, रविवार को राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए आखिरी क्षणों में ज़ोरदार प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। इस निर्वाचन क्षेत्र में गतिविधियों में तेजी देखी जा रही है। सड़कों पर रैलियां, भाषण और घर-घर जाकर प्रचार का बोलबाला है। समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने शाम 5 बजे की प्रचार समय सीमा से पहले वोट सुनिश्चित करने के लिए पड़ोस में जाकर पर्चे बांटे और निवासियों से सीधे संपर्क किया। इस दौरान आरोपों का दौर जारी है। माहौल उत्साह से भरा था, झंडे लहरा रहे थे और नारे सड़कों पर गूंज रहे थे, जैसे-जैसे उम्मीदवार अपनी अंतिम अपीलें कर रहे थे। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने विशेष रूप से कृष्ण कांत पार्क के आसपास मजबूत उपस्थिति बनाए रखी, जहां नेता और स्वयंसेवक पिछले तीन सप्ताह से लगातार अभियान चला रहे थे। भाजपा और कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की टीम स्थानीय मतदाताओं को जोड़ने के लिए सक्रिय नजर आई।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 529 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस ने विशेष सप्ताहांत शराब पीकर वाहन चलाने की जांच के दौरान 529 लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए। पकड़े गए लोगों में 417 दो पहिया वाहन चालक, 24 तिपहिया वाहन चालक और 88 चार पहिया वाहन चालक शामिल हैं। राजेंद्रनगर पुलिस ने 71 व्यक्तियों को पकड़ा, उसके बाद केपीएचबी पुलिस ने 54 व्यक्तियों को, गच्चीबावली और शादनगर पुलिस ने 42-42 व्यक्तियों को पकड़ा। सभी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उन्हें अदालत में पेश होना होगा।

गंभीर रूप से झुलसी बच्ची की उपचार के दौरान मौत

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के नरसापुर (जी) मंडल स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय छात्रावास में गलती से गर्म सब्जी के बर्तन में गिरने से गंभीर रूप से झुलसी चार साल की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शानविका 21 अक्टूबर को छात्रावास में गर्म करी से भरे कटोरे में गिर गई और गंभीर रूप से झुलस गई। 18 दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच जूझने के बाद हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसका शव शनिवार शाम को नरसापुर (जी) लाया गया। वह छात्रावास में सहायक रसोइया दिव्या श्री की बेटी थी, जबकि उसके पिता, दारमाराजू, आजीविका के लिए खाड़ी देशों में चले गए थे। घटना वाले दिन शानविका अपनी माँ के साथ हॉस्टल गई थी। उसे पहले नरसापुर (जी) मंडल केंद्र के एक अस्पताल में ले जाया गया, और बाद में उसकी हालत बिगड़ने पर हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए उसके लिए पैसे जुटाए।

साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क में मदद करने के आरोप में पांच राज्यों से 81 गिरफ्तार

तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीएससीबी) ने देश के पांच राज्यों से सात महिलाओं सहित 81 लोगों को विभिन्न साइबर अपराधों में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया है। टीजीएससीबी की निदेशक शिखा गोयल के अनुसार, इस अभियान का महत्वपूर्ण पहलू उस आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ना है जो साइबर अपराधियों को बेखौफ होकर काम करने में सक्षम बनाती है। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक निजी बैंक का सेल्स एक्जीक्यूटिव भी शामिल है जो 106 मामलों में शामिल है, जबकि विभिन्न निजी बैंकों के दो कर्मचारी अवैध वित्तीय गतिविधियों में शामिल हैं। शिखा गोयल ने कहा, अभियान के दौरान बैंक खाते, मोबाइल नंबर, सिम कार्ड और वित्तीय चैनल प्रदान करने वाले मददगारों की पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। इन लोगों को गिरफ्तार करके, टीजीएसबी का उद्देश्य बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी को बढ़ावा देने वाले तंत्र को ध्वस्त करना और यह सुनिश्चित करना है कि ऐसे नेटवर्क उन उपकरणों से वंचित रहें जिन पर वे निर्भर हैं। उन्होंने आगे कहा कि जांच अधिकारियों ने आरोपियों से जुड़े कई बैंक खातों की पहचान कर उन्हें फ्रीज कर दिया है और पीड़ितों के लिए धन वापसी की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 28 केरल, 23 महाराष्ट्र, 10 आंध्र प्रदेश, 7 तमिलनाडु और 13 कर्नाटक से हैं। पुलिस ने विभिन्न धोखाधड़ी वाले लेनदेन में इस्तेमाल किए गए 84 मोबाइल फोन, 101 सिम कार्ड, 89 बैंक पासबुक और चेकबुक जब्त किए।

तिरुमला कार्तिक वनभोजनम् का आयोजन

तिरुमला, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को तिरुमला स्थित पर्वत मंडपम् के विशाल लॉन में सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे धार्मिक उल्लास का माहौल रहा। टीटीडी ने वार्षिक कार्तिक वनभोजनम् का भव्य आयोजन किया और सामुदायिक भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस बीच, दिन की शुरुआत सुबह 8.30 बजे वाहन मंडपम् से गज वाहनम् पर सवार श्री मलयप्पा स्वामी की शोभायात्रा के साथ हुई, जो तिरुमाला के घने जंगलों के बीच पहाड़ी मंदिर से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थित पर्वत मंडपम् स्थल तक पहुंची। इस शोभायात्रा में उनकी दो दिव्य पत्नियां श्रीदेवी और भूदेवी की मूर्तियां एक सुंदर ढंग से सजी हुई पालकी में सवार होकर रंगनायकुला मंडपम् से परुवेता मंडपम् तक पहुंचीं। कई भजन मंडलियों ने भजन गाते और कोलाटम के साथ नृत्य करते हुए शोभायात्रा का नेतृत्व किया। मंडपम में, मंदिर के पुजारियों ने सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक देवताओं को औपचारिक रूप से स्नपन तिरुमंजनम अर्पित किया, जिसके बाद समर्पण और नैवेद्यम का भोग लगाया गया। इसके बाद, सभी आयु वर्ग के तीर्थयात्रियों ने विशाल हरित क्षेत्र में स्थित आंवले के वृक्षों के नीचे सामूहिक भोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंदिर के अधिकारी भी उपस्थित थे।

महिला की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डुंडीगल पुलिस ने बहादुरपल्ली में एक महिला की हत्या के सिलसिले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, महिला स्वाति (21) अपने बेटे के साथ बहादुरपल्ली के ग्रीन हिल्स कॉलोनी में रहती थी। अपने पति के साथ कुछ अनबन के कारण, वह किराए के मकान में अलग रह रही थी। स्वाति की जान-पहचान दो लोगों से हुई- किशन, जो उसे तब से जानता था जब से उसके पति के साथ अनबन चल रही थी। उसने अपने कब्जे वाली एक इमारत में उसके लिए रहने की व्यवस्था भी की थी और - एक अन्य व्यक्ति राजेश, जो किशन का दोस्त है। शहर आने से पहले, स्वाति ने अपने पति के खिलाफ अपने मायके में जान से मारने की कोशिश का मामला दर्ज कराया था। किशन और राजेश ने इमारत में घुसकर कथित तौर पर स्वाति का गला उसके बेटे के सामने ही काट दिया। बाद में वे फरार हो गए। पुलिस ने दोनों का पता लगाकर उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि किशन का स्वाति के साथ विवाहेतर संबंध था, जिससे उसके परिवार में कलह चल रही थी। साथ ही, उस व्यक्ति का पीड़िता के साथ कुछ आर्थिक विवाद भी चल रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएनजी टैंकर लीक से लातूर-नांदेड़ राजमार्ग पर दो घंटे यातायात बाधित

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में रविवार को सीएनजी ले जा रहे एक टैंकर में रिसाव होने के बाद राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन ठप हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि रिसाव की सूचना मिलने के बाद सुबह गरुड़ चौक के पास लातूर-नांदेड़ राजमार्ग पर दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। उन्होंने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस और अग्निशमन दल मौके पर पहुंचे। एहतियात के तौर पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से रोक दी गई, जब तक कि रात 11:45 बजे टैंकर के अंदर गैस का दबाव स्वाभाविक रूप से कम नहीं हो गया। अधिकारी ने बताया कि दो घंटे की रुकावट के बाद वाहनों की आवाजाही धीरे-धीरे बहाल कर दी गई और स्थिति को सुरक्षित घोषित कर दिया गया।

आदिवासी महिलाओं ने रच दिया सफलता का इतिहास

भीम भाई आदिवासी महिला सहकार संगम बना आर्थिक विकास में प्रेरक

आदिवासी महिलाओं ने महुआ लड्डू के उत्पादन से 1.27 करोड़ रुपये का वार्षिक कारोबार हासिल किया

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार महिलाओं के आर्थिक विकास में सहयोग कर रही है। इसी कड़ी में, उत्नूर आईटीडीए कौशल विकास विभाग के माध्यम से आदिवासी महिलाओं के पूर्ण आर्थिक एकीकरण की दिशा में काम कर रहा है। स्वास्थ्य सेवा में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थों का महत्व बढ़ रहा है। इनमें से, उच्च पोषण मूल्य वाला महुआ लड्डू, आदिवासी लोगों की जीवनशैली में एक विशेष स्थान रखता है। आदिवासी महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से वित्तीय साक्षरता हासिल की है। उन्होंने 12 लोगों को महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में भेजकर उन्हें प्राकृतिक पौधों की सामग्री से लड्डू बनाने का प्रशिक्षण दिया। टीआरआईसीओआर ने उत्नूर में 40 लाख रुपये की लागत से स्थापित लड्डू निर्माण इकाई को 60 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की। 30 प्रतिशत बैंक ऋण और 10 प्रतिशत महिलाओं द्वारा वहन किया गया। लड्डू तैयार करने में, राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) के विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार दाल, तिल, गुड़, काजू, किशमिश और सूरजमुखी के तेल को मिलाकर लड्डू तैयार किए जाते हैं। ये सामग्रियां स्थानीय स्तर पर थोक दुकानों से प्राप्त की जाती हैं। हर साल, संयुक्त आदिलाबाद, विशेष रूप से कुमरम भीम-आसिफाबाद जिले के आदिवासियों से मार्च के महीने में उपलब्ध लगभग 150 क्विंटल महुआ लड्डू को आईटीडीए गोदाम में एकत्र करके संग्रहीत किया जाता है। महुआ लड्डू के संग्रह से लगभग सौ परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। आदिवासी पोषण मित्र योजना के अंतर्गत, उत्नूर आईटीडीए क्षेत्र के अंतर्गत 77 आश्रम विद्यालयों को हर महीने 2,300 किलोग्राम पौष्टिक महुआ लड्डू की आपूर्ति की जा रही है। खुले बाजार में हर महीने 900 किलो लड्डू बेचे जा रहे हैं। आश्रम विद्यालयों को ये 320 रुपये प्रति किलो और खुले बाजार में 360 रुपये प्रति किलो की दर से बेचे जा रहे हैं। हैदराबाद के शिल्पारामम में इंदिरा महिला शक्ति केंद्र में एक और बालापुर में एक महुआ लड्डू बिक्री केंद्र स्थापित किया गया है। शिल्पारामम में साप्ताहिक 15 किलो महुआ लड्डू और बालापुर में साप्ताहिक 25 किलो महुआ लड्डू बेचे जा रहे हैं। आदिवासी लोग यहां इप्पापुवु लड्डू (महुआ लड्डू) बेच रहे हैं। साथ ही, हर सोमवार को आयोजित होने वाले प्रजा दरबार के अवसर पर आईटीडीए परिसर में एक स्टॉल लगाया जा रहा है। भीमभाई आदिवासी महिला सहायक संगम की आयोजक भागू भाई ने कहा कि उन्होंने इप्पापुवु लड्डू के निर्माण और बिक्री के माध्यम से 1 करोड़ 27 लाख रुपये का वार्षिक कारोबार हासिल किया है उत्नूर की अपनी यात्रा के दौरान, राज्य की पंचायत, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दनसरी अनसूया (सीतक्का) ने आदिवासी महिलाओं की प्रशंसा की और उन्हें आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में महिलाओं के प्रयासों और उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता के बारे में बात की। यह आईटीडीए द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण और प्राकृतिक संसाधन-आधारित आजीविका के सशक्तिकरण का प्रतीक है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.